नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे के लिए ब्रेट रैंडेल...



www.naisochlive.com | पटना, शुक्रवार, 13 नवंबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 257, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

प्रधानमंत्री मोदी का आज कर्नाटक दौरा, 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

एजेंसी, बेंगलुरु

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को कर्नाटक के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे बेंगलुरु और मैसूरु में 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं में शहरी परिवहन, बिजली पारेषण, नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोलियम अवसंरचना, अपशिष्ट प्रबंधन और रेलवे क्षेत्र से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री सुबह करीब 10:45 बजे बेंगलुरु स्थित प्रशांति कुटीरम में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर वे स्वर्ण जयंती प्रशासनिक भवन की आधारशिला रखेंगे और केरल के तिरुवनंतपुरम में स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान के ऑफ-कैंपस केंद्र का शुभारंभ करेंगे। वे समारोह को संबोधित भी करेंगे। वर्ष 1975 में स्थापित प्रशांति कुटीरम आधुनिक विज्ञान और भारत की आध्यात्मिक परंपरा के समन्वय के उद्देश्य से स्थापित किया गया था। यहां स्थित स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान को वर्ष 2002 में



मानद विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया था। यह संस्थान योग शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत है।

इस कार्यक्रम में बेंगलुरु में जन्मे विचारक, लेखक और संगठनकर्ता होंगसंद्रा वेंकटरमैया शेषाद्री की जन्मशताब्दी भी मनाई जाएगी। उन्होंने वर्ष 1987 से 2000 तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह के रूप में कार्य किया था। प्रधानमंत्री दोपहर करीब 12:45 बजे तावरेकेरे से भारतीय विज्ञान संस्थान मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो से यात्रा करेंगे। इस दौरान वे कालेन अग्रहारा से तावरेकेरे तक बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन करेंगे। करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस मार्ग से शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मजबूत होगी। इससे यात्रियों का समय बचेगा और यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

इसके बाद दोपहर करीब 1:15 बजे प्रधानमंत्री बेंगलुरु में 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री करीब 4,450 करोड़ रुपये की लागत से विकसित कोप्पल-2 और गदग-2 नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों की बिजली पारेषण योजना का उद्घाटन करेंगे। इससे इन क्षेत्रों में उपलब्ध लगभग 2 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा को बिजली ग्रिड तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा करीब 1,370 करोड़ रुपये की लागत से विकसित बीदर सौर ऊर्जा क्षेत्र की पारेषण योजना का भी उद्घाटन किया जाएगा। इसके तहत बीदर पूलिंग स्टेशन स्थापित किया गया है, जिससे क्षेत्र की 2.5 गीगावाट सौर ऊर्जा का पारेषण संभव होगा। प्रधानमंत्री दावणगेरे, चित्रदुर्ग और बल्लारी नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों को जोड़ने वाली 3,450 करोड़ रुपये से अधिक की बिजली पारेषण योजना की आधारशिला रखेंगे। इसके साथ ही दावणगेरे और बल्लारी में अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के एकीकरण के लिए 1,100 करोड़ से अधिक की लागत वाली बिजली पारेषण प्रणाली को मजबूत करने की परियोजना का भी शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री मंगलुरु में 850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसकी भंडारण क्षमता 80 हजार मीट्रिक टन है। इस परियोजना में न्यू मंगलुरु बंदरगाह से मुख्य टर्मिनल तक 9.4 किलोमीटर लंबी एलपीजी पाइपलाइन भी शामिल है। इससे रसोई गैस के भंडारण और परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा मंगलुरु रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के बेंगलुरु स्थित देवनगुंठी मार्केटिंग टर्मिनल को भी राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। 330 करोड़ रुपयेकी लागत से निर्मित यह केंद्र पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण और वितरण को बेहतर बनाएगा।

प्रधानमंत्री बेंगलुरु के हरलाकुंटे में गेल के संपीड़ित जैविक गैस संयंत्र की आधारशिला रखेंगे। इस संयंत्र में प्रतिदिन लगभग 300 टन शहरी ठोस कचरे का प्रसंस्करण कर 12.6 टन संपीड़ित जैविक गैस का उत्पादन किया जाएगा। इससे वैज्ञानिक तरीके से कचरा प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा और पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित चार रेलवे स्टेशनों चामराजनगर, चिक्कमगलुरु, सकलेशपुर और सुब्रह्मण्य रोड का उद्घाटन करेंगे। इन स्टेशनों पर यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में भाग लेने फिलिपींस जायेंगे प्रधानमंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और आसियान के नेतृत्व वाले पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की 21वीं प्रक्रिया बैठक में भाग लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर मलीना (फिलिपींस) जाएंगे। विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया की यात्रा 16 से 18 नवंबर के दौरान होगी। उन्होंने कहा कि भारत के आसियान के सभी 11 सदस्यों के साथ गर्मजोशी भरे द्विपक्षीय संबंध हैं। आसियान भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' के केंद्र में है। यात्रा के पहले दिन प्रधानमंत्री मलीना में राष्ट्रपति मार्को की ओर से आगंतुक नेताओं के लिए आयोजित रात्रिभोज में भाग लेंगे। अगले दिन वे आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन प्रक्रिया बैठक में भाग लेंगे। इसी बीच वह अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय मुलाकात भी कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन का नेतृत्व आसियान अध्यक्ष यानी फिलिपींस कर रहा है।

अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी को जान से मारने की धमकी, 7 करोड़ रुपये की मांगी रंगदारी

एजेंसी, मोहाली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। धमकी देने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताते हुए सात करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। इस संबंध में दिल्ली के तिलक नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह की शिकायत पर मोहाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विधायक जरनैल सिंह ने मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि छह नवंबर को उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। इसके अलावा उन्हें व्हाट्सएप के माध्यम से भी धमकी भरा संदेश भेजा गया। धमकी देने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताया। विधायक की शिकायत के अनुसार फोन करने वाले व्यक्ति ने अरविंद केजरीवाल से सात करोड़ रुपये देने की मांग की। उसने धमकी दी कि यदि उसकी मांग पूरी नहीं की गई, तो वह अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता की हत्या कर देगा। विधायक जरनैल सिंह ने शिकायत में कहा कि अरविंद केजरीवाल देश के प्रमुख राजनीतिक नेताओं में शामिल हैं। ऐसे में उन्हें और उनके परिवार को मिली धमकी गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय है। उन्होंने पुलिस से मामले की व्यापक जांच करने और धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसे गिरफ्तार करने की मांग की है। विधायक ने फोन संबंधी अभिलेखों, इंटरनेट पते और धमकी देने के लिए इस्तेमाल किए गए उपकरण की वास्तविक स्थिति का पता लगाने की भी अपील की है। इसके साथ ही उन्होंने अरविंद केजरीवाल तथा उनकी बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। विधायक जरनैल सिंह की शिकायत के आधार पर मोहाली पुलिस ने साइबर अपराध थाने में भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान और उसके लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से वास्तविक संबंधों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

बाबा महाकाल की शरण में पहुंचे क्रिकेटर उमेश यादव, भस्म आरती में शामिल होकर लिया आशीर्वाद

एजेंसी, उज्जैन। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज उमेश यादव गुरुवार सुबह विश्व प्रसिद्ध धर्मनगरी उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने श्री



महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम की सफलता और आगामी मुकाबलों में जीत की कामना की। क्रिकेट के मैदान पर अपनी तेज गेंदबाजी से पहचान बनाने वाले उमेश यादव गुरुवार सुबह महाकाल मंदिर पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान से आयोजित भस्म आरती में सहभागिता की और बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने देश की क्रिकेट टीम के बेहतर प्रदर्शन और अच्छे मैचों में जीत के लिए प्रार्थना की। भस्म आरती के बाद मंदिर परिसर से बाहर आए उमेश यादव ने अपने दर्शन के अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, "आज श्री महाकाल मंदिर में दर्शन काफी अच्छे हुए। दर्शन करके काफी आनंद आया।" उमेश यादव का महाकाल मंदिर पहुंचना क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय रहा। उन्होंने बाबा महाकाल के दरबार में भारतीय टीम की सफलता और जीत की कामना की। क्रिकेट के मैदान पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाले उमेश यादव ने इस धार्मिक यात्रा के दौरान बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया।

दिल्ली का एक्यूआई 'बेहद गंभीर' श्रेणी में दर्ज, पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी होने के आसार



एजेंसी, नई दिल्ली । दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। गुरुवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 313 दर्ज किया गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में माना जाता है। वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में बूंदाबांदी होने के आसार हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार राजधानी के अलावा एनसीआर के अन्य शहरों में भी हवा की गुणवत्ता खराब रही। गाजियाबाद में एक्यूआई 297, नोएडा में 291 और ग्रेटर नोएडा में 257 दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अगले तीन दिनों तक सुबह के समय धुंध या हल्का कोहरा छाया रहने के आसार हैं। 13 नवंबर को अधिकतम तापमान 28-30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 16-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 14-15 नवंबर को तापमान में हल्की गिरावट के साथ अधिकतम पारा 26-29 डिग्री और न्यूनतम पारा 15-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि कश्मीर संभाग और आसपास के निचले क्षोभमंडल में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है।

निवेशकों को राजनीतिक प्रतिशोध से बचाने के लिए राष्ट्रीय कानून बने : चंद्रबाबू नायडू

एजेंसी, विशाखापत्तनम

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार राजनीतिक प्रतिशोध से निवेशकों की सुरक्षा के लिए 'निवेश संरक्षण अधिनियम' लाएगी। उन्होंने केंद्र सरकार से भी देशभर के निवेशकों को अधिक सुरक्षा और विश्वास प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर इसी तरह का कानून लाने का आग्रह किया। चंद्रबाबू नायडू ने साझा किया कि जून 2024 से अबतक आंध्र प्रदेश को 22.6 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इनमें से 73 प्रतिशत प्रतिबद्धताएं स्वीकृत परियोजनाओं में बदल चुकी हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत 17.2 लाख करोड़ रुपये है और इनसे 12.7 लाख लोगों के लिए रोजगार सृजित होने की



उम्मीद है। उन्होंने बताया कि इनमें से 51 प्रतिशत परियोजनाएं जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के चरण में पहुंच चुकी हैं। 5.9 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जिनमें 7.4 लाख नौकरियां पैदा करने की क्षमता है। इससे पहले, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने यहां शुरू हुए 31वें सीआईआई पार्टनरशिप समिट में ड्रम बजाया।

सैम पित्रोदा ने की पीएम मोदी की तारीफ, बोले- व्यक्तिगत मतभेद नहीं, विचारधारा से असहमति

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें अच्छा वक्ता, मेहनती, दयालु और गर्मजोशी से मिलने वाला व्यक्ति बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनका कोई व्यक्तिगत मतभेद नहीं है। उनकी असहमति केवल प्रधानमंत्री की विचारधारा और दुनिया को देखने के नजरिये से है। पित्रोदा ने एक विशेष इंटरव्यू में यह बातें कहीं। उनसे कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की उस टिप्पणी के बारे में सवाल किया गया था, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अच्छा वक्ता बताया था। इसके जवाब में पित्रोदा ने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान करते हैं। दोनों के बीच अच्छे संबंध हैं और वह मोदी से कई बार मिल चुके हैं। सैम पित्रोदा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उनके प्रति हमेशा गर्मजोशी से पेश आए हैं। वह एक दयालु, स्नेही और दूसरों का ख्याल रखने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि मोदी अच्छे वक्ता होने के साथ मेहनती भी हैं। पित्रोदा के मुताबिक, उनकी पत्नी और वह भी प्रधानमंत्री से मिल चुके हैं। गुजरात में वह कई



बार मोदी के घर भी जा चुके हैं। पित्रोदा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रति उनके मन में कोई व्यक्तिगत नाराजगी या शिकायत नहीं है। एक गुजराती मित्र और शुभचिंतक के रूप में वह उनका सम्मान करते हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री के विचारों और देश-दुनिया को देखने के नजरिये से वह सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के साथ अच्छे व्यक्तिगत संबंध होने के बावजूद उसके विचारों से असहमति रखी जा सकती है। ये दोनों अलग-अलग बातें हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठकर खाना खा सकते हैं और हंसी-मजाक भी कर सकते हैं। गौरतलब है कि सोनिया गांधी ने भी वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री मोदी को अच्छा वक्ता बताया था। उन्होंने कहा था कि मोदी अच्छा भाषण देते हैं और एक अभिनेता की तरह अपनी बात रखते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री अपने भाषणों में कई बार गलत बातें कहते हैं।

दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी सहित उत्तर बंगाल में भूकंप के झटके

एजेंसी, कोलकाता : दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी सहित उत्तर बंगाल के एक बड़े हिस्से में आज तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, यह भूकंप सुबह करीब 4:30 बजे आया, जिसका प्रभाव दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और जलपाईगुड़ी जिलों में स्पष्ट रूप से महसूस किया गया। इसके अलावा सिक्किम, बिहार, नेपाल और भूटान के कुछ हिस्सों में भी धरती हिली। भूकंप का केंद्र पड़ोसी देश नेपाल रहा, जो सिक्किम के नेपाल सीमा से सटा हुआ क्षेत्र है। इसकी गहराई युकसोम (सिक्किम) से लगभग 40 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में बताई गई है। यही कारण है कि सिक्किम के एक बड़े इलाके के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के दो पहाड़ी जिलों, दार्जिलिंग और कलिम्पोंग में भी इसका असर दिखाई दिया। बांग्लादेश के भी कुछ इलाकों में हल्के झटके महसूस किए जाने की खबर है। अचानक धरती हिलने से लोग दहशत में आ गए और जान बचाने के लिए घरों से बाहर निकल आए। एक विस्तृत क्षेत्र में कंपन महसूस होने के बावजूद, नेपाल में आए इस भूकंप से अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान या संपत्ति के भारी नुकसान की कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है।

नरसिम्हा राव के पोते ने सोनिया गांधी की किताब को बताया झूठ का पुलिंदा

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम । भाजपा की तेलंगाना इकाई के मुख्य प्रवक्ता और पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव के पोते एन.वी. सुभाष ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के संस्मरणों को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने किताब को 'झूठ का पुलिंदा' बताते हुए आरोप लगाया कि इसमें गांधी परिवार के सत्ता में रहने के दौरान हुई ऐतिहासिक गलतियों का उल्लेख नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि किताब में उनके दादा पी.वी. नरसिम्हा राव के कांग्रेस और देश के लिए योगदान को भी जानबूझकर नजरअंदाज किया गया है। एक बातचीत में सुभाष ने कहा कि राव के परिवार के लिए किताब में उनका पर्याप्त उल्लेख नहीं होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।



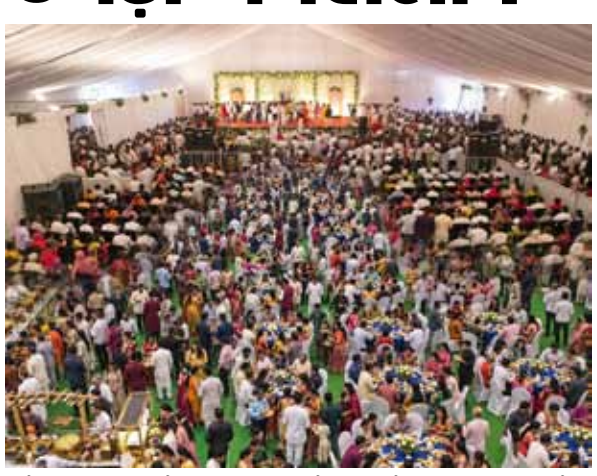
उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी ने जानबूझकर राव के योगदान को नजरअंदाज किया होगा। उनके मुताबिक गांधी परिवार की पुरानी आदत रही है कि वह कांग्रेस के अपने ही नेताओं को कमतर दिखाता रहा है, ताकि परिवार के सदस्यों को अधिक महत्व मिल सके। सुभाष ने किताब में विरोधाभास होने का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ सोनिया गांधी ने अपने संस्मरणों में यह बात कही है कि वह नहीं चाहती थीं कि उनके पति और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी राजनीति में आएं, जबकि दूसरी ओर उन्होंने अपने बच्चों को मुख्यधारा की राजनीति में आगे बढ़ाया और भविष्य में अगली पीढ़ी के राजनीति में आने की संभावना भी बनी हुई है।

आर.के. सिन्हा की श्रद्धांजलि सभा में उमड़ा जनसैलाब

देश की नामचीन हस्तियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि, राजनीतिज्ञों, बिजनेसमैन, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों की बड़ी मौजूदगी ने दिखाया आर.के. सिन्हा का व्यापक सामाजिक प्रभाव।

नई सोच एक्सप्रेस/ पटना

पूर्व राज्यसभा सांसद, वरिष्ठ पत्रकार, प्रख्यात उद्यमी एवं समाजसेवी आर.के. सिन्हा की श्रद्धांजलि सभा में गुरुवार को पाटलिपुत्र कॉलोनी स्थित अन्नपूर्णा भवन में जनसैलाब उमड़ पड़ा। देश के नामचीन राजनीतिज्ञों, केंद्रीय मंत्रियों, उद्योगपतियों, व्यवसायियों, पत्रकारों, शिक्षाविदों और सामाजिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों ने उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं और समाज के अलग-अलग वर्गों से जुड़े लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने आर.के. सिन्हा के व्यापक सामाजिक प्रभाव और लोकप्रियता को प्रदर्शित किया। आर.के. सिन्हा का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा। पूर्व राज्यसभा सांसद होने के साथ-साथ वे एक सफल उद्यमी, वरिष्ठ पत्रकार और समाजसेवी के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखते थे। उन्होंने अपने कार्यों और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के बीच अपनी अलग जगह बनाई। सभा की सबसे खास बात यह रही कि यहां राजनीतिक



दलों की सीमाएं पीछे छूटती नजर आईं। अलग-अलग विचारधाराओं के नेता, उद्योग जगत की हस्तियां, शिक्षाविद, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि एक मंच पर उपस्थित हुए। यह सहभागिता उनके सर्वस्वीकार्य व्यक्तित्व और व्यापक सामाजिक जुड़ाव का प्रमाण बनी। किसी भी व्यक्ति के जाने के बाद उसके व्यक्तित्व और कृतित्व का वास्तविक मूल्यांकन इस बात से होता है कि उसने कितने लोगों के जीवन को प्रभावित किया और कितने दिलों में अपनी जगह बनाई। अन्नपूर्णा भवन में उमड़ी भीड़ और समाज के हर वर्ग की भागीदारी ने आर.के. सिन्हा के इसी प्रभाव को प्रदर्शित किया। यह श्रद्धांजलि सभा केवल उन्हें याद करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके जीवन, विचारों, उपलब्धियों और सामाजिक योगदान से प्रेरणा लेने का भी अवसर बनी। उनका व्यक्तित्व और समाज के प्रति योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से भाजपा के स्तंभ श्री मुरली मनोहर जोशी, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी , पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार , पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के साथ मीसा भारती और रोहिणी आचार्य, जीतन राम मांझी , केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल, गिरिराज सिंह, संजय सरावगी, वैजयंती पांडा, आशीष सूद, सुबोध कांत सहाय, संजीव चौरसिया, विनोद तावड़े, रविशंकर प्रसाद, रेणु देवी, मंगल पांडेय, सैयद शाहनवाज हुसैन, उपेंद्र कुशवाहा, चिराग पासवान, पप्पू यादव , डा सीपी ठाकुर अक्षरा सिंह, उद्योग जगत के ऊधमी, चिकित्सा जगत के डॉक्टर्स, साधु संतों, पत्रकार जगत के वरीय पत्रकारों सहित देश और प्रदेश के पक्ष और विपक्ष के नेताए के अलावा हजारों की संख्या में आए आमजनों ने उनको पुष्पांजलि अर्पित की ! इसके पूर्व भी ऋतुराज सिन्हा से असम के मुख्यमंत्री हेमंता, धर्मेंद्र प्रधान, संजय झा, संतोष मांझी सहित बिहार के सभी मंत्री एवं एनी ने मुलाक़ात कर अपनी संवेदना प्रकट की थी !

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सेल्फ-गोल टैलेंट अपनी मां से विरासत में पाया

- **सोनिया गांधी की बायोग्राफी को लेकर बीजेपी नेता कंगना ने उठाए कई सवाल**

एजेंसी, नई दिल्ली

अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने सोनिया गांधी की बायोग्राफी को लेकर कई सवाल उठाए हैं। सोनिया गांधी की बायोग्राफी को सेल्फ-गोल बताते हुए कंगना ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने अपना सेल्फ-गोल टैलेंट अपनी मां से विरासत में पाया है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ये बातें लिखीं, जिनमें उन्होंने राजीव गांधी की मौत, मेनका गांधी के परिवार से अलग होने और सोनिया गांधी



की नागरिकता को लेकर टिप्पणी की। कंगना ने स्विस बैंक खातों को लेकर बिना सबूत के आरोप भी लगाए। पहली स्टोरी में कंगना ने लिखा, सोनिया गांधी की बायोग्राफी एक ऐसा सेल्फ-गोल है। वह बताती हैं कि राजीव गांधी की मौत वाले दिन थकान और सुस्ती जैसे कारणों का हवाला देते हुए वे उनके साथ जाने से कैसे बचीं। तो अब हमें पता चल गया कि राहुल गांधी को अपना सेल्फ-गोल टैलेंट कहां से मिला है। उन्हें यह अपनी मम्मी से मिला है। उन्होंने अगली स्टोरी में लिखा- राजीव सिर्फ एक शर्त पर सोनिया गांधी के पास वापस आने के लिए सहमत हुए। मेनका को जाना होगा। यह मेनका के लिए भी चौंकाने वाला था, खासकर इसलिए क्योंकि इसी समय, संजय की मौत के बाद, सोनिया गांधी ने भारत में 15 साल रहने के बाद भारतीय नागरिकता हासिल करने का फैसला किया। कंगना ने जिक्र किया कि मेनका गांधी कहती हैं कि वह और इंदिरा गांधी दोनों एक तीसरे व्यक्ति की शिकार थीं। उन्होंने लिखा- वह तीसरा व्यक्ति कौन था? 22 साल की विधवा मेनका को बताया गया कि उन्हें जाना होगा और वह दूसरों के साथ एक ही टेबल पर बैठ भी नहीं सकतीं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा के श्राद्धकर्म में शामिल हुए प्रो. रणबीर नंदन



पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. आरके सिन्हा के श्राद्धकर्म में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रो. नंदन ने स्व. सिन्हा के पुत्र ऋतुराज सिन्हा से मुलाकात कर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं और दुःख की इस घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया। प्रो. रणबीर नंदन ने इस संबंध में कहा कि आदरणीय आरके सिन्हा का निधन एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि भगवान दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

मंत्री रामकृपाल यादव ने खगौल लख के छठ घाट का किया निरीक्षण



दानापुर। गुरुवार को सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव,दानापुर अनुमंडल पदाधिकारी वी विक्रम सिंह ,नगर परिषद की अध्यक्ष सुजीत कुमार कार्यपालक पदाधिकारी अभिनव कुमार ने छठ पर्व के पूर्व नहर लख घाट ,बड़ी खगौल चक्रदाहा स्थिति तालाब,लखनी बीघा मठ पर, लेखा नगर छठ घाट आदि की साफ सफाई, बैरिकेटिंग, समुचित रौशनी की व्यवस्था आदि कार्यों का निरीक्षण कर सम्बन्धित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मुख्य पार्षद सुजीत कुमार ने बताया कि नहर में जमे गंदे पानी,खर पतवार एवं गाद को निकाला जा रहा है। इसके बाद नहर में दो जगहों पर स्थित जलमीनार के पानी को चार फीट तक नहर में पूरी तरह आ जाएगा। घाट पर रौशनी एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था रहेगी।

न्यू कॉलोनी में भव्य चित्रगुप्त पूजनोत्सव, श्रद्धा-भक्ति में डूबा पूजा परिसर



दानापुर।श्री श्री चित्रगुप्त पूजा समिति, न्यू कॉलोनी, खगौल के तत्वावधान में भगवान श्री चित्रगुप्त जी का पावन पूजन समारोह अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूजा परिसर श्रद्धालुओं की आस्था, धार्मिक उत्साह एवं सामाजिक समरसता का अद्भुत केंद्र बना रहा। इस मौके पर देव म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों अपनी प्रस्तुतियों से सबों का मन मोह लिया l समारोह में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी, बिहार भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष सरावगी , पूर्व मध्य रेलवे, दानापुर मंडल के वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ जी, वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अतुल कुमार , एक्सईएन (ब्रिज) परमानंद , मंडल अभियंता विकास रंजन ने शामिल होकर भगवान श्री चित्रगुप्त से आशीर्वाद लिए l अतिथियों ने समिति द्वारा किए जा रहे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को समाज में सांस्कृतिक चेतना एवं सामाजिक एकता का प्रेरणास्रोत बताया। धार्मिक आस्था, सामाजिक सौहार्द एवं सांस्कृतिक गरिमा से परिपूर्ण यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय रहा तथा क्षेत्र में भाईचारे, एकता एवं सनातन संस्कृति के प्रति लोगों की आस्था को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश दिया है।

छठ पर्व प्रकृति, आस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक : ओम नमः शिवाय सिंह



पटना। लोक आस्था का महापर्व छठ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण, सामाजिक एकता और पारिवारिक सद्भाव का प्रतीक है। यह पर्व भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। उक्त बातें शिक्षाविद्-सह-अधिवक्ता ओम नमः शिवाय सिंह ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय साहित्य सारथी के बैनर तले यशोदा भवन, पटना में आयोजित 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में छठ पर्व की प्रासंगिकता' विषयक व्याख्यानमाला की अध्यक्षता करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व सूर्य, प्रकृति, जल और छठी मैया की उपासना को समर्पित चार दिवसीय महापर्व है। यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है। बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश सहित देश के कई राज्यों में इसकी विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता है। ओम नमः शिवाय सिंह ने छठ पर्व की ऐतिहासिक एवं धार्मिक मान्यताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता सीता, भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब, दानवीर कर्ण और द्रौपदी ने भी सूर्य उपासना की थी। छठ पर्व में भगवान भास्कर की आराधना संतान की दीर्घायु, सुखद भविष्य, धन-धान्य, सुख-शांति और समृद्धि की कामना के लिए की जाती है। उन्होंने कहा कि छठ पर्व हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने, स्वच्छता अपनाने और समाज में आपसी प्रेम एवं भाईचारे को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें जाति, वर्ग और आर्थिक भेदभाव से ऊपर उठकर सभी लोग एक साथ पर्व मनाते हैं।

एक करोड़ नए लोगों को राशन कार्ड से जोड़ने के लक्ष्य के तहत आज 23.75 लाख नए लाभुकों को मिला राशन कार्ड

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ज्ञान भवन में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा आयोजित नवनिर्गत राशन कार्ड एवं उचित मूल्य की दुकानों की अनुज्ञप्ति पत्रों के वितरण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने 23 लाख 75 हजार नये लाभुकों को राशन कार्ड का वितरण किया तथा 1448 नई जन वितरण प्रणाली दुकानों के लिए अनुज्ञप्तियों का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से कुछ लाभुकों को उमी राशन कार्ड प्रदान किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी के लिए गौरव का पल है कि आज 23 लाख 75 हजार नये लाभुकों को राशन कार्ड तथा 1448 नई जन वितरण प्रणाली दुकानों के लिए अनुज्ञप्तियों का वितरण किया गया है। सभी जन प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों से आग्रह है कि अभियान चलाकर राशन कार्ड से वंचित पात्र लोगों के नाम जोड़ने की पहल करें। उन्होंने कहा कि 'सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सभी जरूरी आवश्यकताओं के लिए कार्य किया जाना है। स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्र, सामुदायिक भवन, छठ घाट सहित अन्य बुनियादी आवश्यकताओं को ठीक करना है। पंचायत स्तर पर ही जरूरतमंद लोगों की पहचान कर उन्हें सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि गांवों की स्थिति में सुधार और ग्रामीण आधारभूत संरचना के विकास के लिए 22,000 करोड़ रुपये की योजनाओं पर काम किया जा रहा है।

» आवेदन के 30 दिनों के भीतर बनेगा सभी पात्र परिवारों का नया राशन कार्ड : सम्राट

छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर लोकमंच की बड़ी पहल

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।भारतीय लोकमंच पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव कुणाल सिकंद ने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं एवं छठव्रतियों की सुविधा, सुरक्षा और बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखकर कई महत्वपूर्ण मांगें रखी हैं। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती आबादी और छठ महापर्व में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए बिहार के सभी प्रमुख छठ घाटों का क्षेत्रफल बढ़ाना बेहद जरूरी है, ताकि श्रद्धालुओं और छठव्रतियों को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कुणाल सिकंद ने घाटों पर मेडिकल टीम, फायर ब्रिगेड, वोटर पेट्रोलिंग, बेहतर चेंजिंग रूम तथा पर्याप्त संख्या में महिला एवं पुरुष पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है। उन्होंने बिहार के अलावा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता को भी पत्र लिखकर अपने-अपने राज्यों में छठ घाटों का निरीक्षण कराने तथा छठव्रतियों को हरसंभव सुविधा उपलब्ध कराने की अपील की है। इसके साथ ही बिहार के सभी 38 जिलों के जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर सरकारी एवं निजी छठ घाटों तथा तालाबों का निरीक्षण कराने की मांग की है। उन्होंने विशेष रूप से निजी घाटों पर जिला प्रशासन की ओर से गंगाजल उपलब्ध कराने, महिला एवं पुरुष पुलिस बल की तैनाती तथा फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है। सिकंद ने कहा कि छठ केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारा प्रयास है कि देश के किसी भी कोने में छठव्रतियों को असुविधा न हो और सभी लोग पूरी श्रद्धा, स्वच्छता एवं सुरक्षित वातावरण में छठ महापर्व मना सकें।

मांझी में रामघाट का लोकार्पण, अटल वाटिका और पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा का अनावरण

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सारण जिले के मांझी प्रखंड स्थित रामघाट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने अटल वाटिका का उद्घाटन तथा पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रत्येक वर्ष रामघाट पर अटल उत्सव मनाया जाएगा तथा अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर यहां राजकीय समारोह आयोजित होगा। बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) की ओर से 8 करोड़ 20 लाख रुपये से अधिक की लागत से रिवर फ्रंट डेवलपमेंट परियोजना के तहत रामघाट और अटल द्वार का विकास किया गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रामघाट का विस्तार दोनों ओर स्थित पुलों तक किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को अधिक सुविधाएं मिल सकें। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रामघाट आना उनके लिए गर्व की बात है। यह पवित्र स्थल प्रभु श्रीराम के आगमन और सरयू नदी में स्नान की धार्मिक मान्यता से जुड़ा है। छठ महापर्व से पहले घाट का लोकार्पण श्रद्धालुओं के लिए काफी सुविधाजनक होगा। उन्होंने बिहार की सांस्कृतिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां लोग डूबते सूर्य को भी प्रणाम करते हैं, जो हमारी संस्कृति की विशेष पहचान है। मुख्यमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके प्रेरणादायी नेतृत्व में भाजपा ने निरंतर प्रगति की। उन्होंने 32 राजनीतिक दलों को एकजुट कर एनडीए का गठन किया और तीन बार देश के प्रधानमंत्री बने। अटल जी ने बिहार के विकास के लिए विशेष पैकेज के तहत तत्कालीन मुख्यमंत्री के आग्रह पर चार वर्षों तक प्रतिवर्ष 4,000 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए थे। वर्ष 2005 में नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में विकास कार्यों को गति मिली और इस राशि का उपयोग सड़क, बिजली सहित आधारभूत संरचनाओं के विकास में किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्ध बिहार के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि बिहार के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़े। इसके लिए राज्य में 700 मॉडल स्कूल स्थापित किए गए हैं। विद्यार्थी साथी ऐप के माध्यम से करीब 3.50 लाख विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि रात एक बजे भी लगभग 1.40 लाख से 1.80 लाख विद्यार्थी ऑनलाइन पढ़ाई करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा संकल्प-सह-कायाकल्प अभियान के तहत विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ किया जा रहा है। आवश्यकता के अनुसार नए भवन और अन्य आधारभूत सुविधाओं का निर्माण भी कराया जा रहा है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने वलन सिंह उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज में स्वतंत्रता सेनानी स्व. वलन सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद विद्यालय में सेवा संकल्प-सह-कायाकल्प अभियान के तहत विकसित स्पेस साइंस एंड इनोवेशन लैब, आईएसएम लैब, आईसीटी लैब, बायोलॉजी एवं केमिस्ट्री लैब तथा लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को पुस्तकालय में कंप्यूटर लगाने का निर्देश दिया, ताकि विद्यार्थियों को डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा मिल सके। रामघाट परिसर में मुख्यमंत्री ने अटल वाटिका, यज्ञशाला तथा मां सरयू कैफे (दीदी की रसोई) का भी निरीक्षण किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

» हर वर्ष रामघाट पर मनाया जाएगा अटल उत्सव, 8.20 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित हुआ रिवर फ्रंट

भगवान चित्रगुप्त की पूजा सभी जाति और धर्म के लोगों को करनी चाहिए : अजय श्रीवास्तव

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। राजधानी पटना के कंकड़बाग स्थित अशोक नगर रोड नंबर-1 की आरएस कॉलोनी में रविवार को भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज की पूजा श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। समारोह में सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में घटनाचक्र टाइम्स के संपादक एवं वरीय अधिवक्ता तथा ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) के ग्लोबल उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रदेश अध्यक्ष दीपक कुमार अभिषेक को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दीपक कुमार अभिषेक ने भगवान चित्रगुप्त की महिमा और धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान चित्रगुप्त समस्त जीवों के अच्छे-बुरे कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। उनकी आराधना हमें सत्य, न्याय, ईमानदारी और सद्कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। चित्रगुप्त पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्ममंथन और अपने कर्मों का मूल्यांकन करने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि भगवान चित्रगुप्त का संदेश किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं है। ज्ञान, विवेक, न्याय और कर्म की प्रधानता उनके जीवन-दर्शन के प्रमुख आधार हैं, जिन्हें प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। वहीं, अजय श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त सभी जातियों और धर्मों के लोगों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। उनका दायित्व किसी एक जाति या समुदाय तक सीमित नहीं है। ऐसे में उनकी पूजा और आराधना सभी लोगों को करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान चित्रगुप्त की पूजा समाज में सद्भाव, नैतिकता, आपसी सम्मान और भाईचारे की भावना को मजबूत करती है। समारोह में सुशील श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित थे। आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता और सदाचार का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने भगवान चित्रगुप्त के आदर्शों को अपनाने तथा समाज में सत्य, न्याय और अच्छे कर्मों की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।

रामकृपाल यादव ने दानापुर छठ घाटों का लिया जायजा



नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। सहकारिता मंत्री और दानापुर विधायक रामकृपाल यादव ने छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर अधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ दानापुर क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को घाटों पर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, चेंजिंग रूम, शौचालय, पेयजल, रोशनी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। मंत्री ने बताया कि जिन घाटों पर प्रशासनिक दिक्कत आ रही थी वहां पर मिलिट्री के अधिकारियों से बात कर दूर किया गया। कचहरी घाट व अन्य जगहों पर समाजिक कार्यकर्ता कैम्प लगा छठ व्रतियों को मदद पहुंचाते हैं उनकी समस्या को भी दूर किया गया है। इस दौरान दानापुर छावनी के सीईओ वरुण कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, अंचल अधिकारी समेत स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं उन्होंने लखनीबिगहा मठ घाट का भी जायजा लिया।

लोक आस्था का सबसे पवित्र पर्व है छठ, सरकार के द्वारा दी जायेंगी सुविधाएं:- श्रवण कुमार

नई सोच एक्सप्रेस



बिहारशरीफ।लोक आस्था के महान पर्व छठ पूजा की तैयारी हेतु बिहारशरीफ नगर निगम के मणिराम अखाड़ा छठ घाट का निरीक्षण बिहार सरकार के मंत्री जदयू विधायक दल के नेता सह क्षेत्रीय विधायक श्रवण कुमार के द्वारा किया गयाइस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि छठ व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। छठ महापर्व बिहार की आत्मा है।छठ पूजा सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि आस्था और परंपरा से जुड़ा महापर्व है. बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश समेत देश के कई हिस्सों में इसे बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है. इस पर्व में व्रती चार दिनों तक नियम और पूरी पवित्रता के साथ पूजा करते हैं. छठ पूजा की सबसे खास बात यह है कि इसमें 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखा जाता है. मान्यता है कि सच्चे मन से छठी मईया और सूर्यदेव की पूजा करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है और संतान की खुशहाली का आशीर्वाद मिलता है बड़गांव धाम का छठ घाट ऐतिहासिक है,जहाँ लाखों श्रद्धालु अर्घ्य देने आते हैं। छठ व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घाट की साफ-सफाई,सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को समय से पहले दुरुस्त कर लिया जाए। तालाब एवं घाट पर गंदगी न रहे, इसके लिए विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। स्थानीय लोगों से भी साफ सफाई को लेकर सहयोग करने की विशेष अपील की।मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार छठ महापर्व को पूरी श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।उन्होंने कहा कि छठवर्ती भाईयों बहनों माताओं के रहने के लिए राज्य सरकार की ओर से पंडाल चलंत शौचालय स्थाई शौचालय चेंजिंग रूम शुद्ध पेयजल आसपास के पूरे क्षेत्र में लाइटनिंग की पर्याप्त व्यवस्था तथा पार्किंग की व्यवस्था उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए सुगम यातायात व्यवस्था बनाने एवं माइकिंग के माध्यम से श्रद्धालुओं को लगातार आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिया।आपात स्थिति से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन की तैयारी रखने और जरूरत के अनुसार एनडीआरएफ की टीम तैनात करने का भी निर्देश दिया। छठ महापर्व सबसे महान पर्व में से एक है सरकार हर संभव सुविधा छठवर्ती भाईयों बहनों माताओं के लिए कर रही है।निरीक्षण के दौरान अखाड़ा समीति के अध्यक्ष भाजपा नेता अमरकांत भारती जदयू के वरिष्ठ नेता राजेंद्र प्रसाद प्रदेश सचिव गुलरेज अंसारी जदयू प्रवक्ता डॉ धनंजय कुमार देव पूर्व वार्ड पार्षद नारायण यादव वकील खान अमजद सिद्की वार्ड पार्षद पप्पू प्रदेश सचिव पुष्पराज सिंह अपर नगर आयुक्त शम्स रजा रफाई निरीक्षक परमानंद प्र सहित कई अधिकारी समाजसेवी उपस्थित रहें।

सरमेरा बनेगा आधुनिक कृषि तकनीक, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और किसान समृद्धि का नया केंद्र : विजय

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि नालंदा जिले के राजकीय बीज गुणन प्रक्षेत्र, सरमेरा को ह्यसमेकित कृषि अनुसंधान एवं कृषक समृद्धि केंद्रह्ल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना के शेष कार्यों को पूरा करने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 19 लाख रुपये से अधिक की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।उन्होंने बताया कि इस केंद्र की स्थापना के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3 करोड़ रुपये की मूल योजना स्वीकृत की गई थी। अब शेष कार्यों को पूरा करने के लिए 2.19 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। परियोजना के अंतर्गत कुल 13 प्रमुख संरचनाओं एवं सुविधाओं का विकास किया जाएगा। श्री सिन्हा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और समृद्ध किसान के संकल्प को साकार करने की दिशा में बिहार सरकार कृषि को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरमेरा का यह केंद्र आधुनिक कृषि अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक तकनीकों को किसानों के खेतों तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा तथा किसानों की आत्मनिर्भरता और समृद्धि को नई गति देगा।कृषि मंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि किसान केवल परंपरागत कृषि पद्धतियों तक सीमित न रहें, बल्कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक प्रबंधन और नवाचार को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि करें। यह केंद्र किसानों के ज्ञान, कौशल और कृषि क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।इसके तहत किसानों एवं कृषि प्रसार कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए आधुनिक प्रशिक्षण भवन, प्रक्षेत्र तक सुगम आवागमन के लिए संपर्क पथ एवं मुख्य द्वार तथा कृषि यंत्रों के सुरक्षित रखरखाव के लिए मशीनरी शेड का निर्माण कराया जाएगा। श्री सिन्हा ने कहा कि संरक्षित खेती को बढ़ावा देने के लिए 1000 वर्ग मीटर क्षेत्र में हाईटेक नर्सरी, 1000 वर्ग मीटर में पॉली हाउस तथा 600 वर्ग मीटर में शेडनेट इकाई स्थापित की जाएगी।उन्होंने कहा कि केंद्र में जल संरक्षण एवं बेहतर जल प्रबंधन के लिए मॉडल तालाब, स्वचालित एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली तथा सोलर वाटर पंप की व्यवस्था की जाएगी। वहीं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए वर्मी कम्पोस्ट इकाई, फसलों की मड़ाई के लिए थ्रेसिंग फ्लोर तथा आवश्यक विद्युत व्यवस्था सहित अन्य आधारभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी।विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इस केंद्र के विकसित एवं क्रियाशील होने से नालंदा सहित आस-पास के जिलों के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। यहां जलवायु अनुकूल खेती, संरक्षित औद्यानिक फसलों, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, आधुनिक सिंचाई पद्धतियों और वैज्ञानिक फसल प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरमेरा का यह केंद्र आधुनिक कृषि ज्ञान और तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और बिहार की खेती को नई दिशा एवं नई गति मिलेगी।

» बिहार की खेती को आधुनिक बनाने की पहल, सरमेरा में विकसित होगा एकीकृत कृषि केंद्र

संक्षिप्त समाचार

मुन्नु एजुकेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट ने 200 लोगों के बीच किया साड़ी, फल एवं पौधों का वितरण



पटना।मुन्नु एजुकेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर 200 लोगों को साड़ी, फल एवं पौधों का वितरण किया गया। ट्रस्ट के संस्थापक एक सरकारी अधिकारी हैं जो पटना में कार्यरत हैं और इनके द्वारा हमेशा गरीबों के मदद के लिए निरंतर कार्य रहे हैं।

वेदांता चेयरमैन अनिल अग्रवाल का बड़ा फैसला: मैनेजमेंट के हर स्तर पर 35% महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य

पटना।कॉर्पोरेट जगत में लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने महत्वपूर्ण पहल पर जोर दिया है। उन्होंने कहा है कि सभी क्षेत्रों के संगठनों को ऐसा समावेशी कार्यस्थल तैयार करना चाहिए, जहां महिलाओं को आगे बढ़ने, नेतृत्व करने और देश की आर्थिक प्रगति में योगदान देने के समान अवसर मिलें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट के माध्यम से अनिल अग्रवाल ने वेदांता की महिला भागीदारी बढ़ाने की प्रतिबद्धता साझा की। उन्होंने बताया कि कंपनी ने मैनेजमेंट के प्रत्येक स्तर पर कम से कम 35 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व अनिवार्य कर दिया है। वेदांता में अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाएं अपनी विशिष्ट क्षमताओं, नए दृष्टिकोण और अलग नेतृत्व शैली के माध्यम से संगठनों को महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। इससे प्रत्येक स्तर पर कार्यक्षमता और उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है। अनिल अग्रवाल ने समान काम के लिए समान वेतन और महिलाओं को करियर में आगे बढ़ने के निष्पक्ष अवसर देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने विभिन्न उद्योगों के संगठनों से सक्रिय पहल करते हुए लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाले कार्यस्थल विकसित करने की अपील की। उनका कहना है कि ऐसा माहौल होना चाहिए, जहां महिलाएं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकें और नेतृत्व की बड़ी जिम्मेदारियां संभाल सकें। देश के विकास में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं और उनकी प्रगति देश की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति से सीधे जुड़ी हुई है। उन्होंने जोर दिया कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व क्षमता भारत को अधिक मजबूत, समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

चर्चित लेखिका वंदना यादव को दिया गया डॉ.श्रीकान्त व्यास साहित्य अवार्ड



पटना (बिहार)। बिहटा स्थित श्री सूर्य नारायण मंदिर के प्रांगण में गोवर्धन पूजा के मौके पर भव्य समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में चर्चित लेखिका डॉ. वंदना यादव को " डॉ.श्रीकान्त व्यास साहित्य अवार्ड- 2026 " से नवाजा गया। हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि,उपन्यासकार,नाटककार ,कथाकार, व्यंग्यकार व पत्रकार डॉ.श्रीकान्त व्यास के नाम पर यह अवार्ड हर साल देश के नामी एक साहित्यिक मनीषी को प्रदान किया जाता है । इस अवार्ड से अब तक देश के कई चर्चित साहित्यकार सम्मानित हो चुके हैं। साहित्यकार डॉ.वंदना यादव के अतिरिक्त बरेली कॉलेज, बरेली की हिन्दी विभागाध्यक्ष और साहित्यकार प्रो.(डॉ) मीना यादव और बिहार के सूर्यगढ़ा निवासी वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार राजेन्द्र राज को भी यह सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इस बार श्रीकृष्ण सेवा न्यास परिषद् की ओर से श्री श्री गोवर्धन पूजा महोत्सव-सह-सम्मान समारोह भी भव्य रूप में आयोजित हुआ। समारोह में लगभग दो हजार लोगों की भारी भीड़ रही। समारोह में बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव, पाटलिपुत्र की सांसद और लालू प्रसाद यादव की पुत्री डॉ.मीसा भारती, पूर्णिया के जुझारू सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव, मनेर के विधायक भाई वीरेन्द्र एवं पूर्व विधायक डॉ. सूर्यदेव त्यागी ने समारोह में उपस्थित लोगों से भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन को अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम में अगल- बगल के सैकड़ों मुखिया,सरपंच,जिला परिषद के सदस्य आदि हजारों लोगों की उपस्थिति रही। इस भव्य समारोह की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष रंजय कुमार सिंह ने की एवं संयोजन संस्था के सचिव पत्रकार राज कुमार सिंह ने किया।

नई दिशा परिवार ने 51 छठ व्रतियों का किया अभिनंदन



पटना सिटी।सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था नई दिशा परिवार के तत्वावधान में गुरुवार को सामूहिक रूप से छठ व्रत करने वाली 51 परवैतिनों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह का उद्घाटन विधायक रत्नेश कुशवाहा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ, समाजसेवी राजेश बल्लव, कमलनयन श्रीवास्तव, राजेश राज, नितिन कुमार रिंकू, केतन थिरानी, शशि शेखर रस्तोगी, शिव प्रसाद मोदी और विजय कुमार यादव सहित कई गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने लोक आस्था के महापर्व छठ की महिमा पर प्रकाश डालते हुए इसे लोक संस्कृति, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के दौरान छठ व्रत करने वाली 51 महिलाओं के पैरों की आकृति कपड़े पर उकेरकर सम्मान प्रकट किया गया। वहीं, छठ व्रत का संकल्प लेने वाली परवैतिनों ने उपस्थित लोगों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कलाकारों ने गीत और नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। दिव्यांका श्री और वासु सिंह के गीतों तथा उजाला राज की प्रस्तुति ने लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रितू राज, मोहित कुमार, परितोष सहित अन्य लोगों की सक्रिय भूमिका रही।

फ्लैग एवं अमेरिकन फुटबॉल एसोसिएशन के सदस्यों ने की खेल मंत्री से मुलाकात

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।फ्लैग एवं अमेरिकन फुटबॉल एसोसिएशन ऑफ बिहार के पदाधिकारियों ने आज बिहार सरकार की खेल मंत्री एवं अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज श्रेयसी सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर शरण जी एवं सचिव दिलकुश और संगठन के सभी पदाधिकारियों ने बिहार में फ्लैग एंड अमेरिका फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने, और युवाओं को इस खेल से जोड़ने तथा राज्य में हर जिले तक खेल की मजबूत आधारशिला तैयार करने को लेकर चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने एसोसिएशन के सदस्यों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन दिया। उन्होंने खेल के विकास, युवाओं की प्रतिभा को उचित मंच उपलब्ध कराने तथा खेल गतिविधियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के महत्व पर अपने विचार साझा किए। एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम सुंदर शरण एवं सभी पदाधिकारियों ने कहा कि बिहार में फ्लैग एंड अमेरिकन फुटबॉल जैसे खेलों की अपार संभावनाएं हैं। एसोसिएशन का उद्देश्य राज्य के सभी जिलों में इस खेल का विस्तार करना, स्कूल एवं कॉलेज स्तर पर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना है। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम सुंदर शरण, उपाध्यक्ष सौरव शर्मा, सचिव दिलकुश एवं कोषाध्यक्ष सुमित शाही उपस्थित रहे। एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों ने खेल मंत्री श्रेयसी सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन बिहार में फ्लैग एवं अमेरिकन फुटबॉल के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। एसोसिएशन आने वाले समय में राज्य में इस खेल को नई पहचान दिलाने और अधिक से अधिक युवाओं को खेल से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही इस खेल को नई दिशा देने के लिए बिहार में जल्द ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किए जाने पर भी चर्चा की गई। जिसके लिए संगठन के सभी पदाधिकारी काम कर रहे हैं जल्द ही फ्लैग फुटबॉल की राष्ट्रीय प्रतियोगिता कब और कहां होगी इसका घोषणा किया जाएगा।

सैमसंग ने इलेक्ट्रॉनिक्स मरम्मत में प्रशिक्षण के लिए एमएसएमइ मंत्रालय के साथ समझौता किया



नई सोच एक्सप्रेस

पटना।सैमसंग इंडिया और एमएसएमइ मंत्रालय ने तीन साल के एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत पहले साल में देश के 15 एमएसएमइ टेक्नोलॉजी सेंटरों के जरिए 1,600 प्रशिक्षुओं को इलेक्ट्रॉनिक्स की मरम्मत, रखरखाव और इंस्टॉलेशन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सैमसंग की सीएसआर पहल दोस्त सर्विस के तहत लैब, उपकरण और मोबाइल, टीवी, एसी व वाशिंग मशीन जैसे उत्पादों की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी जाएगी। इस पहल के तहत महिलाओं और दिव्यांग प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति तथा टॉपर्स को इनाम मिलेंगे। सैमसंग अपने सर्विस नेटवर्क में 3 महीने की ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग भी देगा, जिसमें 12,000 रुपये प्रति माह स्टाइपेंड मिलेगा। इस अवसर पर सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया के सीएसआर और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस प्रमुख शुभम मुखर्जी ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम में मैन्युफैक्चरिंग क्षमता के विकास के साथ-साथ कुशल सर्विस तकनीशियनों की भी जरूरत है। इस साझेदारी के माध्यम से हम प्रशिक्षण को सर्विस की जरूरतों से जोड़ रहे हैं और अधिक लोगों को इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने में मदद कर रहे हैं। इस योजना में उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों के क्लस्टर शामिल हैं।

जहानाबाद के विभिन्न इलाकों में धूमधाम से मनाया गया गोधन पर्व, छोटी बच्चियों में भी दिखा खास उत्साह

नई सोच एक्सप्रेस



जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले के विभिन्न इलाकों में गोधन पूजा का पर्व पारंपरिक रीति-रिवाज और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और जीवन में आने वाली परेशानियों को दूर करने की कामना करते हुए व्रत रखा और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सुबह से ही घरों और मोहल्लों में इस पर्व को लेकर चहल-पहल देखने को मिली।गोधन पर्व की खास बात इसकी अनोखी पूजा पद्धति है। इस दिन बहनें गाय के गोबर से जमीन पर गोधन की आकृति बनाती हैं। इसके बाद फूल, आटा और अन्य पूजन सामग्री से विधिवत पूजा की जाती है। स्थानीय परंपरा के अनुसार, गोबर से बनी आकृति को भाई के शत्रुओं और उसके जीवन में आने वाली बाधाओं का प्रतीक माना जाता है। पूजा के दौरान बहनें प्रतीकात्मक रूप से कांटे से उसे कूटती हैं और अपने भाइयों के जीवन से संकट दूर होने की कामना करती हैं। मान्यता है कि इस परंपरा के पालन से भाई की रक्षा होती है और उसकी उम्र लंबी होती है। स्थानीय महिलाओं ने बताया कि गोधन पूजा बहनों के स्नेह और भाई के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक है। इस दिन बहनें उपवास रखती हैं और पारंपरिक तरीके से पूजा करने के बाद अपने भाइयों की मंगलकामना करती हैं। यह पर्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार के बीच प्रेम, विश्वास और आपसी जुड़ाव को भी मजबूत करता है।इस बार जहानाबाद में पर्व का एक खास नजारा देखने को मिला। आधुनिकता के दौर में भी नई पीढ़ी के बच्चे इस पारंपरिक पर्व से जुड़े हुए हैं। खासकर 10 वर्ष से कम उम्र की छोटी-छोटी बच्चियों ने भी अपने भाइयों की लंबी उम्र की कामना को लेकर उपवास रखा और पूरे उत्साह के साथ पूजा में भाग लिया। उनके इस उत्साह को देखकर लोगों ने कहा कि नई पीढ़ी में भी अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के प्रति लगाव बना हुआ है। शहर के अलग-अलग मोहल्लों में महिलाओं और बच्चियों की भागीदारी ने पर्व की रौनक बढ़ा दी। गोधन पूजा के बहाने एक बार फिर भाई-बहन के अटूट प्रेम, पारिवारिक परंपरा और लोक आस्था की झलक देखने को मिली।

अक्षर देवता भगवान श्री चित्रगुप्त की भव्य विदाई

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। कायस्थ चित्रगुप्त सेना, बिहार प्रदेश द्वारा बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी स्थित स्वागत वैंकेट हॉल, भूतनाथ रोड, पटना में भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना काफी धूमधाम और श्रद्धा के साथ संपन्न होने के बाद आज भगवान की प्रतिमा का विसर्जन भद्र घाट पर किया गया।इस वर्ष भगवान श्री चित्रगुप्त की पिस्ता और काजू सहित ड्राई फ्रूट्स से निर्मित आकर्षक प्रतिमा श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी रही। प्रतिमा की तस्वीरें एक दिन पूर्व ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं, जिसके बाद पूरे बिहार में इसकी खूब चर्चा होने लगी थी। प्रतिमा के दर्शन के लिए पटना के विभिन्न मोहल्लों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े।विसर्जन यात्रा सुबह 7 बजे भूतनाथ रोड से प्रारंभ हुई और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण दोपहर 2 बजे भद्र घाट पहुंची। इस प्रकार महज कुछ किलोमीटर की यात्रा पूरी करने में लगभग सात घंटे लग गए। जिस मार्ग से प्रतिमा गुजर रही थी, वहां लोगों की भारी भीड़ जमा हो जा रही थी। श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने के साथ प्रतिमा के साथ सेल्फी लेने के लिए घंटों सड़क किनारे खड़े रहे। सड़क पर उमड़ी भीड़ का अंदाजा आयोजकों को भी नहीं था।पूरे विसर्जन जुलूस के दौरान भक्तिमय माहौल के साथ सांस्कृतिक उत्साह भी देखने को मिला। ढोल-ताशा के 25 कलाकारों की शानदार प्रस्तुति ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। ढोल-ताशे की गूंज और श्रद्धालुओं के उत्साह से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।कायस्थ चित्रगुप्त सेना के इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में सेनाध्यक्ष पाण्डेय अखिलेश कुमार श्रीवास्तव आयुक्त समीर परिमल, उअ संजीव कर्ण, सुशील सिन्हा 'मुरारी', संजय सिन्हा, रघुनाथ प्रसाद, धीरज सिन्हा, कृष्णा, डॉ. सिद्धार्थ, लक्ष्मीकांत सहाय, आकांक्षा चौधरी, शशि भूषण प्रसाद, रौशन प्रियदर्शी, राजेश कुमार चौधरी, रामदेव सिन्हा, राजीव रंजन सिन्हा, अनिकेत, संतोष, आलोक सिन्हा सहित सैकड़ों कायस्थ परिवार के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।भगवान श्री चित्रगुप्त की ड्राई फ्रूट्स से निर्मित अनूठी प्रतिमा और भव्य विसर्जन यात्रा ने इस वर्ष पटना में एक विशेष पहचान बनाई। श्रद्धा, आस्था, कला और सामाजिक एकजुटता का यह आयोजन लंबे समय तक लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहेगा।

छठ महापर्व लोक संस्कृति, सामाजिक एकता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक : राजीव रंजन प्रसाद

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) के कला-संस्कृति प्रकोष्ठ की ओर से गुरुवार को लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर भक्तिमय भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छठी मैया की महिमा और भगवान सूर्य की आराधना से जुड़े भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर जीकेसी के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि बिहार की समृद्ध लोक संस्कृति, सामाजिक एकता, पारिवारिक संस्कार और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम प्रतीक है। यह पर्व श्रद्धा, पवित्रता, अनुशासन, त्याग और समर्पण का संदेश देता है। छठ की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सर्वसमावेशी परंपरा है, जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोग जाति और आर्थिक भेदभाव से ऊपर उठकर एक साथ पर्व मनाते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में छठ पर्व की महत्वपूर्ण भूमिका है। नई पीढ़ी को लोक परंपराओं, लोकगीतों और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना आवश्यक है। जीकेसी कला और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। जीकेसी के ग्लोबल उपाध्यक्ष सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक ने कहा कि छठ महापर्व बिहार की सांस्कृतिक पहचान और जनमानस की गहरी आस्था से जुड़ा है। यह सामाजिक समरसता, स्वच्छता, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता का संदेश देता है। कला-संस्कृति प्रकोष्ठ के ग्लोबल कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कहा कि संगीत और भक्ति हमारी सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण अंग हैं। छठ के पारंपरिक गीतों और भजनों के माध्यम से छठी मैया की महिमा का गुणगान लोक परंपराओं को जीवंत रखने का सुंदर माध्यम है। कार्यक्रम में कुमार संभव, श्वेता सुरभि, स्मिता वर्मा, टिया वर्मा, अश्विनी वर्मा, संतोष सिन्हा, डॉ. भवानी शारदे, निशा परासर और डॉ. राकेश रंजन ने छठी मैया की महिमा से जुड़े भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन अजय अम्बष्ठ और श्वेता सुरभि ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर कलाकारों को चुनरी भेंटकर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ. रास दादा रास और आनंद त्रिवेदी भी मौजूद रहे। डॉ. रास दादा रास ने अपनी चर्चित नज्म 'शादमानी शाद मानी' प्रस्तुत की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सदस्यता अभियान प्रभारी निलेश रंजन, राष्ट्रीय सचिव धनंजय प्रसाद, राष्ट्रीय प्रवक्ता मुकेश महान, अमर कुमार सिन्हा, प्रसून श्रीवास्तव सहित जीकेसी के कई पदाधिकारी, सदस्य, कलाकार और शुभचिंतक उपस्थित थे।

श्री शिर्डी साईं मंदिर की ओर से 500 छठ व्रतियों के बीच पूजन सामग्री वितरित



नई सोच एक्सप्रेस

पटना। महापर्व छठ के पावन अवसर पर गुरुवार को श्री शिर्डी साईं मंदिर, कच्ची तालाब, गर्दनीबाग की ओर से 500 व्रतियों के बीच साड़ी-सूप, नारियल, गागल नींबू समेत पूजन सामग्री का वितरण किया गया। मंदिर के व्यवस्थापक ऋषिकेश रंजन झा उर्फ रून्ना बाबा ने बताया कि पिछले सात सालों से व्रतियों के बीच मंदिर की ओर से पूजन सामग्री का वितरण किया जा रहा है। साथ ही जाड़े में जरूरतमंदों के बीच कंबल का भी वितरण किया जाता है। पूजन सामग्री वितरण में सचिवालय डीएसपी डॉ. अनु कुमारी, श्री शिर्डी साईं मंदिर कमिटी के प्रभाष कुमार, राजीव रंजन झा पन्ना, मनोज सिंह, संजय सिंह, रंजीत मिश्रा, पंकज कुमार, सुबोध कुमार, मुकेश कुमार श्रीवास्तव आदि सक्रिय थे।

जहानाबाद के 10,748 लोगों को मिला नया राशन कार्ड, 15 लाभार्थियों के बीच डीएम ने किया वितरण

नई सोच एक्सप्रेस



जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत जिले के 10,748 पात्र लाभार्थियों को नया राशन कार्ड उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्यभर में नवनिर्मित राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान राज्य के करीब 24 लाख लाभार्थियों को नये राशन कार्ड का लाभ दिया गया। वहीं, 1,448 नवचयनित जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को अनुज्ञप्ति भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के निर्देश के आलोक में जिलाधिकारी ने जिले के 15 लाभार्थियों के बीच नये राशन कार्ड का वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पंचायत विकास दिवस और सहयोग शिविरों के माध्यम से शेष पात्र लाभार्थियों तक भी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाये। इसके साथ ही विभिन्न विभागों में प्राप्त आवेदनों का निष्पादन 30 दिनों के अन्दर सुनिश्चित करने को कहा गया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद जिलाधिकारी ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी समेत संबंधित अधिकारियों को राशन कार्ड से जुड़े लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से योजना का लाभ उपलब्ध कराने तथा पंचायत विकास दिवस एवं सहयोग शिविरों में प्राप्त आवेदनों की नियमित समीक्षा कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है ।

गैस पाइप लाइन बिछाने की योजना को लेकर डीएम ने की समीक्षा बैठक

नई सोच एक्सप्रेस



जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले में गैस पाइप लाइन बिछाने की योजना को धरातल पर उतारने की दिशा में प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। इसको लेकर जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया की अध्यक्षता में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गैस पाइपलाइन बिछाने से संबंधित प्रस्तावित कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि चिह्नित मार्गों पर पाइपलाइन बिछाने के लिए पथ निर्माण विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक है। इस पर डीएम ने अधिकारियों से पाइपलाइन बिछाने के प्रस्तावित मार्ग, खुदाई किए जाने वाले स्थलों और पाइपलाइन की कुल लंबाई की जानकारी ली। उन्होंने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों को पूरी कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। इसमें पाइपलाइन का मार्ग, कुल लंबाई, खुदाई वाले स्थान और काम पूरा करने की समय सीमा स्पष्ट रूप से शामिल करने को कहा। डीएम ने पथ निर्माण विभाग, संबंधित कार्यपालक अभियंता, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी और अपर समाहर्ता के साथ समन्वय स्थापित कर एनओसी समेत सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्य को समयबद्ध और सुव्यवस्थित तरीके से पूरा कराने पर जोर दिया ताकि जिले में गैस पाइपलाइन बिछाने की योजना को आगे बढ़ाया जा सके।

समस्तीपुर में स्टेट हैंडलूम एक्सपो का भव्य शुभारंभ, डीएम रोशन कुशवाहा ने किया उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस



समस्तीपुर।शहर के हाउसिंग बोर्ड जितवारपुर मैदान में आयोजित स्टेट हैंडलूम एक्सपो (हथकरघा मेला)-2026 का शुभारंभ गुरुवार को जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा एवं उप विकास आयुक्त सूर्य प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के पश्चात जिला पदाधिकारी ने मेला परिसर में लगाए गए सभी 80 स्टॉलों का क्रमवार निरीक्षण किया तथा विभिन्न राज्यों से आए बुनकरों एवं उद्यमियों के उत्पादों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता, विविधता एवं उनकी विशेषताओं की जानकारी भी प्राप्त की। इस अवसर पर जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने कहा कि हथकरघा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक हुनर का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से बुनकरों एवं हस्तशिल्पियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का बेहतर अवसर मिलता है। साथ ही स्थानीय लोगों को देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक एवं उत्कृष्ट उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध होते हैं। उन्होंने बुनकरों को प्रोत्साहित करते हुए ऐसे आयोजनों को आत्मनिर्भर भारत एवं स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।इस एक्सपो में कुल 80 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात एवं जम्मू-कश्मीर के बुनकरों और उद्यमियों ने अपने पारंपरिक हथकरघा उत्पादों को प्रदर्शित किया है।साड़ियों, सूती एवं ऊनी वस्त्रों सहित विभिन्न प्रकार के आकर्षक उत्पाद मेले के प्रमुख आकर्षण हैं। आयोजकों के अनुसार, मेले में अब तक लगभग 23 लाख रुपये की बिक्री हो चुकी है, जो इसकी लोकप्रियता और ग्राहकों के बढ़ते रुझान को दर्शाता है। वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के विकास आयुक्त (हथकरघा), नई दिल्ली के सौजन्य से आयोजित यह एक्सपो द बिहार स्टेट शीप एंड वूल वीवर्स को-ऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड, उद्योग विभाग, बिहार सरकार, पटना के नियंत्रणाधीन आयोजित किया जा रहा है। यह मेला अगले 15 दिनों तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा। मौके पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अशोक कुमार, बिहार शीप एंड वूल की प्रबंध निदेशक शैलजा, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र विवेक कुमार शर्मा, डीआईसी परियोजना प्रबंधक राहुल, साहित्यकार अजय मिश्रा, धनंजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षक सुभीत कुमार सिंह ने किया।

समस्तीपुर जिलाधिकारी ने विद्यापति धाम स्थित अखाड़ा छठ घाट का किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस



समस्तीपुर।आगामी छठ महापर्व के मद्देनजर जिलाधिकारी, समस्तीपुर रोशन कुशवाहा द्वारा दलसिंहसराय अनुमंडल अंतर्गत विद्यापतिनगर प्रखंड स्थित विद्यापति धाम में बाया नदी के तट पर अवस्थित अखाड़ा छठ घाट का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने घाट की वर्तमान स्थिति, साफ-सफाई, पहुंच पथ, श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर उपस्थित अंचल एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि अखाड़ा छठ घाट विद्यापतिनगर का सबसे बड़ा एवं प्रमुख छठ घाट है, जहां छठ महापर्व के अवसर पर 5,000 से अधिक श्रद्धालुओं एवं व्रतियों के जुटने की संभावना है। इसे देखते हुए घाट पर व्यापक स्तर पर आवश्यक तैयारियां की जानी हैं। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ पर्व से पूर्व घाट की समुचित साफ-सफाई, पहुंच पथ की मरम्मत, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग तथा व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने नदी में जल की गहराई एवं संभावित खतरनाक स्थानों को चिह्नित कर वहां आवश्यक सुरक्षा प्रबंध करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से घाट पर भीड़ प्रबंधन, महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने पर बल दिया। उन्होंने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए समुचित पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था का महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं।अतः सभी संबंधित पदाधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समय रहते सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करें, ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा पर्व का आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो सके। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि छठ घाटों की तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करते हुए नियमित रूप से तैयारियों की निगरानी करें। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

छठ पर्व को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी ने विभिन्न छठ घाटों का किया निरीक्षण



समस्तीपुर।12 नवंबर 2026 को अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार द्वारा कल्याणपुर एवं पूसा प्रखंड अंतर्गत विभिन्न छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने शादीपुर छठ घाट,वासुदेवपुरम छठ घाट, कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत अन्य छठ घाटों एवं बिरौली छठ घाट का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी ने घाटों पर साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा से संबंधित तैयारियों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण सुनिश्चित की जाएं।

छठ घाटों की तैयारियों का एसडीएम और एसडीपीओ ने लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश



मोतिहारी। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर नगर पंचायत सुगौली में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में सदर एसडीएम अरुण कुमार एवं एसडीपीओ, डिप्टी चेयरमैन सरिता शर्मा और थानाध्यक्ष अनीस कुमार के साथ नगर क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, नदी में बैरिकेडिंग, गोताखोरों की तैनाती, चेंजिंग रूम, कंट्रोल रूम एवं मेडिकल टीम की व्यवस्था की जानकारी ली गई। सदर एसडीएम अरुण कुमार ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी छठ घाट पर व्यवस्था में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम समय से पूरे किए जाएं। मौके पर चेयरमैन प्रतिनिधि अली हसन, प्रखंड विकास पदाधिकारी धिकारी नूतन किरण, अंचलाधिकारी कुंदन कुमार समेत कई लोग मौजूदथे। वहीं, डिप्टी चेयरमैन सरिता शर्मा ने कहा कि छठव्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा नगर पंचायत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी घाटों पर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। थानाध्यक्ष अनीस कुमार ने कहा कि छठ महापर्व के दौरान घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती रहेगी। भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में पूजा संपन्न कर सकें।

हेठ चकाई में भव्य महा रुद्र यज्ञ के आयोजन की तैयारी तेज,ग्रामीणों ने की अहम बैठक



चकाई। जमुई जिले के चकाई प्रखंड अंतर्गत ग्राम हेठ चकाई में आने वाले समय में भव्य महा रुद्र यज्ञ के आयोजन को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। इस धार्मिक आयोजन को सफल एवं भव्य रूप देने के उद्देश्य से समस्त ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सैकड़ों ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आयोजन को लेकर अपने-अपने विचार रखे। बैठक की अध्यक्षता पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं चंद्रवंशी समाज के अध्यक्ष सुरेश राम ने की। वहीं शिक्षक अवध किशोर राम के नेतृत्व में महा रुद्र यज्ञ के आयोजन की रूपरेखा, तैयारियों और आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान यज्ञ के सफल आयोजन के लिए ग्रामीणों की सहभागिता, आपसी समन्वय और सहयोग को लेकर विशेष चर्चा हुई। उपस्थित ग्रामीणों ने कहा कि महा रुद्र यज्ञ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि गांव की एकता, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का भी माध्यम बनेगा। सभी लोगों ने तन-मन और सामर्थ्य के अनुसार सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया।

आरके सिन्हा को श्रद्धांजलि देने पटना पहुंचे जमुई के कायस्थ समाज के लोग

नई सोच एक्सप्रेस



जमुई। पूर्व राज्यसभा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य रहे आरके सिन्हा को श्रद्धांजलि अर्पित करने जमुई के कायस्थ समाज के लोग पटना स्थित अन्नपूर्णा भवन पहुंचे। इस दौरान ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के बिहार प्रदेश सचिव अभिषेक कुमार सिन्हा, जमुई जिला अध्यक्ष प्रवीण सिन्हा, प्रभात कुमार सिन्हा तथा पत्नेश्वर धाम मंदिर के मुख्य पुजारी राजीव कुमार पांडेय ने दिवंगत आरके सिन्हा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आरके सिन्हा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन सामाजिक सरोकार, संगठनात्मक क्षमता और सार्वजनिक जीवन के प्रति समर्पण का उदाहरण रहा। उन्होंने राजनीति के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भी अपनी अलग प्रतिष्ठा स्थापित की थी। भाजपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहने के कारण संगठन के प्रति उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। श्रद्धांजलि देने पहुंचे प्रतिनिधियों ने कहा कि आरके सिन्हा का निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके विचार, अनुभव और सामाजिक कार्यों से नई पीढ़ी को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी। विशेषकर कायस्थ समाज के संगठन और सामाजिक एकजुटता के लिए उनका योगदान लंबे समय तक याद किया जाएगा। इस दौरान सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

मउधनेशपुर में फसल कटनी प्रयोग संपन्न, 71 क्विंटल प्रति हेक्टेयर मिली उपज

नई सोच एक्सप्रेस



समस्तीपुर। बिहार राज्य फसल सहायता योजना के अंतर्गत आज दिनांक 12 नवंबर 2026 को समस्तीपुर जिले के विद्यापतिनगर प्रखंड स्थित मउधनेशपुर उत्तर पंचायत में अगहनी धान फसल कटनी प्रयोग का सफल संपादन किया गया। मौजा- मउधनेशपुर (राजस्व थाना संख्या- 84, खेसरा संख्या- 911) में आयोजित इस महत्वपूर्ण फसल कटनी प्रयोग का प्रत्यक्ष निरीक्षण जिला पदाधिकारी रोशन कुशवाहा द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्धारित मानकों के अनुसार 10x5 मीटर के क्षेत्रफल में धान की फसल की कटाई कर उसका वजन किया गया, जिसमें कुल 35.500 किलोग्राम हरा दाना प्राप्त हुआ। प्राप्त वजन के आधार पर विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा इस क्षेत्र में अगहनी धान की अनुमानित उपज दर लगभग 71 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आंकी गई है, जो फसल उत्पादन के दृष्टिकोण से संतोषजनक मानी जा रही है। इस अवसर पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अशोक कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी सुमित सौरभ, अनुमंडल पदाधिकारी किशन कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. आफताब अंसारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी, संबंधित प्रयोगकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय किसान उपस्थित रहे। जिला पदाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को फसल कटनी प्रयोग से जुड़े सभी आंकड़ों को पारदर्शिता एवं सटीकता के साथ दर्ज करने का निर्देश दिया ताकि योजना का लाभ वास्तविक किसानों तक समय पर पहुंच सके।

सारण को सीएम की बड़ी सौगात, मांझी से ताजपुर तक मरीन ड्राइव बनाने की पहल

नई सोच एक्सप्रेस



छपरा।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को सारण जिले को विकास परियोजनाओं की कई सौगातें दीं। उन्होंने मांझी से ताजपुर तक मरीन ड्राइव की तर्ज पर सड़क निर्माण की योजना को लेकर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। इसके साथ ही घाघरा नदी के किनारे रिवरफ्रंट और हाईवे विकसित करने की योजना पर भी जोर दिया। प्रस्तावित परियोजना की लंबाई करीब 10 से 12 किलोमीटर होने की संभावना है। इससे क्षेत्र में आवागमन सुगम होने के साथ पर्यटन और स्थानीय विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने मांझी में रामघाट, अटल द्वार और छठ घाट का उद्घाटन किया। साथ ही सरयू नदी के तट पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने राघोपुर से आमी मंदिर तक मरीन ड्राइव की तर्ज पर बनी सड़क को मांझी से ताजपुर तक जोड़ने की मांग पर सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। सड़क का विस्तार होने से आसपास के गांवों के लोगों को भी आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी। मांझी में बाढ़ और नदी में डूबने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने यहां राजकीय आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की एक टीम को 24 घंटे तैनात रखने का निर्देश दिया। इससे बाढ़ अथवा अन्य आपात परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्य तेजी से संचालित किया जा सकेगा। अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा के अनावरण के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि मांझी का अटलजी से विशेष जुड़ाव रहा है। यहां उनकी अस्थियों का विसर्जन भी किया गया था। उन्होंने घोषणा की कि अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती और पुण्यतिथि पर राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक वर्ष यहां कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे नई पीढ़ी को उनके व्यक्तित्व, विचारों और राष्ट्र के प्रति योगदान को जानने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री कार्यकाल का उल्लेख करते हुए बिहार को मिले आर्थिक सहयोग की चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2001-02 में बिहार विभाजन के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने राज्य के लिए विशेष पैकेज की मांग की थी। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने बिहार को 4000 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई थी। उस समय बिहार का बजट करीब 6000 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि केंद्र से मिली यह राशि बिहार के बजट का लगभग दो-तिहाई हिस्सा थी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वर्ष 2005 में नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने तक इस राशि का एक रुपया भी खर्च नहीं हुआ था। नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने के बाद इस राशि का उपयोग शुरू हुआ। इससे पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मांझी स्थित स्वर्गीय दलन सिंह उच्च विद्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने दिवंगत दलन सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद विद्यालय में कायाकल्प अभियान के तहत विकसित रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान, आईएसएम तथा एस्ट्रोनॉमी-कम-रोबोटिक्स प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने विद्यालय में उपलब्ध कराई गई आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं का जायजा लिया और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों को देखा।

टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार ने मुजफ्फरपुर में टीम सदस्यों से किया संवाद



नई सोच एक्सप्रेस

मुजफ्फरपुर। टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार अपनी पत्नी स्वाति कुमारी के साथ मुजफ्फरपुर पहुंचे। इस अवसर पर संगठन के टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन के आवास पर आत्मीय मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें संगठन के विभिन्न टीमों के सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र, गुलदस्ता और पौधा भेंटकर किया। समारोह में बिहार की शिक्षा व्यवस्था में सुधार, शैक्षिक नवाचार, शिक्षकों की रचनात्मक क्षमता और संगठन की भावी योजनाओं पर चर्चा हुई। मौके पर स्टेट टीम कोऑर्डिनेटर केशव कुमार, अमितेश कुमार, पप्पू कुमार पंकज, अभिषेक कुमार, कनिष्का मुस्कान, आस्था दीपाली, कुमार अभिषेक, नीरज कुमार एवं राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद के व्याख्याता संतोष कुमार राणा उपस्थित रहे। सदस्यों ने टीचर्स ऑफ बिहार की डिजिटल गतिविधियों, वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को मजबूत बनाने में शिवेंद्र प्रकाश सुमन के तकनीकी योगदान की सराहना की। गौरतलब है कि 20 जनवरी 2019 को स्थापित यह संगठन बिहार के शिक्षकों को साझा मंच प्रदान कर शैक्षिक नवाचारों को प्रोत्साहित कर रहा है। स्टेट टीम कोऑर्डिनेटर केशव कुमार ने कहा कि संगठन की मजबूती दूरदर्शी नेतृत्व, तकनीकी सहयोग और समर्पित सदस्यों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उक्त जानकारी प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर मृत्युंजय कुमार ने दी।

छठ महापर्व को लेकर पत्नेश्वर धाम घाट पर सुरक्षा व्यवस्था की मांग

नई सोच एक्सप्रेस



बरहट। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जमुई जिले के बरहट प्रखंड अंतर्गत किऊल नदी स्थित प्रसिद्ध पत्नेश्वर धाम घाट पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की मांग उठने लगी है। प्रत्येक वर्ष छठ महापर्व के अवसर पर इस घाट पर बड़ी संख्या में छठव्रती और श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने पहुंचते हैं। ऐसे में घाट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करना आवश्यक है। पत्नेश्वर धाम के मुख्य पुजारी राजीव कुमार पांडेय ने बताया कि छठ महापर्व के दौरान यहां प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की काफी भीड़ जुटती है। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ दूर-दराज से भी लोग पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की अधिक संख्या को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने प्रशासन से छठ महापर्व के दौरान पत्नेश्वर धाम घाट पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की मौजूदगी से भीड़ को नियंत्रित करने में सहूलियत होगी और श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर सकेंगे। उन्होंने प्रशासन से समय रहते आवश्यक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने की अपील की है।छठ महापर्व को लेकर पत्नेश्वर धाम घाट पर सुरक्षा व्यवस्था की मांग **पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती का आग्रह:**लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जमुई जिले के बरहट प्रखंड अंतर्गत किऊल नदी स्थित प्रसिद्ध पत्नेश्वर धाम घाट पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की मांग उठने लगी है। प्रत्येक वर्ष छठ महापर्व के अवसर पर इस घाट पर बड़ी संख्या में छठव्रती और श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने पहुंचते हैं। ऐसे में घाट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करना आवश्यक है। पत्नेश्वर धाम के मुख्य पुजारी राजीव कुमार पांडेय ने बताया कि छठ महापर्व के दौरान यहां प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की काफी भीड़ जुटती है। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ दूर-दराज से भी लोग पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की अधिक संख्या को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने प्रशासन से छठ महापर्व के दौरान पत्नेश्वर धाम घाट पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की मौजूदगी से भीड़ को नियंत्रित करने में सहूलियत होगी और श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर सकेंगे। उन्होंने प्रशासन से समय रहते आवश्यक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने की अपील की है।

प्रशासन ने मीडिया टीम को 3-1 से हराया, जीती ट्रॉफी

नई सोच एक्सप्रेस



बेतिया। पश्चिम चम्पारण जिले के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं मीडिया के बीच एक मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। रोमांचक मुकाबले में जिला प्रशासन की टीम ने मीडिया टीम को 3-1 से पराजित कर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। मैच का उद्घाटन पश्चिम चंपारण के जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने फुटबॉल को किक मारकर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि इस तरह के खेल आयोजनों से प्रशासन एवं मीडिया के बीच आपसी संबंध मधुर और मजबूत होते हैं। खेलकूद न केवल आपसी सौहार्द बढ़ाता है, बल्कि प्रतिस्पर्धा की भावना को भी सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। मैच में मीडिया टीम की ओर से कुंदन पांडेय कप्तान एवं आदित्य कुमार दुबे ने उप -कप्तान की भूमिका निभाई, जबकि धनंजय तिवारी गोलकीपर रहे। वहीं, प्रशासनिक टीम का नेतृत्व जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने किया तथा सतीश कुमार गोलकीपर की भूमिका में रहे। दोनों टीमों के बीच मुकाबला काफी रोमांचक रहा। अंततः प्रशासनिक टीम ने 3-1 से जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मैच समाप्त होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया गया। पत्रकार अवधेश शर्मा ने शानदार कमेंट्री के माध्यम से मैच का आंखों देखा हाल प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोचना माद्री, कला एवं संस्कृति पदाधिकारी राकेश कुमार, पुरुषोत्तम त्रिवेदी, विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता मदन झा, डीएसपी एवं ओएसडी सुजीत कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वहीं, पत्रकार मोहन सिंह,पत्रकार सुजय प्रकाश पाण्डेय ,पत्रकार डॉ. अमानुल हक,पत्रकार अजय कुमार मिश्रा, आशुतोष बरनवाल, मिथिलेश पांडेय, ब्रजभूषण कुमार, आदित्य कुमार दुबे, अजय कुमार, अवधेश शर्मा एवं सुनील राव सहित कई पत्रकारों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस मैत्रीपूर्ण मुकाबले ने स्थापना दिवस के उत्सव में खेल भावना, आपसी सौहार्द एवं प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय का संदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

सड़क निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, घटिया सामग्री के इस्तेमाल पर होगी कार्रवाई : बबलू गुप्ता



मोतिहारी। सुगौली नगर पंचायत के बागरा गांव स्थित वार्ड संख्या 20 में हो रहे मुख्य सड़क निर्माण कार्य का स्थानीय विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता ने निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों द्वारा सड़क निर्माण में अनियमितता की शिकायत किए जाने के बाद विधायक कार्यस्थल पर पहुंचे और निर्माण कार्य की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि सड़क निर्माण में पत्थर के कार्य के दौरान अधिक मात्रा में मिट्टी का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस पर विधायक ने ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों के अनुरूप अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री का ही इस्तेमाल होना चाहिए। यदि गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी पाई गई तो संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

रोहित शर्मा ने अपनी और रितिका की प्रेम कहानी को किया याद



पटना।फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा में रोहित शर्मा ने खुलकर बताया कि उनकी रितिका से पहली मुलाकात साल 2008 में एक ऐड शूट के दौरान हुई थी। रितिका वहां किसी प्लेयर की मैनेजर थी। विज्ञापन शूट के दौरान हुई उनकी पहली बातचीत ने सात साल पुरानी दोस्ती की नींव रखी, जो आगे चलकर 2015 में शादी के रिश्ते में बदल गई। आज रोहित और रितिका दो बच्चों के माता-पिता हैं और क्रिकेट के मैदान से परे एक खूबसूरत जीवन साथ बिता रहे हैं। देखिए फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर।

भाकपा का जिला मुख्यालयों पर जेल भरो कार्यक्रम 01 से 03 दिसम्बर को

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बिहार राज्य परिषद् की बैठक गुरूवार को जनशक्ति भवन, पटना में हुयी। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण को रद्द करने एवं हटाये गये सभी योग्य मतदाताओं को पुनः मतदाता सूची में शामिल करने, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को वर्खास्त करने सहित देश में संवैधानिक, आर्थिक एवं राजनीतिक संकट, सरकार की जनविरोधी नीतियों, विफलताओं, मजदूरों-किसानों, छात्रों-नौजवानों का शोषण, लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमले, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, व्याप्त भ्रष्टाचार एवं बढ़ते अत्याचार के खिलाफ बदलाव जरूरी है के नारे के साथ राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत आयोजित 01 से 03 दिसम्बर, 2026 तक जिला मुख्यालय पर जेल भरो आन्दोलन करने की रणनीति बनायी गयी।बैठक में लिये गये फैसले की जानकारी देते हुए भाकपा के राज्य सचिव राम नरेश पाण्डेय ने कहा कि आज देश संकट में है, भारतीय संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। लोकतंत्र का सबसे मजबूत स्तंभ चुनाव, सरकार एवं चुनाव आयोग की कुकृत के कारण अविश्वसनीय हीं नहीं बल्कि पूरी दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। देश में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, किसानों मजदूरों की बदहाली, दलितों, अकलियतों एवं महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक संस्थाओं की दोषपूर्ण कार्य प्रणाली से आम लोग त्रस्त है।भारत के चुनाव आयोग द्वारा केन्द्र की मोदी सरकार के इशारे पर देश के विभिन्न राज्यों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (चमबपंस पदजमदेपअम त्मअपेपवद ैप्त्) के नाम पर तेरह करोड़ से अधिक लोगों को मतदाता सूची से नाम हटाने के खिलाफ दिल्ली सहित देश भर में आन्दोलन जारी है। प्त् रद्द करने एवं मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की इस्तीफे की मांग गुंज रही है। सरकार द्वारा आन्दोलनकारियों पर दमनात्मक कार्रवाई की जा रही है, इससे आम लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

जीएसटी बचाने को लेकर मोबाइल बाजार में जारी फर्जीवाड़ा को रोकने के लिए एमरा पटना उठाएगी सख्त कदम

पटना। जीएसटी में चोरी की नीयत से पुराने मोबाइल की री पैकिंग कर बेचे जाने और विदेशी मोबाइल को अवैध रूप से बाजार में अवैध बिल के साथ मोबाइल दुकानदारों द्वारा खपाए जाने का मामला ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन बिहार ने गंभीरता से उठाया है। संघ की ओर से शहर के मोबाइल बाजार में कथित अनियमित खरीद-बिक्री, संदिग्ध सप्लाई चैनल और बिना वैध दस्तावेजों के मोबाइल कारोबार के मामलों को गंभीरता से लेते हुए इनके खिलाफ संगठित पहल करने का निर्णय लिया गया है। एमरा की जिला इकाई का कहना है कि पटना में बड़ी संख्या में मोबाइल व्यापारी अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटरों से नियमित बिलिंग कराकर जी एस टी सहित सभी आवश्यक व्यापारिक नियमों का पालन करते हुए कारोबार कर रहे हैं। वहीं, कुछ व्यापारिक प्रतिष्ठानों के संबंध में ऐसी शिकायतें सामने आ रही हैं कि वे अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर से बिलिंग कराने के बजाय दूसरे अनधिकृत स्रोतों से मोबाइल खरीदकर बाजार में बिक्री कर रहे हैं।ऐसी गतिविधियों से न केवल ईमानदारी से व्यापार करने वाले रिटेलर्स को नुकसान पहुंचता है, बल्कि ग्राहकों के अधिकारों, मोबाइल की वास्तविक कीमत, वारंटी और उत्पाद की प्रामाणिकता पर भी सवाल खड़े होते हैं। इस तरह की कालाबाजारी के खिलाफ पटना जिला इकाई के अध्यक्ष प्रवीण आनंद ने आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा है कि अनाधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर से अवैध खरीद। दूसरे राज्यों या अनधिकृत चैनलों से संदिग्ध तरीके से मोबाइल लाकर बिक्री करना।पहले से सिम लगाकर एक्टिवेटेड मोबाइल को नए मोबाइल के रूप में बेचना।चोरी के मोबाइल या संदिग्ध आईएमइआई वाले मोबाइल का कारोबार।विदेश से आयातित मोबाइल की बिक्री में आवश्यक आयात कर एवं कर संबंधी दस्तावेजों का अभाव।ग्राहकों को फर्जी जी एस टी बिल या वास्तविक खरीद से अलग बिल उपलब्ध कराना।मोबाइल की खरीद के स्रोत और वास्तविक सप्लाई चैनल को छिपाकर व्यापार करने का आरोप साबित होता है तो उनके खिलाफ संबंधित विभागों और कंपनियों से कार्रवाई की मांग की जाएगी ताकि सरकार के राजस्व का नुकसान और ग्राहकों से फजीवाड़ा पर रोक लग सके। आज की मीटिंग में पटना जिला टीम से गिरेन्द्र कुमार,संदीप कुमार,आसिफ खान,प्रभाकर गुप्ता,अभय कुमार,धीरज कुमार,रंजीत कुमार,सोनू जी राजा बाबू सहित 20 से अधिक मोबाइल व्यापारियों ने एक सहमति से प्रेस विज्ञप्ति जारी किया।

आवश्यक वस्तु कानून के प्रवर्तन पर व्यावहारिक संदर्भ-ग्रंथ का विमोचन

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 तथा उससे संबंधित नियंत्रण आदेशों के प्रभावी और विधिसम्मत प्रवर्तन पर केंद्रित संदर्भ-ग्रंथ सर्च, सीज्योर, एफआईआर एंड कॉन्फिसकेशन - एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट, 1955 के अंतर्गत प्रवर्तन की व्यावहारिक मार्गदर्शिका का गायघाट, स्थित अवध ग्रीन्स में आयोजित समारोह में विमोचन हुआ। पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं बिहार आपूर्ति सेवा संघ के पूर्व अध्यक्ष तथा महासचिव शंकर मेहता ने किया। लेखक आलोक कुमार सिन्हा ने पुस्तक की पृष्ठभूमि और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। यह पुस्तक अधिकारियों को केवल कानूनी प्रावधान बताने तक सीमित नहीं है, बल्कि निरीक्षण से लेकर विधिसम्मत कार्रवाई तक के विभिन्न चरणों को व्यावहारिक दृष्टि से समझाने का प्रयास करती है। इसमें तलाशी, जब्ती, नमूना संग्रह, प्राथमिकी, अभियोजन, अधिहरण, अभिलेखीकरण तथा प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों के साथ उपयोगी प्रारूपों को भी स्थान दिया गया है। संदर्भ-ग्रंथ में आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अतिरिक्त कालाबाजारी निवारण से संबंधित कानून, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के नियंत्रण आदेश, बिहार से संबंधित प्रावधान तथा पेट्रोलियम उत्पादों के नियंत्रण आदेशों को समेकित किया गया है। विशेष संदर्भ बिहार होने के कारण यह सामग्री क्षेत्रीय प्रवर्तन कार्य में लगे अधिकारियों, प्रशिक्षुओं और विधि के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हो सकती है। समारोह में पुस्तक के अभिमत-लेखकों राम नारायण लाल, प्रदीप कुमार सहनी और अंजनी कुमार श्रीवास्तव के संबोधन हुए। मुख्य अतिथि शंकर मेहता ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में पुस्तक की प्रशासनिक उपयोगिता और विधिक प्रक्रियाओं के सही अनुपालन के महत्त्व पर चर्चा हुई। विमोचन के बाद सामूहिक छायाचित्र लिया गया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया गया। लेखक आलोक कुमार सिन्हा सेवानिवृत्त सहायक अनुभाजन पदाधिकारी हैं। वे जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, सीवान के पूर्व सदस्य तथा वर्तमान में जिला उपभोक्ता संरक्षण परिषद, पटना के सदस्य हैं। उन्होंने विभागीय संदर्भ-सामग्री के संकलन में योगदान दिया है। वे बिपार्ड में आईएएस एवं बीपीएससी के परिवीक्षाधीन पदाधिकारियों तथा आपूर्ति पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए अतिथि संकाय एवं संसाधन व्यक्ति के रूप में भी कार्य करते रहे हैं।

छठ घाटों पर तैनात रहेंगे प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक



नई सोच एक्सप्रेस

पटना।छठ घाटों पर तैनात रहेंगे प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक एवं आपदा मित्र भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और बचाव कार्य संभालेंगे। फाउंडेशन के मुख्य स्वयसेवक दिलीप कुमार ने बताया कि हमारे स्वयंसेवक एवं युवा आपदा मित्र समाज के लिए हमेशा पुलिस प्रसाशन के साथ मिलकर सहयोग करते है । बाढ़ राहत में स्वयसेवको ने भोजन पैकेट वितरण , बचाव कार्य, राहत सामग्री वितरण में सराहनीय भूमिका निभा रहे है । उन्होंने बताया कि भीड़ भाड़ या मेला में छोटे बच्चों को लेकर जाते है तब उनके जेब मे नाम पता एवं मोबाइल नम्बर लिखकर जरूर रखें । प्रशासन के साथ मिलकर फाउंडेशन की टीम छठ घाटों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।भीड़ प्रबंधन और लाइन व्यवस्था आपातकालीन बचाव कार्य खोए हुए बच्चों और बुजुर्गों की मदद प्राथमिक उपचार सहायता करेगे ।दिलीप ने लोगो से अपील किया है कि किसी भी हालत में अधिक पानी मे प्रवेश न करे न ही घाटों पर पटाखा जलाये । मौके पर मन्नी कुमार, रंजन कुमार, नितिन कुमार, राजू कुमार, स्नेहा कुमारी , काजल कुमारी, समेत दर्जनों स्वयसेवक मौजूद रहे ।

आईडीबीआई बैंक की हैकाथॉन पहल 'आईडीबीआई इनोवेट 2026' का ग्रैंड फिनाले संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।आईडीबीआई बैंक की प्रमुख हैकाथॉन पहल 'आईडीबीआई इनोवेट 2026' का ग्रैंड फिनाले सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 'बिल्ड. इंटीग्रेट. ट्रांसफॉर्म.' थीम पर आयोजित इस पहल का उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं के डिजिटल रूपांतरण को गति देना, फिनटेक कंपनियों के साथ सहयोग बढ़ाना और बैंकिंग क्षेत्र की चुनौतियों के लिए आधुनिक एवं प्रभावी समाधान विकसित करना है। इस अवसर पर आईडीबीआई बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश शर्मा ने कहा कि बैंक को भविष्य के लिए तैयार और मजबूत बनाने में नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैंक का मुख्य उद्देश्य नई तकनीकों के माध्यम से ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करना और अपनी डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करना है। इसके साथ ही सुरक्षा और बैंकिंग नियमों के अनुपालन के उच्च मानकों को बनाए रखना भी प्राथमिकता है। हैकाथॉन में स्टार्टअप, फिनटेक कंपनियों, कामकाजी पेशेवरों और नवाचार से जुड़े लोगों ने भाग लिया। इसमें बैंकिंग क्षेत्र की व्यावसायिक एवं परिचालन संबंधी चुनौतियों के समाधान के लिए सुरक्षित, प्रभावी और ग्राहकों के अनुकूल तकनीकी समाधान विकसित करने पर जोर दिया गया। आयोजन के तहत चार प्रमुख विषयों पर देशभर से प्रतिभागियों ने अपने विचार और तकनीकी समाधान प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों के समाधानों का चयन तकनीकी मूल्यांकन, प्रदर्शन, बैंक के सैंडबॉक्स प्लेटफॉर्म 'आईडीबीआई इनोबॉक्स' पर परीक्षण और जूरी की समीक्षा सहित विभिन्न चरणों के आधार पर किया गया। सभी श्रेणियों के विजेता और उपविजेता टीमों को 3 नवंबर 2026 को आयोजित ग्रैंड फिनाले में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विजेता और उपविजेता टीमों ने अपने नवाचारपूर्ण समाधानों का प्रदर्शन किया। बैंक के अनुसार, इन तकनीकी पहलों में बैंकिंग सेवाओं को अधिक सुरक्षित, कुशल और सुलभ बनाने की क्षमता है। आईडीबीआई बैंक का मानना है कि इस तरह के आयोजनों से फिनटेक क्षेत्र के साथ सहयोग मजबूत होगा और देश में डिजिटल बैंकिंग के विकास को नई दिशा मिलेगी।

itel ने भारत में 15 करोड़ ग्राहकों का आंकड़ा पार किया, किफायती टेक्नोलॉजी और भरोसे से बनाई पहचान

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।किफायती कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड आईटेल (itel) ने भारत में 15 करोड़ ग्राहकों का आंकड़ा पार कर लिया है। वर्ष 2016 में भारतीय बाजार में कदम रखने वाले इस ब्रांड ने एक दशक में मजबूती, भरोसे और किफायती कीमत के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है। कंपनी के अनुसार, काउंटरपॉइंट रिसर्च के आंकड़ों में 34 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ आईटेल देश का नंबर वन फीचर फोन ब्रांड है। वहीं, 10 हजार रुपये से कम कीमत वाले मोबाइल फोन सेगमेंट में 36 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ कंपनी अग्रणी है। आईटेल का कारोबार अब मोबाइल फोन तक सीमित नहीं है। कंपनी स्मार्टफोन, फीचर फोन, टीवी, होम अप्लायंसेज, स्पीकर और एक्सेसरीज जैसी विभिन्न श्रेणियों में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। इसका उद्देश्य महानगरों से लेकर छोटे शहरों और गांवों तक आम लोगों को किफायती एवं भरोसेमंद तकनीक उपलब्ध कराना है। आईटेल इंडिया के सीईओ अरिजीत तलापात्रा ने कहा कि 15 करोड़ ग्राहकों का आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि भारतीय परिवारों के भरोसे का प्रतीक है। कंपनी आगे भी ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप उपयोगी और किफायती उत्पाद उपलब्ध कराने पर ध्यान देगी। ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए कंपनी ने देशभर में एक हजार से अधिक सर्विस सेंटर स्थापित किए हैं। इसके अलावा, चुनिंदा स्मार्टफोन पर 100 दिनों तक मुफ्त स्क्रीन रिप्लेसमेंट और फीचर फोन के लिए काउंटर रिप्लेसमेंट की सुविधा दी जा रही है। सिटी 300 5जी और पावर 80 5जी जैसे स्मार्टफोन में आईपी रेटिंग और एमआईएल-एसटीडी सर्टिफिकेशन जैसी खूबियां भी शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि उसका लक्ष्य मोबाइल फोन से आगे बढ़कर भारतीय परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक श्रेणियों में भरोसेमंद और किफायती तकनीक उपलब्ध कराना है।

घर के पास ही छठ घाट की सुविधा, गंगा किनारे जाने की मजबूरी होगी खत्म : प्रियंका

नई सोच एक्सप्रेस



फतुहा। फतुहा की प्रियंका कुमारी ने दी महत्वपूर्ण जानकारी, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन की व्यापक तैयारी लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर पटना में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। अब छठ व्रतियों को अर्घ्य देने के लिए दूर-दराज के गंगा घाटों तक जाने की मजबूरी नहीं होगी। शहर के 66 तालाबों और पार्कों में ही अर्घ्य देने की व्यवस्था की जा रही है। इन जलाशयों में गंगाजल भरने के लिए टैंकरों का सहारा लिया जा रहा है। फतुहा की प्रियंका कुमारी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था काफी महत्वपूर्ण है। समाचार में प्रकाशित जानकारी के अनुसार, पटना में 28 पार्कों में जलकुंड तैयार किए गए हैं, जबकि 38 तालाबों की मरम्मत, सफाई और घाटों की व्यवस्था की जा रही है। **स्वच्छता और सुरक्षा पर विशेष ध्यान:**छठ घाटों की साफ-सफाई, जल की गुणवत्ता और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। तालाबों से गाद निकालने, पानी को स्वच्छ बनाने तथा आवश्यकतानुसार गंगाजल उपलब्ध कराने की योजना है। इससे बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को काफी राहत मिलेगी। **घर के नजदीक अर्घ्य देने का मिलेगा अवसर:**प्रियंका कुमारी ने कहा कि छठ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि बिहार की संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता का महापर्व है। ऐसे में व्रतियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। स्थानीय स्तर पर घाटों की व्यवस्था होने से गंगा किनारे होने वाली भीड़ और यातायात के दबाव में भी कमी आने की उम्मीद है। **प्रशासन की तैयारी से श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी:**पटना के विभिन्न अंचलों में तालाबों और पार्कों को छठ पूजा के अनुकूल बनाया जा रहा है। प्रकाश, रास्ते, सफाई और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है। यदि इन तैयारियों को समय पर पूरा किया जाता है तो लाखों श्रद्धालुओं को अपने घर के नजदीक ही भगवान सूर्य को अर्घ्य देने की सुविधा मिल सकेगी। प्रियंका कुमारी ने उम्मीद जताई कि इस पहल से छठ व्रतियों को बड़ी राहत मिलेगी और लोक आस्था का यह महापर्व स्वच्छता, सुरक्षा और श्रद्धा के वातावरण में संपन्न होगा।

भारत में 670 प्लस सेंटर्स तक पहुंचा रियलमी का आफ्टर सेल्स नेटवर्क

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने भारत में अपने आफ्टर-सेल्स सर्विस नेटवर्क का विस्तार करते हुए 550 से अधिक शहरों में 670 से ज्यादा सर्विस सेंटर्स स्थापित किए हैं। यह विस्तारित सर्विस नेटवर्क 16 नवंबर से ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगा। इस विस्तार के लिए रियलमी ओप्पो के मौजूदा सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करेगा। सभी सर्विस सेंटर्स पर रियलमी की ब्रांडिंग होगी और ग्राहकों को बेहतर सर्विस अनुभव मिलेगा। कंपनी ने रिपेयर सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 1,500 से अधिक सर्टिफाइड इंजीनियरों की टीम भी तैयार की है। सभी रिपेयर में 100 प्रतिशत ओरिजिनल स्पेयर पार्ट्स का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा, रियलमी और ओप्पो यूजर्स को हर महीने आयोजित होने वाले सर्विस डे के तहत स्क्रीन, बैटरी और बैक-कवर रिपेयर पर छूट भी मिलेगी। इस पहल के जरिए रियलमी का लक्ष्य देशभर में ग्राहकों को सुविधाजनक, भरोसेमंद और गुणवत्तापूर्ण आफ्टर-सेल्स सर्विस उपलब्ध कराना है।

सूर्योपासना का महापर्व छठ व्रत की आज से नहाय खाय से होगी शुरूआत

नई सोच एक्सप्रेस



पटना।लोक आस्था एवं सूर्योपासना का महापर्व छठ व्रत की शुक्रवार से नहाय खाय के साथ शुरुआत होगी। इसके लिए गुरुवार से ही छठव्रती बाजार में खरीददारी व तैयारी में जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक चार दिवसीय छठ महाव्रत के पहले दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी तिथि को नहाय खाय का व्रकत होता है। जिसमें छठ व्रती गंगा या पवित्र नदियों में स्नान कर शुद्धता से चावल, दाल, कद्दू की सब्जी, बजका , चटनी का प्रसाद बनाती है। और पूजा अर्चना के बाद प्रसाद ग्रहण करतीं हैं और अपने परिजनों को खिलाती हैं। जानकारी के मुताबिक पहला दिन नहाय-खाय कहलाता है इस दिन घर की सफाई की जाती है, पवित्र नदियों (जैसे गंगा) में स्नान किया जाता है और शुद्ध सात्विक भोजन (जैसे चने की दाल, लौकी की सब्जी और चावल) ग्रहण किया जाता है। वहीं दूसरे दिन खरना के दिन व्रती पूरे दिन का उपवास रखते हैं। शाम को मिट्टी के चूल्हे पर गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद बनाया जाता है। पूजा के बाद इस प्रसाद को ग्रहण किया जाता है और यहीं से लगभग 36 घंटे के निर्जला (बिना पानी के) व्रत की शुरूआत होती है।तीसरे दिन संध्या अर्घ्य का पर्व का मुख्य दिन होता है। इस दिन बांस की टोकरी में ठेकुआ, मौसमी फल और पूजा सामग्री सजाई जाती है। शाम को नदी या तालाब के घाट पर जाकर अस्ताचलगामी (डूबते हुए) सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। रात को कोसी भरने की रस्म भी होती है। और व्रत का समापन चौथे दिन उषा अर्घ्य के साथ होता है। इस दिन सूर्योदय से पहले सभी श्रद्धालु पुनः घाट पर इकट्ठा होते हैं। उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद व्रती थोड़ा सा प्रसाद (अदरक और गुड़) खाकर अपना व्रत खोलते हैं (पारणा करते हैं)। बतातें चलें कि सूर्य देव की उपासनाः सूर्य को इस पृथ्वी पर जीवन, ऊर्जा और प्रकाश का मुख्य स्रोत माना जाता है। जीवनदायिनी शक्तियों के लिए सूर्य देव और प्रकृति (जल, वायु) का आभार व्यक्त करने हेतु यह पर्व मनाया जाता है। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा त्योहार है जिसमें डूबते और उगते दोनों सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए डॉ. जोशी ने दिए सुझाव : मिथिलेश

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और शिक्षाविद् डॉ. मुरली मनोहर जोशी गुरुवार को शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के आवास पर पहुंचे। शिक्षा मंत्री ने उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। साथ ही पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने डॉ. जोशी को बिहार की शिक्षा व्यवस्था में हो रहे बदलावों और राज्य सरकार के प्रयासों की जानकारी दी। डॉ. जोशी ने शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने शिक्षा के मूल उद्देश्यों, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा को मजबूत करने पर जोर दिया।श्री तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. जोशी का अनुभव और मार्गदर्शन हमारे लिए सर्वोपरि है। उनके सुझाव बिहार की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने में उपयोगी साबित होंगे।इस दौरान शिक्षा मंत्री ने डॉ. जोशी को प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में हो रहे बदलावों और राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डॉ. जोशी के अनुभव, मार्गदर्शन और उनके प्रेरणादायी विचार हमेशा नई ऊर्जा एवं सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। वरिष्ठजनों का स्नेह और आशीर्वाद जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, संगठक नागेंद्र नाथ त्रिपाठी, मंत्री प्रमोद चन्द्रवंशी, सांसद गोपाल जी ठाकुर और विधान पार्षद जीवन कुमार उपस्थित रहे।

सत्ता की बेचैनी में कांग्रेस, विपक्ष को चाहिए विरोध नहीं, विश्वसनीय विकल्प



आरती कुमारी

चुनावी पराजय, नेतृत्व का संकट और संगठनात्मक कमजोरी से जूझ रही कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनता का विश्वास वापस हासिल करना है। केवल पदयात्राओं, नारों और विरोध प्रदर्शनों से राजनीतिक जमीन मजबूत नहीं हो सकती। लोकतंत्र में सरकार को चुनौती देने के लिए विपक्ष के पास ठोस मुद्दे, स्पष्ट नीति और भरोसेमंद नेतृत्व होना जरूरी है।

भारतीय राजनीति में कांग्रेस आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां उसकी चुनावी रणनीति, नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक मजबूती लगातार सवालों के घेरे में है। कभी देश की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने वाली कांग्रेस आज कई राज्यों में अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए संघर्ष करती दिखाई दे रही है। लगातार चुनावी पराजय के बाद पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल सत्ता में वापसी नहीं, बल्कि जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता स्थापित करना भी है। यही कारण है कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अलग-अलग मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ आंदोलन, पदयात्रा और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कभी चुनाव आयोग, कभी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), कभी ईवीएम तो कभी केंद्र सरकार की नीतियों को निशाना बनाया जा रहा है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या केवल विरोध की राजनीति से जनता का विश्वास हासिल किया जा सकता है? हैदराबाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रैली ने कांग्रेस की मौजूदा राजनीतिक रणनीति पर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। कांग्रेस की पदयात्रा के बाद भाजपा की रैली में उमड़ी भीड़ को भाजपा ने अपनी संगठनात्मक ताकत और राजनीतिक लोकप्रियता के रूप में पेश किया। रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि लगातार चुनाव हार रही कांग्रेस अब आक्रामकता के सहारे सत्ता हासिल करना चाहती है। कांग्रेस की स्थिति पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि खुद वेंटिलेटर पर पड़ी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मैराथन नहीं दौड़ सकती। यह बयान राजनीतिक कटाक्ष से आगे बढ़कर कांग्रेस की मौजूदा स्थिति पर भाजपा के हमले का प्रतीक बन गया है।

शाह ने चुनावी परिणामों को लेकर कांग्रेस की रणनीति पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि जब कांग्रेस चुनाव जीतती है तो उसका श्रेय अपने नेतृत्व को देती है, लेकिन हारने पर ईवीएम और चुनावी व्यवस्था को दोषी ठहराती है। उन्होंने राहुल गांधी को ईवीएम, एसआईआर और घुसपैठियों के मुद्दे पर संसद में चर्चा की चुनौती देते हुए सवाल किया कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी होती है तो तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार कैसे बनी और रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री कैसे बने? भाजपा का यह तर्क राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। हालांकि, चुनावी व्यवस्था पर उठने वाले सवालों का जवाब केवल दूसरे राज्यों में हुई जीत का उदाहरण देकर नहीं दिया जा सकता। चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए हर शिकायत की निष्पक्ष जांच और पारदर्शी जवाब जरूरी है। दरअसल, लोकतंत्र में चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता सर्वोपरि है। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण भी इसी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मृत मतदाताओं, स्थायी रूप से स्थान बदल चुके लोगों और एक से अधिक स्थानों पर दर्ज नामों की पहचान करना जरूरी है, ताकि मतदाता सूची अधिक शुद्ध और विश्वसनीय बन सके। लेकिन इस प्रक्रिया में किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से हटना भी गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए एसआईआर के समर्थन या विरोध में राजनीतिक बयानबाजी के बजाय प्रक्रिया की पारदर्शिता, नागरिकों की भागीदारी और शिकायतों के समयबद्ध निपटारे पर जोर दिया जाना चाहिए। विपक्ष को यदि अनियमितताओं की आशंका है तो उसे प्रमाणों के साथ सामने आना चाहिए। वहीं चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वह हर आशंका का तथ्यात्मक और स्पष्ट जवाब दे।

घुसपैठियों का मुद्दा भी चुनावी राजनीति में लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। देश की मतदाता सूची में केवल पात्र मतदाताओं का नाम होना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा और निष्पक्ष चुनाव की दृष्टि से यह आवश्यक है। लेकिन इस विषय को राजनीतिक लाभ-हानि से ऊपर उठाकर देखना होगा। किसी भी व्यक्ति को केवल आरोप या संदेह के आधार पर मतदाता अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। कानून के अनुरूप पहचान, जांच और अपील की व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि एक ओर अपात्र नाम हटें और दूसरी ओर किसी पात्र नागरिक का अधिकार प्रभावित न हो। दूसरी ओर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कोलकाता में लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें विदेशी ताकतों के इशारे पर काम करने वाला बताया। इसके जवाब में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार करते हुए विदेशी मदद को लेकर आरोप लगाए और खुली बहस की चुनौती दी। इस प्रकार दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज होता जा रहा है। लेकिन लोकतंत्र के लिए यह स्थिति बहुत सुखद नहीं कही जा सकती, जहां राजनीतिक विमर्श का बड़ा हिस्सा एक-दूसरे की नीयत पर सवाल उठाने में खर्च हो रहा है। विदेशी ताकतों से संबंध या विदेशी हस्तक्षेप जैसे गंभीर आरोपों को राजनीतिक मंचों पर दोहराने के बजाय ठोस प्रमाणों के साथ संबंधित संस्थाओं के सामने रखा जाना चाहिए।

यह भी स्पष्ट है कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की आलोचना एक प्रमुख विषय बनती जा रही है। राजनीतिक आलोचना लोकतंत्र का अनिवार्य हिस्सा है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार की नीतियों की समीक्षा करे, गलतियों को उजागर करे और जनता की समस्याओं को मजबूती से उठाए। लेकिन आलोचना और व्यक्तिगत हमले के बीच अंतर होना चाहिए। लगातार कटाक्ष, अपमानजनक टिप्पणियां और राजनीतिक आरोप जनता के वास्तविक सवालों को पीछे धकेल देते हैं। देश की जनता को यह जानना है कि महंगाई से राहत कैसे मिलेगी, युवाओं को रोजगार कैसे मिलेगा, किसानों की आय कैसे बढ़ेगी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं कैसे बेहतर होंगी तथा आर्थिक विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचेगा। कांग्रेस की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि वह इन मुद्दों पर एक स्पष्ट और प्रभावशाली वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने में अब तक अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाई है। पार्टी के सामने नेतृत्व का प्रश्न भी लगातार बना हुआ है। संगठन के विभिन्न स्तरों पर कार्यकर्ताओं में उत्साह और भविष्य की दिशा को लेकर असमंजस दिखाई देता है। कई राज्यों में क्षेत्रीय नेताओं के बीच मतभेद और संगठनात्मक खींचतान भी पार्टी की संभावनाओं को प्रभावित करती है। केवल राष्ट्रीय स्तर पर बड़े नेताओं की सभाओं और बयानों से संगठन मजबूत नहीं होता। इसके लिए बूथ स्तर तक सक्रिय कार्यकर्ता, स्थानीय नेतृत्व, जनसंपर्क और जनता के बीच निरंतर उपस्थिति जरूरी है।

विपक्षी गठबंधन की स्थिति भी बहुत मजबूत दिखाई नहीं देती। विभिन्न दलों के बीच भाजपा के खिलाफ राजनीतिक एकजुटता तो नजर आती है, लेकिन साझा नेतृत्व, नीतियों और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर स्पष्टता का अभाव है। अलग-अलग राज्यों में क्षेत्रीय दलों के अपने राजनीतिक हित और महत्वाकांक्षाएं हैं। चुनाव के समय गठबंधन की तस्वीर बनती है, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही आपसी मतभेद सामने आने लगते हैं। ऐसे में केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को सत्ता से हटाने का साझा लक्ष्य जनता के सामने कोई ठोस विकल्प नहीं बन सकता। मतदाता यह जानना चाहता है कि यदि विपक्ष को जनादेश मिलता है तो देश की अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति, रोजगार और सामाजिक विकास को लेकर उसकी योजना क्या होगी। वहीं भाजपा और एनडीए की राजनीतिक मजबूती का एक बड़ा आधार उनका संगठनात्मक ढांचा, चुनावी प्रबंधन और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का प्रयास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने देश के विभिन्न हिस्सों में अपना संगठन विस्तार किया है। चुनावी रणनीति के साथ-साथ स्थानीय मुद्दों और सामाजिक समीकरणों पर भी पार्टी का विशेष ध्यान रहता है। यही कारण है कि विपक्ष के लिए भाजपा को चुनौती देना आसान नहीं है। हालांकि, भाजपा की राजनीतिक सफलता का अर्थ यह नहीं कि सरकार की नीतियों और निर्णयों पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, सामाजिक असमानता और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता जैसे मुद्दों पर सरकार को भी जनता के प्रति जवाबदेह रहना होगा। राजनीतिक आंदोलनों और बड़े प्रदर्शनों में होने वाले खर्च तथा राजनीतिक फंडिंग की पारदर्शिता भी एक महत्वपूर्ण विषय है। जनता को यह जानने का अधिकार है कि राजनीतिक दलों को मिलने वाला धन कहां से आता है और उसका उपयोग किस प्रकार किया जाता है। लेकिन किसी आंदोलन में बड़ी भीड़ जुटने या व्यापक आयोजन होने मात्र से विदेशी फंडिंग अथवा किसी अंतरराष्ट्रीय साजिश का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। ऐसे आरोपों की पुष्टि जांच और प्रमाणों के आधार पर ही होनी चाहिए। यही कसौटी सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों पर समान रूप से लागू होती है।

आज देश को एक मजबूत सरकार के साथ-साथ एक मजबूत विपक्ष की भी जरूरत है। विपक्ष कमजोर होगा तो सत्ता के सामने जवाबदेही का दबाव कम हो सकता है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में संतुलन प्रभावित हो सकता है। इसलिए कांग्रेस का कमजोर होना केवल एक राजनीतिक दल की समस्या नहीं, बल्कि व्यापक लोकतांत्रिक विमर्श के लिए भी चिंता का विषय है। कांग्रेस को अपनी पुरानी राजनीतिक विरासत का उल्लेख करने के साथ-साथ वर्तमान की चुनौतियों के अनुरूप खुद को बदलना होगा। उसे परिवारवाद, नेतृत्व संबंधी असमंजस, संगठनात्मक निष्क्रियता और आंतरिक मतभेदों पर गंभीरता से आत्ममंथन करना होगा। जनता के बीच नए नेतृत्व को अवसर देना और स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं को अधिकार देना भी जरूरी है।

हैदराबाद की रैली में अमित शाह का कांग्रेस को वेंटिलेटर पर बताने वाला बयान आने वाले दिनों में राजनीतिक बहस का हिस्सा बना रहेगा। लेकिन किसी पार्टी का राजनीतिक भविष्य केवल विरोधी दलों के कटाक्ष से तय नहीं होता। कांग्रेस के सामने चुनौती है कि वह पदयात्राओं और प्रदर्शनों से आगे बढ़कर जनता के बीच विश्वास का नया आधार तैयार करे। उसे यह साबित करना होगा कि वह केवल सत्ता का विरोध करने वाली पार्टी नहीं, बल्कि देश को बेहतर दिशा देने में सक्षम राजनीतिक विकल्प भी है। अंततः लोकतंत्र में रैली की भीड़, नारों की गूंज और पदयात्राओं की लंबाई से अधिक महत्व जनता के भरोसे का है।

चित्रगुप्त पूजन देता है - सत्य, न्याय और उत्तरदायित्व का संदेश



जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

भारतीय सनातन संस्कृति में पर्व-त्योहार केवल उत्सव मनाने अथवा धार्मिक अनुष्ठान करने के अवसर नहीं हैं, बल्कि इनके पीछे जीवन को सही दिशा देने वाले गहरे आध्यात्मिक, सामाजिक और नैतिक संदेश भी छिपे हैं। हमारे धर्मग्रंथों में कर्म को मनुष्य के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना गया है। यम संहिता हो, पद्म पुराण हो अथवा श्रीमद्भगवद्गीता, सभी में कर्म की प्रधानता और उसके परिणाम की अनिवार्यता का प्रतिपादन मिलता है। मनुष्य की वास्तविक पहचान उसके नाम, पद, प्रतिष्ठा, जाति अथवा परिचय से नहीं, बल्कि उसके कर्मों से निर्धारित होती है। यही सनातन जीवन-दर्शन का शाश्वत सत्य है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि इसी सत्य के साथ दो महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को जोड़ती है। एक ओर भगवान चित्रगुप्त का जन्मोत्सव और पूजन होता है, जिन्हें सृष्टि के समस्त जीवों के कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाला दिव्य देवता माना जाता है। दूसरी ओर यही तिथि भाई दूज अथवा भैया दूज के रूप में भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह, सुरक्षा, विश्वास और आशीर्वाद का प्रतीक बन जाती है। इन दोनों पर्वों का एक ही दिन पड़ना भारतीय संस्कृति की व्यापकता और जीवन के विविध मूल्यों को एक सूत्र में पिरोने की अद्भुत परंपरा का परिचायक है। सनातन धर्म में भगवान चित्रगुप्त को धर्मराज यम के सहयोगी और समस्त जीवों के कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाले देवता के रूप में प्रतिष्ठित हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, संसार में जन्म लेने वाला प्रत्येक जीव अपने कर्मों के माध्यम से अपने भविष्य का निर्माण करता है। उसके विचार, वाणी और व्यवहार से लेकर उसके द्वारा किए गए अच्छे-बुरे कार्यों तक का हिसाब ईश्वरीय व्यवस्था में सुरक्षित रहता है। चित्रगुप्त शब्द स्वयं अपने भीतर गहरा अर्थ समेटे हुए है। 'चित्र' का अर्थ है विविध रूपों में अंकित और 'गुप्त' का अर्थ है गोपनीय अथवा सुरक्षित। इस प्रकार भगवान चित्रगुप्त को प्रत्येक जीव के गुप्त कर्मों का विवरण रखने वाला दिव्य स्वरूप माना जाता है। वे मनुष्य के उन कर्मों के भी साक्षी हैं, जिन्हें संसार की आंखें नहीं देख पाती। धार्मिक ग्रंथों और कायस्थ समाज की प्रचलित धार्मिक परंपराओं के अनुसार, यम संहिता के अहिल्या-कामधेनु प्रसंग के नौवें अध्याय में भगवान चित्रगुप्त की उत्पत्ति का उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि जब सृष्टि के विस्तार के साथ जीवों की संख्या और उनके कर्मों का लेखा-जोखा रखना कठिन होने लगा, तब ब्रह्मा ने यमराज को इस कार्य के लिए एक योग्य दिव्य सहायक की आवश्यकता बताई। इसके बाद उन्होंने अपनी काया से दिव्य स्वरूपधारी भगवान चित्रगुप्त को उत्पन्न किया और उन्हें समस्त जीवों के कर्मों का हिसाब रखने का दायित्व सौंपा। यह धार्मिक आख्यान केवल एक देवता की उत्पत्ति की कथा नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से सृष्टि के संचालन में न्याय, निष्पक्षता और कर्मफल के सिद्धांत को स्थापित किया गया है। 84 लाख योनियों में विचरण करने वाले जीवों के कर्मों का लेखा रखने की मान्यता इस बात का प्रतीक है कि ईश्वरीय व्यवस्था में कोई भी कर्म अनदेखा नहीं रहता है। सनातन धर्म में 84 लाख योनियों की अवधारणा जीव के दीर्घ आध्यात्मिक सफर और पुनर्जन्म के सिद्धांत से जुड़ी हुई है। मान्यता है कि जीव अपने कर्मों के अनुसार विभिन्न योनियों में जन्म लेता है और अंततः मानव जीवन प्राप्त करना एक महत्वपूर्ण अवसर है। मनुष्य जीवन की सबसे बड़ी विशेषता विवेक और कर्म करने की स्वतंत्रता है। पशु-पक्षी प्रकृति के सहज नियमों के अनुसार जीवन जीते हैं, लेकिन मनुष्य के पास सही और गलत में अंतर करने, अपने व्यवहार को बदलने तथा अपने भविष्य को बेहतर बनाने की क्षमता है। इसलिए मानव जीवन को केवल भोग का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मोन्नति और सद्कर्म का अवसर माना गया है। भगवान चित्रगुप्त की आराधना इसी जिम्मेदारी का स्मरण कराती है कि मनुष्य को अपने प्रत्येक कार्य के प्रति सजग रहना चाहिए। वह चाहे किसी पद पर हो, कितना भी धनवान हो अथवा समाज में कितनी ही प्रतिष्ठा रखता हो, उसके कर्मों का मूल्यांकन उसके आचरण से ही होगा। कर्म के सिद्धांत को सबसे प्रभावशाली ढंग से श्रीमद्भगवद्गीता में समझाया गया है। महाभारत के युद्धक्षेत्र में जब अर्जुन अपने कर्तव्य को लेकर भ्रमित हो गए, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें कर्मयोग का उपदेश दिया। गीता का प्रसिद्ध श्लोक है- "कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥" अर्थात मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है, उसके फल पर नहीं। उसे कर्मफल का कारण स्वयं को नहीं मानना चाहिए और न ही कर्म न करने में आसक्ति रखनी चाहिए। इस श्लोक का अर्थ यह नहीं है कि मनुष्य अपने कर्मों के परिणाम से मुक्त हो जाता है। इसका वास्तविक संदेश है कि मनुष्य को फल की अत्यधिक चिंता छोड़कर निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने कर्मयोग के माध्यम से जीवन में निष्काम भाव, कर्तव्यनिष्ठा और समत्व का महत्व समझाया। यही विचार भगवान चित्रगुप्त की आराधना के मूल संदेश से भी जुड़ता है। जहां गीता मनुष्य को श्रेष्ठ कर्म करने की प्रेरणा देती है, वहीं चित्रगुप्त की धार्मिक अवधारणा कर्मों के लेखा-जोखा और उनके परिणाम का स्मरण कराती है। भारतीय धार्मिक साहित्य में कर्म और धर्म का संबंध अत्यंत व्यापक है। पद्म पुराण सहित अनेक पुराणों में दान, सेवा, सत्य, परोपकार, अहिंसा, संयम और सदाचार को मनुष्य के जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताया गया है। सनातन दर्शन के अनुसार, मनुष्य के कर्म केवल उसके व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित नहीं करते, बल्कि परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों पर भी उनका प्रभाव पड़ता है। एक व्यक्ति का सत्यनिष्ठ व्यवहार समाज में विश्वास पैदा करता है, जबकि उसका अन्याय और छल सामाजिक व्यवस्था को कमजोर करता है। इसलिए कर्म का सिद्धांत केवल परलोक अथवा मृत्यु के बाद मिलने वाले फल तक सीमित नहीं है। इसका संबंध वर्तमान जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक व्यवस्था से भी है। जो व्यक्ति ईमानदारी से अपने दायित्व निभाता है, दूसरों के अधिकारों का सम्मान करता है और जरूरतमंदों की सहायता करता है, वह अपने जीवन में ही कर्मफल का सकारात्मक अनुभव करता है। भगवान चित्रगुप्त को सामान्यतः हाथों में कलम, दवात और लेखा-पुस्तिका धारण किए हुए दर्शाया जाता है। यह स्वरूप ज्ञान, विवेक, स्मरणशक्ति और लेखन-कौशल का प्रतीक है। कलम केवल लिखने का साधन नहीं है, बल्कि विचारों को अभिव्यक्त करने और सत्य को दर्ज करने का माध्यम भी है। चित्रगुप्त की आराधना करने का वास्तविक आशय अपने जीवन के लेखे-जोखे पर विचार करना है। हमें स्वयं से प्रश्न करना चाहिए कि हमने अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का कितना निर्वहन किया है। क्या हमने किसी का अधिकार छीना? क्या हमने अपने पद और शक्ति का दुरुपयोग किया? क्या हमने किसी जरूरतमंद की सहायता की? क्या हमने अपने ज्ञान और सामर्थ्य का उपयोग समाज के हित में किया? ये प्रश्न किसी धार्मिक अनुष्ठान से कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। वास्तव में यही आत्ममंथन भगवान चित्रगुप्त की पूजा का सबसे बड़ा आध्यात्मिक पक्ष है। भगवान चित्रगुप्त विशेष रूप से कायस्थ समाज का आराध्य देव हैं। कायस्थ समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में चित्रगुप्त पूजा का विशेष स्थान है। मान्यता है कि भगवान चित्रगुप्त से ही लेखन, अभिलेख, गणना और प्रशासनिक कार्यों की प्रेरणा प्राप्त होती है। कायस्थ समाज में कलम और दवात की पूजा की परंपरा इसी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी हुई है। पूजा के अवसर पर लोग अपनी लेखनी, पुस्तकों, बही-खातों और कार्यक्षेत्र में उपयोग होने वाले उपकरणों का पूजन करते हैं। विद्यार्थी शिक्षा में सफलता, व्यवसायी व्यापार में उन्नति और कर्मचारी अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी तथा प्रगति की कामना करते हैं। इस परंपरा का संदेश केवल एक समुदाय तक सीमित नहीं है। आज के ज्ञान और तकनीक आधारित युग में लेखनी का स्वरूप बदलकर कंप्यूटर, मोबाइल, डिजिटल अभिलेख और आधुनिक सूचना प्रणालियों तक पहुंच गया है, लेकिन ज्ञान, सत्य और उत्तरदायित्व का महत्व आज भी उतना ही है। भगवान चित्रगुप्त का स्मरण हमें बताता है कि किसी भी पेशे में सफलता का वास्तविक आधार ईमानदारी, दक्षता और नैतिकता है।

मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री देने वाले मधेपुरा में उच्च शिक्षा की चुनौती, राजनीतिक पहचान के साथ शिक्षा की भी बड़ी जिम्मेदारी



धर्मेंद्र कुमार मिश्रा/स्वतंत्र पत्रकार

उदाकिशुनगंज के हरिहर साह महाविद्यालय में समुचित व्यवस्था कब?

मधेपुरा जिला बिहार की राजनीति और सामाजिक चेतना में अपनी अलग पहचान रखता है। इस जिले ने मुख्यमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण जनप्रतिनिधि और मंत्री दिए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी मधेपुरा की पहचान उल्लेखनीय रही है। जिले से डॉ. महावीर प्रसाद यादव और प्रो. चंद्रशेखर जैसे जनप्रतिनिधि बिहार सरकार में शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। ऐसे जिले में उच्च शिक्षा की स्थिति पर गंभीरता से विचार करना स्वाभाविक है।

1956 में स्थापित हुआ था हरिहर साह महाविद्यालयः उदाकिशुनगंज अनुमंडल मुख्यालय स्थित हरिहर साह महाविद्यालय क्षेत्र का पुराना और महत्वपूर्ण उच्च शिक्षण संस्थान है। इसकी स्थापना वर्ष 1956 में हुई थी। लंबे समय से यह आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों के लिए स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा का यह संस्थान विशेष महत्व रखता है।

छह दशक बाद भी बुनियादी सुविधाओं पर सवालः छह दशक से अधिक समय बाद महाविद्यालय की शैक्षणिक और आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा आवश्यक है। उपलब्ध रिपोर्टों में भवन, कक्षाओं, शिक्षकों और अन्य संसाधनों की कमी का उल्लेख किया गया है। पर्याप्त कक्षाएं, शिक्षक, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं और आधुनिक शैक्षणिक संसाधन नहीं होने पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की चुनौती बनी रहती है।

सिर्फ कला नहीं, विज्ञान और वाणिज्य की भी जरूरतः महाविद्यालय की सबसे बड़ी आवश्यकता केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है। विद्यार्थियों को विषयों की विविधता उपलब्ध कराना भी जरूरी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यहां मुख्य रूप से कला संकाय के विषयों की पढ़ाई होती है। लंबे समय से विज्ञान और वाणिज्य की पढ़ाई शुरू कराने की मांग उठती रही है। वर्ष 2016 में बिहार विधानसभा की कार्यवाही में भी उदाकिशुनगंज अनुमंडल के इस सरकारी महाविद्यालय में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय शुरू कराने की मांग दर्ज हुई थी।

स्थानीय विद्यार्थियों को मिले उच्च शिक्षा के अधिक विकल्पः आज विद्यार्थियों के सामने रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं की नई चुनौतियां हैं। ऐसे में उन्हें स्थानीय स्तर पर अधिक विषयों और पाठ्यक्रमों का विकल्प मिलना चाहिए। विज्ञान और वाणिज्य की पढ़ाई के साथ स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों की संभावनाओं पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों को दूसरे शहरों की ओर जाने की मजबूरी कम होगी और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ भी घट सकता है।

विद्यार्थियों की मांगों को अवसर के रूप में देखा जाएः हाल के वर्षों में विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर नामांकन, विज्ञान संकाय और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़ी मांगें उठाई हैं। यह संकेत है कि क्षेत्र के युवा अपने भविष्य को लेकर जागरूक हैं और बेहतर शैक्षणिक अवसर चाहते हैं। उनकी मांगों को शिकायत के बजाय क्षेत्र के शैक्षणिक विकास की आवश्यकता के रूप में देखा जाना चाहिए।

भवन के साथ आधुनिक शिक्षा व्यवस्था भी जरूरीः सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन को महाविद्यालय की जरूरतों का समग्र आकलन कर चरणबद्ध विकास योजना तैयार करनी चाहिए। पर्याप्त शिक्षक, नए और सुरक्षित भवन, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, डिजिटल शिक्षण व्यवस्था, पेयजल, शौचालय और विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही विज्ञान, वाणिज्य और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया भी आगे बढ़नी चाहिए।

योजना में विद्यार्थियों और शिक्षकों की भागीदारी जरूरीः इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर शैक्षणिक मानकों, छात्र संख्या और क्षेत्र की जरूरतों के आधार पर स्पष्ट कार्ययोजना बनाना उपयोगी होगा। जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के सुझावों को भी विकास योजना में स्थान मिलना चाहिए। नियमित समीक्षा से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि स्वीकृत योजनाएं समय पर पूरी हों और उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग हो। इससे महाविद्यालय केवल डिग्री देने वाला केंद्र नहीं, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर देने वाला मजबूत शैक्षणिक संस्थान बन सकेगा।

अब इंतजार नहीं, ठोस पहल की जरूरतः मधेपुरा ने राज्य को राजनीतिक और शैक्षणिक नेतृत्व देने वाले अनेक व्यक्तित्व दिए हैं। इसलिए जिले की उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना आने वाली पीढ़ियों में निवेश है। हरिहर साह महाविद्यालय को उसकी ऐतिहासिक भूमिका के अनुरूप आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए, ताकि उदाकिशुनगंज और आसपास के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के लिए दूर न जाना पड़े।

तकनीक, अर्थव्यवस्था और समाज



आमिर अनस, प्रबन्धक, सीएमपीडीआई (एक मिनी रत्न कंपनी)

किसी बच्चे का सवाल समझने वाला AI, डॉक्टरों के लिए रोग पहचानने में मददगार सॉफ्टवेयर या नई दवा खोजने वाले कंप्यूटर—इन सबके पीछे एक ऐसी मशीनरी काम करती है जिसे आम लोग शायद ही देखते हों। इस मशीनरी को शक्ति देने वाली चिपों ने अमेरिकी कंपनी एनवीडिया को दुनिया के तकनीकी कारोबार के केंद्र में पहुंचा दिया। लेकिन 12 नवंबर 2026 की सुबह तक जो खबरें सामने आईं, उन्होंने एक असहज सवाल खड़ा कर दिया है। जिस कंपनी ने भविष्य की कंप्यूटिंग को नया रास्ता दिखाया, क्या उसका भविष्य बहुत अधिक एक व्यक्ति पर निर्भर हो गया है? 11 नवंबर को समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने एक जानकार सूत्र के हवाले से बताया कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने अपने सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनसन हुआंग को पद पर बनाए रखने या हटाने के प्रश्न पर बैठक की। एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में संभावित बदलाव की तैयारियों की बात कही गई। इन खबरों के बाद कंपनी के शेयरों में कारोबार के नियमित समय के बाहर आठ प्रतिशत से अधिक तक गिरावट दर्ज हुई। इस लेख के लिखे जाने तक हुआंग को हटाए जाने की कोई आधिकारिक घोषणा सामने नहीं आई थी। यह फर्क जरूरी है—क्योंकि बोर्ड में चर्चा की खबर और पद से हटाए जाने का अंतिम निर्णय एक बात नहीं हैं।

गेमिंग की चिप से दुनिया के AI केंद्र तकः वर्ष 1993 में जेनसन हुआंग ने क्रिस मालाकोव्स्की और कर्टिस प्रीम के साथ एनवीडिया की स्थापना की थी। शुरुआत कंप्यूटर गेम की तस्वीरों और ग्राफिक्स को बेहतर बनाने से हुई। कंपनी ने 1999 में ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट, यानी GPU, को लोकप्रिय बनाने में भूमिका निभाई। फिर एक महत्वपूर्ण बात समझ में आई—जो चिप लाखों चित्र तेजी से बना सकती है, वह वैज्ञानिक और गणितीय गणनाएं भी एक साथ कर सकती है। 2006 में CUDA नाम की सॉफ्टवेयर प्रणाली ने शोधकर्ताओं को इन चिपों का उपयोग अपेक्षाकृत आसान बना दिया। AI के उभार के समय यही तकनीकी तैयारी एनवीडिया की सबसे बड़ी ताकत बनी। आज कंपनी केवल चिप नहीं बेचती। वह शक्तिशाली सर्वर, नेटवर्किंग उपकरण और सॉफ्टवेयर का पूरा ढांचा विकसित करती है। 26 अगस्त 2026 को घोषित आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में समाप्त तिमाही में एनवीडिया ने 96.2 अरब डॉलर की आय दर्ज की—एक वर्ष पहले की तुलना में 106 प्रतिशत अधिक। इसमें अकेले डेटा सेंटर कारोबार की आय 89 अरब डॉलर थी। अगली तिमाही के लिए कंपनी ने लगभग 108 अरब डॉलर का अनुमान दिया था, लेकिन वह वास्तविक परिणाम नहीं है। अगली वित्तीय रिपोर्ट 17 नवंबर को निर्धारित है। अक्टूबर के अंत में एनवीडिया और ऑरेकल ने Vera Rubin प्रणाली के विस्तार की घोषणा की। इसका लक्ष्य अत्यधिक शक्तिशाली AI तैयार करना और बड़ी संख्या में उपयोगकर्ताओं के लिए उसे तेजी से चलाना है। यह बताता है कि एनवीडिया की तकनीकी महत्वाकांक्षा किसी एक उत्पाद तक सीमित नहीं है। हालांकि बड़े उपकरण, ऊंची मांग और बढ़ती आय यह सिद्ध नहीं करते कि हर AI परियोजना लंबे समय तक आर्थिक रूप से लाभदायक ही होगी।

कुछ दिनों में बदल गई नेतृत्व की तस्वीरः 8 नवंबर को एनवीडिया के निदेशक मंडल ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि जेनसन हुआंग के कथित रूप से विदेशी खुफिया गतिविधि का लक्ष्य बनने से संबंधित रिपोर्टों के बाद स्व

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में SIR के तहत फॉर्म-6 के 9.35 लाख आवेदन डिजिटाइज, फॉर्म-7 की संख्या बढ़कर 99,727 हुई

» 30 नवंबर को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची, 11 नवंबर को फॉर्म-6 के 2,410 और फॉर्म-7 के 206 आवेदन हुए डिजिटाइज

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत दावा एवं आपत्ति अवधि में प्राप्त आवेदनों के डिजिटाइजेशन का कार्य जारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से 12 नवंबर को जारी बुलेटिन के अनुसार, 10 नवंबर तक फॉर्म-6 के माध्यम से प्राप्त कुल 9,35,370 आवेदनों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। वहीं, 11 नवंबर को फॉर्म-6 के 2,410 आवेदन डिजिटाइज किए गए। बुलेटिन के अनुसार, फॉर्म-6A के तहत अब तक कुल 128 आवेदन डिजिटाइज किए गए हैं। फॉर्म-7 के माध्यम से प्राप्त आवेदनों एवं आपत्तियों की संख्या 99,727 पहुंच गई है। 11 नवंबर को इस श्रेणी में 206 आवेदन डिजिटाइज किए गए। इसी तरह फॉर्म-8 के तहत कुल 5,78,847 आवेदन डिजिटाइज किए जा चुके हैं। 11 नवंबर को फॉर्म-8 के 206 आवेदन डिजिटाइज हुए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार, झारखंड में अंतिम मतदाता सूची (फाइनल रोल) का प्रकाशन 30 नवंबर 2026 को किया जाएगा। इसके पहले प्राप्त दावों एवं आपत्तियों से संबंधित आवेदनों के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया जारी रहेगी।

एसआईआर पर चौपाल लगाकर भ्रम फैला रही कांग्रेस : अमर कुमार बाउरी

» कहा- घुसपैठियों को बचाने की राजनीति छोड़ संवैधानिक प्रक्रिया का सम्मान करे कांग्रेस

रांची। भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने एसआईआर को लेकर कांग्रेस द्वारा आयोजित की जा रही चौपालों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चौपाल के नाम पर जनता के बीच भ्रम फैलाना बंद करे। कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि वह इन चौपालों के माध्यम से क्या संदेश देना चाहती है और क्या उसकी मंशा घुसपैठियों को भी मतदाता सूची में बनाए रखने की है। अमर कुमार बाउरी ने कहा कि यदि किसी पात्र भारतीय मतदाता का नाम सूची से छूटा है तो कांग्रेस को तथ्यों और प्रमाणों के साथ चुनाव आयोग के समक्ष आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। इसके लिए संवैधानिक व्यवस्था मौजूद है। केवल चौपाल लगाकर राजनीतिक नाटक करना और जनता को गुमराह करना उचित नहीं है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन संवैधानिक प्रक्रिया को लेकर बेबुनियाद भ्रम फैलाना गलत है। उन्होंने कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है। कांग्रेस के शासनकाल में दस बार और भाजपा के कार्यकाल में दो बार यह प्रक्रिया अपनाई गई है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और अद्यतन बनाना है। ऐसे में कांग्रेस का इस प्रक्रिया पर सवाल उठाना उसकी दोहरी राजनीति को उजागर करता है। बाउरी ने कहा कि कांग्रेस एक ओर संविधान और कानून के सम्मान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की प्रक्रिया पर सवाल खड़े करती है। यदि उसे किसी तरह की गड़बड़ी नजर आती है तो उसे प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए, न कि राजनीतिक प्रपंच के जरिए संवैधानिक प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार प्रगति कर रहा है और भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं वैश्विक प्रतिष्ठा मजबूत हो रही है। कांग्रेस को जनता को गुमराह करने के बजाय यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह वास्तविक मतदाताओं के अधिकारों के साथ खड़ी है या घुसपैठियों को मतदाता सूची में बनाए रखने की राजनीति कर रही है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष से मुलाकात नहीं करना संवैधानिक संस्थाओं का अपमान : संदीप वर्मा

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संदीप वर्मा ने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर के झारखंड दौरे के दौरान मुख्यमंत्री, डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उनसे मुलाकात नहीं किए जाने पर राज्य सरकार की आलोचना की है। उन्होंने इसे संवैधानिक संस्थाओं का अपमान बताते हुए कहा कि झारखंड सरकार स्वयं को संविधान से ऊपर समझने लगी है। संदीप वर्मा ने कहा कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ लगातार गंभीर घटनाएं हो रही हैं। आदिवासी समाज की आवाज उठाने वाली निशा भगत, रूपा तिर्की और संध्या टोपनो से जुड़े मामले सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हैं। हाल ही में हजारीबाग में नौ वर्षीय बच्ची के साथ हुई घटना भी बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि महिलाओं से जुड़ी इतनी गंभीर घटनाओं के बावजूद राज्य में अब तक महिला आयोग और मानवाधिकार आयोग का गठन नहीं किया गया है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष के दौरे के दौरान स्थानीय उपायुक्त और एसपी के साथ मुख्यमंत्री एवं डीजीपी का उनसे मुलाकात नहीं करना सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि निशा भगत मामले में विपक्ष के दबाव में सीबीआई जांच की अनुशंसा कर सरकार अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में संवेदनशील होती तो मुख्यमंत्री या उनके मंत्री पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका दुख-दर्द साझा करते। संदीप वर्मा ने राज्य सरकार से महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष के प्रति अपने व्यवहार पर स्पष्टीकरण देने और जनता से माफी मांगने की मांग की। साथ ही उन्होंने झारखंड में अविलंब महिला आयोग और मानवाधिकार आयोग का गठन करने की भी मांग की, ताकि लोगों को न्याय के लिए भटकना न पड़े।

कांग्रेस की चौपालों से भाजपा घबराई, घुसपैठियों का मुद्दा उठाकर असली सवालों से भाग रही : राकेश सिन्हा

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस की चौपालों से भाजपा नेताओं की घबराहट साफ दिखाई देने लगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा घुसपैठियों का मुद्दा उठाकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े वास्तविक सवालों से बचने की कोशिश कर रही है। सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस घुसपैठियों का नहीं, बल्कि देश के वास्तविक नागरिकों के मताधिकार की रक्षा की लड़ाई लड़ रही है। भाजपा बताए कि लाखों पात्र मतदाताओं के नाम कटने की आशंका पर उसकी चुप्पी क्यों है। गरीब, मजदूर, आदिवासी, दलित और अल्पसंख्यक परिवारों को अपने मताधिकार की चिंता करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि एसआईआर के दौरान यदि किसी पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से हटता है तो इसकी जवाबदेही किसकी होगी? चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाना लोकतंत्र को बदनाम करना नहीं, बल्कि उसे जवाबदेह बनाने का प्रयास है। भाजपा को हर सवाल का जवाब घुसपैठियों का डर दिखाकर देने की आदत छोड़नी चाहिए।

18 नवंबर को झारखंड के सभी मतदान केंद्रों पर लगेगा 'एक और अवसर' कैंप

नई सोच एक्सप्रेस



» पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए राजनीतिक दलों से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील

रांची। झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में नाम शामिल कराने से छूटे पात्र नागरिकों को एक और मौका दिया जाएगा। इसके लिए आगामी 18 नवंबर को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक 'एक और अवसर' कैंप आयोजित किया जाएगा। इस दौरान बीएलओ-बीएलए-2 की छठी एवं अंतिम बैठक के साथ चुनाव पाठशाला का भी आयोजन होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने गुरुवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर एसआईआर की अद्यतन स्थिति, प्राप्त शिकायतों और उनके निष्पादन की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि इस विशेष कैंप का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि कैंप में तीन प्रमुख बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पहले, निर्वाचन आयोग की ओर से एएसडीडी (ASDD) सूची सभी मतदान केंद्रों पर पुनः प्रकाशित की जाएगी। इस सूची में शामिल पात्र नागरिक निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 अथवा इन्यूमरेशन फॉर्म जमा कर सकेंगे। दूसरे, एसआईआर के दौरान नो मैपिंग, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी और अन्य मामलों में नोटिस एवं घर-घर सत्यापन के बावजूद दस्तावेज जमा नहीं करने वाले मतदाताओं की सूची मतदान केंद्रों पर उपलब्ध रहेगी। वहीं, तीसरे बिंदु के तहत एक अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके, लेकिन मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं करा सके पात्र नागरिकों से फॉर्म-6 प्राप्त कर नाम जोड़ने की कार्रवाई की जाएगी। के. रवि कुमार ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अपने बीएलए-2 की उपस्थिति सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से ऐसे पात्र नागरिकों की सूची तैयार कराएं, जिनका नाम अब तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका है। यह सूची 18 नवंबर की बैठक में बीएलओ को उपलब्ध कराने के साथ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के व्हाट्सऐप नंबर 6200079297 पर भी भेजी जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची एक महत्वपूर्ण स्थायी दस्तावेज है। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि कोई पात्र भारतीय नागरिक इससे वंचित न रहे और कोई अपात्र अथवा विदेशी व्यक्ति इसमें शामिल न हो। इस कार्य में राजनीतिक दलों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, राज्य ट्रेनिंग नोडल पदाधिकारी देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एसआईआर में छूटे मतदाताओं को 18 नवंबर को फिर मिलेगा गणना प्रपत्र भरने का अवसर : कांग्रेस



नई सोच एक्सप्रेस

» कांग्रेस ने लंबित मामलों के त्वरित और पारदर्शी निष्पादन की मांग की, पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की अपील

रांची। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस की ओर से महासचिव सूर्यकान्त शुक्ला और महासचिव सह मीडिया संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने बताया कि पार्टी के निरंतर प्रयासों के बाद निर्वाचन आयोग ने एसआईआर की निर्धारित समय-सीमा आगे बढ़ाई है। आयोग के निर्देशानुसार 18 नवंबर 2026 को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ और राजनीतिक दलों के बीएलए-2 की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। इस दौरान एएसडीडी सूची में शामिल होने के कारण जिन मतदाताओं के नाम छूट गए हैं, उन्हें दोबारा गणना प्रपत्र भरने का अवसर मिलेगा।

ग्राम सभा को मजबूत बनाएं, पांचवीं अनुसूची के अधिकारों के प्रति जागरूक हों ग्रामीण : कालीचरण मुंडा

नई सोच एक्सप्रेस



» अड़की के चलकद गांव में आयोजित महाग्राम सभा में शामिल हुए खूंटी सांसद

खूंटी। खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा गुरुवार को अड़की प्रखंड के चलकद गांव में दक्षिण अड़की के हातु मुंडाओं द्वारा आयोजित महाग्राम सभा में शामिल हुए। सभा की अध्यक्षता अब्राहम सोय ने की। सांसद के पहुंचने पर ग्रामीणों ने उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। महाग्राम सभा को संबोधित करते हुए सांसद कालीचरण मुंडा ने ग्राम सभा को सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने पांचवीं अनुसूची क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा को प्राप्त संवैधानिक अधिकारों और शक्तियों की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा को मजबूत बनाकर ही स्थानीय स्तर पर जनहित से जुड़े मुद्दों का प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सकता है। इस दौरान सांसद ने ग्रामीणों से क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने प्रशासन के रवैये और क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। सांसद ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर जल्द आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। महाग्राम सभा में जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता नईमुद्दीन खान, विल्सन तोपनो, अड़की सांसद प्रतिनिधि प्रकाश मुंडा, जोहन मुंडा, मोगो मुंडा, काली सोय, जागराय मुंडा, पौलुस हेमरोम, लक्ष्मण टुटी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उलिहातू से कल निकलेगी भाजपा की तीन दिवसीय जनजातीय गौरव पदयात्रा

नई सोच एक्सप्रेस

» सुखराम मुंडा पारंपरिक झंडा दिखाकर करेंगे शुभारंभ, बिरसा मुंडा का रथ और प्रतिमा रहेंगे आकर्षण का केंद्र

रांची। राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की ओर से आयोजित तीन दिवसीय पदयात्रा का भव्य शुभारंभ 13 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू से होगा। भगवान बिरसा मुंडा के वंशज सुखराम मुंडा पारंपरिक झंडा दिखाकर पदयात्रा को रवाना करेंगे। पदयात्रा की शुरुआत से पहले उलिहातू में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस दौरान उनके वंशजों को सम्मानित भी किया जाएगा। पदयात्रा का मुख्य आकर्षण भगवान बिरसा मुंडा का भव्य रथ और उस पर स्थापित उनकी प्रतिमा होगी। कार्यक्रम में पद्मभूषण कड़िया मुंडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा, एसटी मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव, प्रदेश अध्यक्ष सन्नी टोप्पो सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। उलिहातू से शुरू होकर पदयात्रा लगभग 28 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए खूंटी स्थित भाजपा जिला कार्यालय पहुंचेगी, जहां पहले दिन की यात्रा का समापन होगा। इसके बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पदयात्रा आगे बढ़ेगी। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की ओर से आयोजित इस पदयात्रा का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और विचारों के साथ जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाना है।

झारखंड में SIR के तहत नो मैपिंग के 56.41%, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के 79.63% मामलों का निष्पादन

नई सोच एक्सप्रेस

» कम प्रगति वाले जिलों को लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश, अन्य श्रेणी में 98.67 प्रतिशत काम पूरा

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत नो मैपिंग, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी और अन्य श्रेणी के मामलों के निष्पादन में तेजी आई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से 12 नवंबर 2026 तक जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में नो मैपिंग श्रेणी के 56.41 प्रतिशत, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के 79.63 प्रतिशत और अन्य श्रेणी के 98.67 प्रतिशत मामलों का निष्पादन किया जा चुका है। आंकड़ों के मुताबिक, नो मैपिंग के कुल 14,04,033 मामलों में से 7,91,959 का निष्पादन हुआ है। वहीं, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के 45,49,961 मामलों में से 36,23,189 मामलों का निपटारा किया गया है। अन्य श्रेणी के कुल 1,61,65,853 मामलों में से 1,59,50,081 मामलों का निष्पादन हो चुका है। जिलावार प्रदर्शन की बात करें तो नो मैपिंग श्रेणी में पश्चिमी सिंहभूम 99.97 प्रतिशत निष्पादन के साथ सबसे आगे है। इसके बाद लोहरदगा 98.54 प्रतिशत, देवघर 86.36 प्रतिशत, रामगढ़ 68.08 प्रतिशत और धनबाद 67.73 प्रतिशत के साथ बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों में शामिल हैं। दूसरी ओर, साहिबगंज में 35.26 प्रतिशत, पलामू में 36.05 प्रतिशत, जामताड़ा में 37.81 प्रतिशत, पाकुड़ में 43.05 प्रतिशत और गिरिडीह में 46.59 प्रतिशत मामलों का ही निष्पादन हुआ है। लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी श्रेणी में पश्चिमी सिंहभूम ने 100 प्रतिशत मामलों का निष्पादन कर लिया है। लोहरदगा 99.99 प्रतिशत, गुमला 93.32 प्रतिशत, खूंटी 91.56 प्रतिशत और कोडरमा 91.04 प्रतिशत के साथ आगे हैं। वहीं, पलामू में 61.45 प्रतिशत, साहिबगंज में 63.47 प्रतिशत, पाकुड़ में 64.96 प्रतिशत, सरायकेला-खरसावां में 68.18 प्रतिशत और जामताड़ा में 70.65 प्रतिशत मामलों का निष्पादन हुआ है। अन्य श्रेणी में सिमडेगा और लोहरदगा ने शत-प्रतिशत मामलों का निष्पादन कर लिया है। खूंटी में 99.98 प्रतिशत, पश्चिमी सिंहभूम में 99.93 प्रतिशत, देवघर में 99.91 प्रतिशत और गढ़वा में 99.88 प्रतिशत मामलों का निपटारा किया जा चुका है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिलों को लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जिलावार प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है। विशेष रूप से कम प्रगति वाले जिलों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर लंबित मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करना होगा। मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, त्रुटिरहित और समावेशी बनाने के लिए इस पूरी प्रक्रिया की लगातार निगरानी की जा रही है। इस बीच, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी श्रेणी में पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में 15 लंबित मामलों की संख्या ऋणात्मक (माइनस) प्रदर्शित हो रही है। निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, संबंधित मतदाताओं के दूसरे विधानसभा क्षेत्रों में स्थानांतरित होने के कारण ऐसा हुआ है।

सोनिया गांधी की किताब से भाजपा-आरएसएस का वैचारिक पाखंड उजागर : विजय शंकर नायक

नई सोच एक्सप्रेस



रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी की पुस्तक 'Belonging: A Journey of Love' पर भाजपा नेताओं की बयानबाजी को राजनीतिक बौखलाहट करार दिया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक में आरएसएस की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति पर उठाए गए सवालों से भाजपा असहज है। यही वजह है कि तथ्यों और तर्कों से जवाब देने के बजाय भाजपा नेता झूठ और दुष्प्रचार का सहारा ले रहे हैं। नायक ने कहा कि भाजपा प्रवक्ता सीआर केशवन को सोनिया गांधी की किताब में इतिहास की गलतियां नजर आती हैं, लेकिन 2002 के गुजरात दंगों, बाबरी मस्जिद विध्वंस और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता से जुड़े सवालों पर भाजपा चुप्पी साध लेती है। आपातकाल का हवाला देने वाली भाजपा को पहले अपने शासन और इतिहास का आकलन करना चाहिए।

सोकी पैक्स चुनाव में सुधीर मेहता की शानदार जीत, ग्रामीणों में खुशी की लहर

नई सोच एक्सप्रेस



मयूरहंड (चतरा)। सोकी पैक्स अध्यक्ष पद के चुनाव में सुधीर मेहता ने शानदार जीत दर्ज कर अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मथुरा मेहता को 90 मतों के अंतर से पराजित किया। चुनाव परिणाम घोषित होते ही सुधीर मेहता के समर्थकों और ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। जीत की खबर मिलते ही समर्थकों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों में भी चुनाव परिणाम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर की। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि सुधीर मेहता के नेतृत्व में सोकी पैक्स का संचालन बेहतर तरीके से होगा और किसानों को पैक्स से जुड़ी सुविधाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा। खासकर धान अधिप्राप्ति, खाद-बीज की उपलब्धता तथा किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर ग्रामीणों ने उनसे सकारात्मक पहल की उम्मीद जताई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष की जीत को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। वहीं, सुधीर मेहता की जीत से उनके समर्थकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

मयूरहंड पुलिस ने दो ज्वेलर्स दुकानदारों समेत तीन को किया गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

नई सोच एक्सप्रेस



» मां के इलाज के लिए रांची जाने का उठाया फायदा, बेटे ने घर से चुराए सोने-चांदी के जेवरात

मयूरहंड (चतरा)। मयूरहंड पुलिस ने चोरी के जेवरात खरीदने के आरोप में दो ज्वेलर्स दुकानदारों समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में चोरी करने वाला बेटा भी शामिल है। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में चतरा जेल भेज दिया है। मामला मयूरहंड थाना क्षेत्र के ग्राम ढोढ़ी का है। मयूरहंड थाना प्रभारी राहुल कुमार दुबे ने बताया कि पीड़िता की ओर से घर में चोरी होने की लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके आधार पर मयूरहंड थाना कांड संख्या 72/2026, दिनांक 11 नवंबर 2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305/316(2)/3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।पीड़िता ने अपने लिखित आवेदन में बताया कि वह अपनी मां का इलाज कराने रांची गई हुई थी। इसी दौरान घर में रखे बक्से से सोने और चांदी के जेवरात चोरी कर लिए गए। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए पीड़िता के पुत्र शक्ति सिंह से पूछताछ की। पूछताछ में उसने कथित तौर पर अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि घर से चोरी किए गए सोने-चांदी के कुछ जेवरात उसने करमा चौक स्थित विजय सोनी की जेवर दुकान में बेचे थे। वहीं, कुछ जेवरात इटखोरी चौक स्थित दिलीप कुमार की दुकान आशा ज्वेलर्स में बेचे थे। **दुकानदारों ने जेवर गलाकर बनाया दिए थे नए आभूषण:** पुलिस के मुताबिक, शक्ति सिंह से मिली जानकारी के आधार पर बुधवार को करमा चौक स्थित दुकानदार विजय सोनी और इटखोरी चौक स्थित आशा ज्वेलर्स के संचालक दिलीप कुमार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान दोनों दुकानदारों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उन्होंने शक्ति सिंह से चोरी के सोने-चांदी के जेवरात खरीदे थे। पुलिस के अनुसार, खरीदे गए जेवरात को दोनों दुकानदारों ने गलाकर नए आभूषण तैयार कर दिए थे। विजय सोनी ने सोने को गलाकर एक लॉकेट बनाया था, जबकि दिलीप कुमार ने चांदी को गलाकर दो जोड़ी पायल तैयार की थी। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर एक लॉकेट और दो जोड़ी पायल बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में शक्ति सिंह, विजय सोनी और दिलीप कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में चतरा जेल भेज दिया है। इस छापेमारी में थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक समेत दल में शस्त्र बल के जवान शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

18 नवंबर को होगी झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक

रांची। झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक आगामी 18 नवंबर (बुधवार) को अपराह्न 3 बजे आयोजित होगी। बैठक झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन), रांची स्थित मंत्रिपरिषद् कक्ष में होगी। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) की ओर से इस संबंध में सूचना जारी की गई है। बैठक में राज्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और निर्णय लिए जाने की संभावना है।

ग्राम सभा की मजबूती से ही पांचवीं अनुसूची के अधिकारों की होगी रक्षाः सांसद

खूंटी। सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि ग्राम सभा की मजबूती से ही पांचवीं अनुसूची के अधिकारों की रक्षा होगी। सांसद गुरुवार को चलकद में दक्षिण अड़की के हातु मुंडाओं की महाग्राम सभा में को सम्बोधित कर रहे थे। ग्राम सभा की अध्यक्षता अब्राहम सोय ने की। इस दौरान सांसद ने ग्राम सभा की संवैधानिक शक्तियों व अधिकारों पर विस्तार से चर्चा करते हुए इसे मजबूत बनाने पर जोर दिया। सांसद ने कहा कि पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में ग्राम सभा को विशेष संवैधानिक अधिकार व शक्तियां प्राप्त हैं। इन अधिकारों की जानकारी प्रत्येक ग्रामीण को होनी चाहिए, ताकि वे अपने जल, जंगल, जमीन व स्थानीय संसाधनों की रक्षा के साथ-साथ गांव के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें। उन्होंने ग्रामीणों से अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने व ग्राम सभा को सशक्त बनाने की अपील की। महाग्राम सभा के दौरान सांसद ने ग्रामीणों से क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की जानकारी भी ली। इस क्रम में ग्राम सभा के सदस्यों ने प्रशासन के रवैये व क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को सांसद के समक्ष रखा। सांसद ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वे जल्द ही संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर समस्याओं के समाधान की दिशा में आवश्यक पहल करेंगे। मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता नईमुद्दीन खान, विल्सन तोपनो, अड़की सांसद प्रतिनिधि प्रकाश मुंडा, जोहन मुंडा, मोगो मुंडा, काली सोय, जागराय मुंडा, पौलुस हेमरोम, लक्ष्मण टुटी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

छठ पर्व को लेकर प्रशासन अलर्ट, नागफेनी छठ घाट का एसडीओ व एसडीपीओ ने किया संयुक्त निरीक्षण

गुमला। आगामी छठ महापर्व के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा व विधि-व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। डीसी दिलेश्वर महतो के निर्देश के आलोक में गुरुवार को एसडीओ अखिलेश कुमार व गुमला के एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से नागफेनी छठ घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने छठ घाट पर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, रोशनी, पहुंच पथ सहित श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही घाट पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन से संबंधित आवश्यक पहलुओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने संबंधित पदाधिकारियों को छठ पर्व के मद्देनजर घाट पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते दुरुस्त करने व श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। जिला प्रशासन की ओर से छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित व सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं।

झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का डीसी ने किया उद्घाटन

लातेहार। झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में गुरुवार को लातेहार बाईपास रोड स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन डीसी संदीप कुमार ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्द्धन करते हुये रक्तदान को मानवता की सेवा का एक महत्वपूर्ण कार्य बताया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है। रक्तदान शिविर में सिविल सर्जन सहित अन्य रक्तदाता उपस्थित रहे। शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुये रक्तदान किया। झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से आमजनों को सामाजिक सरोकारों से जुड़ने व जनहित के कार्यों में सहभागिता के लिये भी प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. राज मोहन खलखो सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, कर्मी व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कक्षा के फर्श पर बना शब्दों का खजाना, खेल-खेल में हिंदी सीख रहे बच्चे

पटना। बच्चों को हिंदी सिखाने का एक अनूठा तरीका अपनाया गया है। राजधानी के प्राथमिक विद्यालय बसनपट्टी में बच्चों को हिंदी सिखाने का एक अनूठा तरीका अपनाया गया है। यहां कक्षा तीन के विद्यार्थी किताबों के पन्नों के बजाय कक्षा के फर्श पर लिखे अक्षरों के सहारे नए शब्द बनाना सीख रहे हैं। खेल-खेल में पढ़ाई की यह गतिविधि बच्चों के लिए सीखने का रोचक माध्यम बन गई है।इस विद्यालय में शिक्षा विभाग की गतिविधि के तहत यह प्रयोग किया जा रहा है। इसके लिए कक्षा के फर्श पर बड़े-बड़े खानों में अलग-अलग अक्षर लिखे गए हैं। शिक्षक बच्चों को कोई अक्षर या शब्द खोजने के लिए कहते हैं। इसके बाद बच्चे संबंधित खाने तक उछलकर पहुंचते हैं और अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाते हैं। मसलन, शिक्षक जब 'माला' शब्द खोजने के लिए कहते हैं, तो बच्चा 'मा' और 'ला' लिखे खानों को पहचानकर उन तक पहुंचता है। इस तरह वह अक्षरों की पहचान करने के साथ ही उन्हें जोड़कर शब्द बनाना भी सीखता है। गतिविधि में शामिल अन्य बच्चे तालियां बजाकर अपने साथियों का उत्साह बढ़ाते हैं।इस पद्धति की खास बात यह है कि बच्चों को सीखने के लिए केवल किताबों और लिखित अभ्यास पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। वे खुद अक्षरों को पहचानते हैं, शब्द बनाते हैं और उनका उच्चारण करते हैं। इससे पढ़ाई में उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़ती है और सीखने की प्रक्रिया बोझिल होने के बजाय मनोरंजक बन जाती है।विद्यालय की यह पहल बताती है कि प्राथमिक शिक्षा में रचनात्मक गतिविधियों की अहम भूमिका हो सकती है। शिक्षक यदि बच्चों की उम्र और सीखने के स्तर के अनुरूप तरीके अपनाएं, तो भाषा की बुनियादी समझ को मजबूत करना आसान हो सकता है। फर्श पर बने अक्षरों के खानों के जरिए बच्चे हिंदी सीखने के साथ स्कूल की गतिविधियों में भी उत्साह से भाग ले रहे हैं।

जिला के सभी थानों को वितरित किए गए ब्रेथ एनालाइजर, थाना प्रभारियों को दिया गया प्रशिक्षण

लोहरदगा। जिला परिवहन पदाधिकारी की अध्यक्षता में लोहरदगा जिले के सभी थाना प्रभारियों के लिए ब्रेथ एनालाइजर मशीन के संचालन व उपयोग को लेकर गुरूवार को प्रशिक्षण आयोजित किया गया। बैठक में डीटीओ जया शंखी मुर्मू ने बताया कि सड़क सुरक्षा व नशे में वाहन चलाने वालों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से प्राप्त ब्रेथ एनालाइजर मशीनों का जिले के सभी थानों में वितरण किया जाना है।

चैनपुर में 12.48 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस



पलामू। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के मंगरदाहा घाटी में बुधवार शाम वाहन जांच व घेराबंदी के दौरान 12.48 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ लेस्लीगंज के दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। दोनों युवक गढवा की ओर से आ रहे थे। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उनकी पहचान लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कुंदरी निवासी सुनित कुमार सिंह (22) व करन कुमार (20) के रूप में हुई है। एसडीपीओ सदर राजेश यादव ने गुरूवार को प्रेस रीलिज जारी कर यह जानकारी दी। एसडीपीओ के अनुसार बुधवार संध्या गश्ती के दौरान पुलिस अवर निरीक्षक शिवनाथ रंजन को गुप्त सूचना मिली कि गढ़वा की ओर से दो युवक नीले रंग की बाइक (जेएच03एडी5535) पर मादक पदार्थ लेकर चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर चौक की ओर आ रहे हैं। सूचना के अलोक में मंगरदाहा घाटी में वाहन जांच एवं घेराबंदी की गई। इसी दौरान गढ़वा की ओर से आ रही संदिग्ध बाइक को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन उस पर सवार दोनों युवक भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को पकड़ लिया। पकड़े गए दोनों युवकों की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में अभियुक्त सुनित कुमार सिंह के जैकेट की जेब से प्लास्टिक सहित कुल 12.48 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। तस्करी में प्रयुक्त बाइक व दो मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। कार्रवाई टीम में चैनपुर थाना प्रभारी लालजी, पुअनि. शिवनाथ रंजन, राम कुमार उपाध्याय, सअनि. सिंगराय हेम्ब्रम जवान शामिल थे। एसडीपीओ ने कहा है कि आम लोगों को मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री एवं तस्करी से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल पुलिस को देना चाहिए। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध पलामू पुलिस की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

छठ पर्व पर खाकी का मानवीय चेहरा, घोरीघाट में पुलिस-पब्लिक ने पेश की मिसाल

नई सोच एक्सप्रेस



प्रतापपुर/चतरा। छठ महापर्व पर घोरीघाट में पुलिस व जनता के बीच आपसी विश्वास, सहयोग व सामाजिक समरसता की एक अनूठी मिसाल देखने को मिली। घोरीघाट पिकेट प्रभारी मोहन तिर्की के नेतृत्व में गुरुवार को पुलिस जवानों ने बाजार क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर श्रमदान किया। अभियान में स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं व व्रतियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाए गए इस अभियान में पुलिसकर्मियों ने स्वयं सड़क पर उतरकर साफ-सफाई की। पुलिस की इस सामाजिक पहल ने स्थानीय लोगों का दिल जीत लिया व जनसहभागिता के प्रति सकारात्मक उत्साह देखने को मिला। अभियान में सूबेदार बालेश्वर उरांव, हवलदार देगलाल राम, मुकेश कुमार सिंह, अमरेश कुमार, रमेश कुमार, अरुण कुमार, अविनाश कुमार व चौकीदार सौरभ कुमार ने सक्रिय योगदान दिया। वहीं स्थानीय लोगों में सुरेंद्र कुमार यादव व संतोष कुमार पासवान ने भी श्रमदान कर अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया। **अपराधियों के लिए सख्त, जनता के लिए संवेदनशीलः** घोरीघाट पिकेट प्रभारी मोहन तिर्की अपनी कार्यशैली व जनसंपर्क के लिए क्षेत्र में चर्चित हैं। असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाने के साथ-साथ आम जनता के बीच सहयोग, विश्वास व अपनत्व का वातावरण बनाए रखना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण पक्ष है। छठ पर्व पर उनकी अगुवाई में हुआ यह अभियान पुलिस के मानवीय व जनसेवी स्वरूप को उजागर करता है। **अन्य पुलिस इकाइयों के लिए प्रेरणादायक पहलः** घोरीघाट का यह अभियान संदेश देता है कि पुलिस की भूमिका केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी उसकी महत्वपूर्ण भागीदारी है। जब पुलिस व जनता एक साथ किसी सकारात्मक उद्देश्य के लिए आगे बढ़ते हैं, तो विश्वास व सहयोग की मजबूत नींव तैयार होती है।

सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस



खूंटी। तोरपा प्रखंड के जापुद गांव तक सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया से मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीणों ने गांव की विभिन्न समस्याओं से विधायक को अवगत कराते हुए सड़क निर्माण को अपनी प्रमुख मांग बताया। ग्रामीणों ने कहा कि गांव तक पक्की सड़क नहीं होने के कारण उन्हें आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य व अन्य जरूरी कार्यों के लिए आने-जाने में कठिनाई होती है। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि सड़क किसी भी गांव के विकास की बुनियादी जरूरत है। बेहतर सड़क सुविधा मिलने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व अन्य आवश्यक सेवाओं का लाभ लेने में सहूलियत होगी। विधायक ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जापुद गांव की सड़क समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग के माध्यम से आवश्यक पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक विकास की रोशनी पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना उनकी जिम्मेदारी है। क्षेत्र का सर्वांगीण विकास व जनता की समस्याओं का समाधान उनका संकल्प है।

विशाल क्लब छठ पूजा समिति की अनूठी पहल, छठ व्रतियों को बाजार मूल्य से कम दर पर उपलब्ध कराएगी फल

नई सोच एक्सप्रेस



गुमला। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर विशाल क्लब छठ पूजा समिति की ओर से छठ व्रतियों की सुविधा के लिए विशेष पहल की जा रही है। समिति की ओर से 13 व 14 नवंबर को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पोदार धर्मशाला के सामने फल का विशेष स्टॉल लगाया जाएगा, जहां छठ व्रतियों को बाजार मूल्य व लागत मूल्य से भी कम दर पर फल उपलब्ध कराए जाएंगे। स्टॉल सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होगा। समिति के सदस्यों ने निर्णय लिया है कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ व्रतियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से उचित व रियायती दर पर फल उपलब्ध कराए जाएंगे। समिति की इस पहल का मुख्य उद्देश्य महापर्व के दौरान छठ व्रतियों को आवश्यक पूजन सामग्री व फल सुलभ दर पर उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही पूजा आयोजन में जनसहभागिता बढ़ाने व श्रद्धालुओं के बीच उत्साह का माहौल बनाने के लिए विशेष लॉटरी का भी आयोजन किया जाएगा। तालाब परिसर में होगी आकर्षक विद्युत सज्जा, स्थापित होगी भगवान भुवन भास्कर की प्रतिमा छठ महापर्व को भव्य व आकर्षक बनाने के लिए तालाब परिसर में विशेष विद्युत सज्जा की व्यवस्था की जाएगी। श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था को ध्यान में रखते हुए अखंड हरिकीर्तन का आयोजन भी किया जाएगा। इसके अलावा बैठक में भगवान भुवन भास्कर की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया गया, जिससे छठ घाट की सुंदरता व धार्मिक वातावरण व भी आकर्षक बनेगा। **समिति के सदस्यों को सौंपी गई जिम्मेदारियांः** छठ पूजा महोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए समिति द्वारा विभिन्न सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसमें अध्यक्ष विनोद विश्वकर्मा, सचिव अभिनंदन जायसवाल (लक्की), सह सचिव के रूप में हरजीत सिंह, सहित शंकर अग्रवाल, नितेश यादव व विवेक विश्वकर्मा सहित पंकज कुमार, निशांत, गोलू, प्रकाश भगत, श्याम किशोर जायसवाल, विकास व शुभंकर श्वेता,राहुल गुप्ता तनु, प्रणय कुमार, शुभंकर श्वेता, श्याम जायसवाल, दीपक कुमार गुप्ता, शंभू सिंह, मनीष कुमार केशरी, नितेश कुमार राय, विकास राज, सुनील यादव, रितेश कुमार, हरजीत सिंह, पंकज कुमार, संतोष कुमार सिंह, निशांत कुमार, रोहित कुमार ठाकुर, शंकर अग्रवाल, राहुल साहू, सनी विश्वकर्मा, विवेक विश्वकर्मा व राहुल रंजन गुप्ता महती भूमिका निभा रहे हैं।

छठ महापर्व को लेकर चला स्वच्छता अभियान, वार्ड समिति के सदस्यों ने किया श्रमदान

नई सोच एक्सप्रेस



खूंटी। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर खूंटी टोली स्थित तालाब में वार्ड समिति की ओर से गुरुवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। वार्ड पार्षद अनिल कच्छप की अध्यक्षता में आयोजित इस अभियान में वार्ड समिति के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने सामूहिक रूप से श्रमदान कर तालाब के घाटों की साफ-सफाई की व छठ व्रतियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घाटों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया। इस दौरान तालाब के आसपास फैली गंदगी की सफाई की गई, ताकि छठ महापर्व के दौरान व्रतियों व श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। वार्ड समिति के सदस्यों ने आपसी सहयोग से घाटों को पूजा के अनुकूल बनाने में अपना योगदान दिया। मौके पर वार्ड पार्षद अनिल कच्छप ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता व स्वच्छता का प्रतीक है। ऐसे में तालाब व छठ घाटों को साफ-सुथरा रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें व पर्व के दौरान भी घाटों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। स्वच्छता अभियान में सुरेंद्र सिंह, लालकमल लोहार, बालकिशुन महतो, बसंत राम, संतोष कुमार, बसंत महतो, कमलेश महतो एवं अनिरुद्ध कच्छप सहित वार्ड समिति के अन्य सदस्य एवं स्थानीय लोग शामिल थे।

अवैध शराब व अड्डेबाजी के खिलाफ सिमडेगा पुलिस का अभियान, कई सार्वजनिक स्थलों पर छापेमारी

नई सोच एक्सप्रेस



सिमडेगा। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने व असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सिमडेगा पुलिस की ओर से अवैध शराब के कारोबार व सार्वजनिक स्थानों पर अड्डेबाजी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी, गश्ती व विशेष निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में सिमडेगा थाना व पीसीआर गश्ती दल की ओर से डेली मार्केट, बाजार टांड़, केलाघाघ, अल्बर्ट एक्का स्टेडियम व अटल पार्क सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर छापेमारी की गई। अभियान के दौरान मौके पर मिली अवैध शराब को जब्त कर नियमानुसार नष्ट कर दिया गया। पुलिस की ओर से अवैध शराब का निर्माण, भंडारण व बिक्री करने वालों के साथ सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन व अड्डेबाजी करने वाले लोगों पर विशेष नजर रखी जा रही है। सिमडेगा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अवैध शराब के कारोबार, सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन व अन्य असामाजिक गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके।

झारखंड स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर डीसी व एसपी ने की समीक्षा बैठक, जिला व प्रखंड स्तर पर भव्य आयोजन सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस



गुमला। आगामी 15 नवंबर को झारखंड राज्य स्थापना दिवस व राज्य सरकार गठन की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर गुरूवार डीसी दिलेश्वर महतो व एसपी हारिस बिन जमा की संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में विशेष समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थापना दिवस समारोह के सफल व सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर विभिन्न विभागों के किए जाने वाले तैयारियों के संबंध में चर्चा की गई व संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि 15 नवंबर को नगर भवन, गुमला से पूर्वाह्न 7:00 बजे से 9:00 बजे तक छठ घाट तक मार्च पास्ट का आयोजन किए जाने की योजना है। वहीं, 17 नवंबर से 24 नवंबर तक विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत चित्रकला प्रतियोगिता के साथ-साथ विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। इन आयोजनों के माध्यम से जिले के युवाओं, विद्यार्थियों व खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार से प्राप्त निर्देशानुसार विभिन्न कार्यक्रम क्रमशः आयोजित किए जाएंगे, जिसके लिए अभी से तैयार रहने की बात कही गईं। डीसी ने कृषि, खेल व जेएसएलपीएस सहित संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि राज्य स्तरीय समारोह में भागीदारी हेतु जिले से चयनित किए जाने वाले योग्य लाभुकों, प्रगतिशील किसानों, महिला समूहों व खेल प्रतिभाओं की पहचान कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर सूची तैयार करें। डीसी ने कहा कि झारखंड स्थापना दिवस राज्य के गौरव, पहचान व समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इस अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी विभाग अपने-अपने स्तर से कार्यक्रमों की तैयारियां समय पर पूर्ण करें व आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि स्थापना दिवस के कार्यक्रम केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि प्रखंड स्तर पर भी विभिन्न गतिविधियों व कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए सभी एसडीओ व प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। डीसी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने व कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से एसपी गुमला हारिस बिन जमा, डीडीसी अनिमेष रंजन, अपर समाहर्ता राजीव नीरज, एसडीओ गुमला अखिलेश कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे। वहीं, सभी एसडीओ व प्रखंड विकास पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा को लेकर सिमडेगा में तैयारियां तेज, 15 से 27 नवंबर तक होंगे विविध कार्यक्रम

नई सोच एक्सप्रेस



सिमडेगा। झारखंड राज्य स्थापना दिवस-2026 को लेकर जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं। 15 से 27 नवंबर तक पंचायत, प्रखंड व जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसे लेकर डीसी कंचन सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय में जिला स्तरीय बैठक हुई। बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करते हुए संबंधित विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। पखवाड़ा की शुरूआत 15 नवंबर को 'रन फॉर क्लीनलिनेस' के फ्लैग ऑफ के साथ होगी। इसके बाद जिले के प्रमुख छठ घाटों व सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। अभियान में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों व आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी होगा। इनमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धरती आबा 50 बेड अस्पताल, सरना-मसना घेराबंदी, ग्रामीण सड़क निर्माण, जलमीनार व पलाश मॉल सहित अन्य योजनाएं शामिल हैं। 17 से 27 नवंबर तक विभिन्न विभागों की ओर से जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित होंगे। कृषि यंत्र, बीज व सोलर पंप वितरण, छात्रों के बीच साइकिल वितरण, स्वास्थ्य जांच, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के लाभुकों को चेक वितरण तथा नियुक्ति पत्र वितरण जैसे कार्यक्रम होंगे। वहीं 27 नवंबर को रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। पुलिस विभाग साइबर अपराध, नशामुक्ति व सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाएगा। पखवाड़ा के दौरान पंचायत, प्रखंड व जिला स्तर पर खेलकूद, नृत्य, संगीत, नाटक व निबंध प्रतियोगिताएं भी होंगी। चयनित प्रतिभागी 26 व 27 नवंबर को रांची के खेलगांव में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। वहीं 28 नवंबर को वर्तमान राज्य सरकार के दूसरे वर्षगांठ पर पखवाड़ा कार्यक्रम का भव्य समापन होगा। डीसी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय पर तैयारियां पूरी करने व कार्यक्रमों में आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे, डीडीसी दीपांकर चौधरी, अपर समाहर्ता गिरिजा शंकर महतो, परियोजना निदेशक आईटीडीए सरोज तिर्की, एसडीओ सुमंत तिर्की, सिविल सर्जन डॉ. सुंदर मोहन, एसडीपीओ धर्मदेव पासवान, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय बखला सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

शकील अहमद खान जैसे नेताओं के अदूरदर्शी बयानों के चलते ही आज कांग्रेस की ये दुर्दशा : राजीव

पटना। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कांग्रेस नेता शकील अहमद खान के बयान पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस पार्टी के ऐसे नेताओं के अदूरदर्शी बयानों के चलते ही पार्टी की देश भर में ऐसी दुर्दशा है और कांग्रेस राजनीतिक तौर पर रसातल में पहुंचती जा रही है। शकील अहमद खान द्वारा एक अखबार में छपे लेख में लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार एवं जदयू के अस्तित्व पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए फिर किसी पर ऐसे अनर्गल आरोप लगाने चाहिए। कांग्रेस पर व्यंग्य करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में कभी लगातार छह दशकों तक राज करने वाली पार्टी आज महज छह विधायकों पर सिमट गई है और वो छह विधायक भी कबतक पार्टी में रहेंगे ये भी निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता है। ऐसे में दूसरों पर सवाल उठाने से पहले शकील अहमद खान को पहले कांग्रेस की नीतियों पर आत्ममंथन करना चाहिए और उसे दुरुस्त करने का काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल के दौरान साल 1989 के भागलपुर दंगे को लोग आज तक नहीं भूले हैं। कांग्रेस की गलत नीतियों एवं कुशासन के चलते ही उस दंगे में सैंकड़ों निर्दोष लोगों की जानें गई जिन्हें पार्टी ने कभी न्याय दिलाने का काम नहीं किया। ये श्री नीतीश कुमार ही हैं जिन्होंने साल 2005 में बिहार का शासन संभालते ही भागलपुर दंगे के पीड़ितों के घावों पर मरहम लगाने एवं उनके आंसुओं को पोछने का काम किया। नीतीश कुमार की सरकार ने दंगे से पीड़ितों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी और इसके कसूरवारों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम किया। कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि साल 1990 से लेकर 2005 तक के 15 वर्षों के दौरान कांग्रेस पार्टी आरजेडी के साथ मिलकर बिहार की दुर्दशा की समान रुप से साझीदार है। इस दौरान राष्ट्रीय जनता दल के साथ सत्ता में साझीदार बनकर कांग्रेस ने बिहार की जनता से अन्याय करने काम किया और आरजेडी के कुशासन में समान रुप से अपनी सहभागिता निभाई।

जदयू पर सवाल उठाने से पहले अल्पसंख्यक समुदाय से माफी मांगे कांग्रेस : जदयू

पटना। जदयू मुख्यालय प्रभारी अंजुम आरा ने जारी बयान में कांग्रेस नेता शकील अहमद खान द्वारा एक अखबार में लिखे लेख को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता शकील अहमद खान के विचार कांग्रेस के मानसिक दिवालिएपन को दशार्ता है। कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने जिस स्तरहीन भाषा का इस्तेमाल करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर व्यक्तिगत राजनीति करने जैसे आरोप लगाए हैं, वह अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने शकील अहमद खान पर तंज कसते हुए कहा कि जिस पार्टी में एक परिवार की परिक्रमा करना ही योग्यता का सबसे बड़ा पैमाना हो, उसके नेता को जनता दल यूनाइटेड जैसे लोकतांत्रिक और संगठनात्मक रूप से मजबूत राजनीतिक दल पर उंगली उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्हें सबसे पहले बिहार के अल्पसंख्यक समाज को यह जवाब देना चाहिए कि आजादी के बाद दशकों तक शासन करने वाली कांग्रेस और उसके सहयोग से बिहार में 15 वर्षों तक सत्ता चलाने वाले राष्ट्रीय जनता दल ने अल्पसंख्यक समाज को दंगों, भय, गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और बदहाली के अतिरिक्त क्या दिया? बिहार के इतिहास के पन्ने कांग्रेस और राजद के शासनकाल में अल्पसंख्यक समाज के साथ हुए अन्याय और उपेक्षा की गवाही देते हैं। उन्होंने कहा कि आज बड़ी-बड़ी बातें करने वाले कांग्रेस नेता ये बताएं कि उनकी पार्टी ने अल्पसंख्यक समाज के कल्याण के लिए कौन-कौन से काम किए? कांग्रेस शासनकाल के दौरान हुए सांप्रदायिक दंगे ये बताने के लिए काफी हैं कि उन्होंने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए और उन्हें बस अपना वोट बैंक समझा। कांग्रेस के शासनकाल के दौरान साल 1989 में भागलपुर में हुए भीषण दंगों के घाव आज भी हरे हैं। ये तो श्री नीतीश कुमार ही हैं जिन्होंने उस दंगे से पीड़ित परिवारों के आंसू पोछे और उन्हें आर्थिक सहायता मुहैया करायी। श्री नीतीश कुमार ने भागलपुर दंगों के आरोपियों को भी जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम किया एवं उस दंगे की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया। एकीकृत बिहार में 1967 का रांची-हटिया दंगा, 1981 का बिहारशरीफ दंगा, 1989 का भागलपुर दंगा, 1989 का जमशेदपुर दंगा और 1993 का सीतामढ़ी दंगा जैसी घटनाएं बिहार के राजनीतिक इतिहास के ऐसे काले अध्याय हैं, जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता।

बिहार में छठ महापर्व पर विद्युत सुरक्षा को लेकर ऊर्जा विभाग सतर्क

पटना। छठ महापर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम के मद्देनजर बिहार सरकार के ऊर्जा विभाग ने पूजा समितियों, आयोजकों, छठ व्रतियों एवं आम नागरिकों से विद्युत सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से अनुपालन करने की अपील की है। ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने कहा कि छठ महापर्व बिहार की आस्था और संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पूजा समितियां और आयोजक घाटों एवं पंडालों में बिजली की व्यवस्था करते समय किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें और सुरक्षा के निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करें। इधर, ऊर्जा सचिव सह अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी अजय यादव ने सर्वप्रथम छठ महापर्व 2026 के तैयारियों के विस्तृत समीक्षा की एवं स्थलीय निरीक्षण कर घाटों को विद्युत आपूर्ति करने वाले विद्युत शक्ति उपकेंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महा प्रबन्धक पेसू दिलीप कुमार सिंह सहित विद्युत अधीक्षण अभियंता पेसू पूर्वी एवं विद्युत कार्यपालक अभियंता बांकीपुर द्वारा 33 केवी एवं 11 केवी फीडर से अवगत कराया गया ' सीएमडी द्वारा विभिन्न घाटों जैसे लॉ कॉलेज घाट ,बरहरवा घाट, गोलक पुर घाट, रानी घाट एवं गांधी घाट पर विद्युत व्यवस्था की गई तैयारियों का निरीक्षण किया गया एवं सुरक्षित तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घाटों पर लगे बिजली के तारों, अस्थायी कनेक्शनों और विद्युत उपकरणों की जांच करने तथा सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी तरह की चूक नहीं होनी चाहिए। ऊर्जा सचिव ने कहा कि घाटों और पूजा पंडालों में अस्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए केवल मानक गुणवत्ता वाले अग्निरोधी एवं इन्सुलेटेड तारों का इस्तेमाल किया जाए। सभी विद्युत उपकरणों और कनेक्शनों की सुरक्षा जांच भी सुनिश्चित की जाए। कहीं भी बिजली का तार टूटने, स्पार्किंग या अन्य गड़बड़ी दिखाई देने पर तत्काल संबंधित क्षेत्र के फ्यूज कॉल सेंटर या टॉल फ्री नंबर 1912 पर सूचना दें। ऊर्जा विभाग की ओर से जारी दिशा-निदेर्शों के अनुसार, घाटों और पंडालों में अग्निरोधी तारों को इन्सुलेटेड पाइप के माध्यम से बिछाया जाए। पुराने, कटे-फटे और क्षतिग्रस्त तारों का इस्तेमाल नहीं किया जाए। तारों के सभी जोड़ों पर इन्सुलेटिंग टेप लगाया जाए। विद्युत भार के अनुरूप इकर मार्क वाले तार और केबल का उपयोग हो तथा उन्हें सुरक्षित ऊंचाई पर रखा जाए। तारों और सर्विस वायर को सड़क या आवागमन के रास्तों से पार कराने से बचें। कट-आउट में सही क्षमता का फ्यूज वायर लगाएं और मेन, सबमेन एवं सर्किट में एमसीबीं का इस्तेमाल करें। जनरेटर, स्विच बोर्ड और अन्य विद्युत उपकरणों को अनधिकृत व्यक्तियों की पहुंच से दूर रखें। इनके आसपास सुरक्षा घेरा बनाएं और खतरे का संकेतक बोर्ड लगाएं।

जन कल्याण मंच ने 100 जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित की जर्सियां

नई सोच एक्सप्रेस



कुरुक्षेत्र। जन कल्याण मंच कुरुक्षेत्र (रजि.) हरियाणा की ओर से स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 100 जरूरतमंद विद्यार्थियों को जर्सियां वितरित की गईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कारोबारी एवं समाजसेवी महावीर मंढान शामिल हुए, जबकि थानेसर ब्लॉक समिति के चेयरमैन प्रतिनिधि एवं समाजसेवी राम मेहर शर्मा आचार्य ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि महावीर मंढान ने कहा कि जरूरतमंदों और असहाय लोगों की सहायता करना प्रभु भक्ति से कम नहीं है। समाज के कमजोर वर्ग के चेहरों पर मुस्कान लाना मानवता की सच्ची सेवा है। जन कल्याण मंच की ओर से विद्यार्थियों को जर्सियां वितरित करने की पहल सराहनीय और प्रेरणादायक है। अध्यक्षीय संबोधन में राम मेहर शर्मा आचार्य ने कहा कि जन कल्याण मंच शिक्षा, संस्कार और संस्कृति के संरक्षण के साथ जनहित के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समाज के विकास के लिए ऐसी संस्थाओं का योगदान बेहद जरूरी है। संस्था के अध्यक्ष दलबीर सिंह मलिक ने वर्षभर में किए गए सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि मंच का उद्देश्य जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर कार्य करना है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश दत्त शर्मा ने भी संस्था के प्रयासों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि महेंद्र शर्मा ने भविष्य में भी संस्था को आर्थिक सहयोग देने का आश्वासन दिया। वहीं, डॉ. आशीष अनेजा ने बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक सुझाव दिए। अतिथियों का स्वागत महासचिव सरदार बलदेव सिंह सैनी और प्रवक्ता गुलशन कुमार ग्रोवर ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अनिल कपूर ने किया। अंत में महासचिव बलदेव सिंह सैनी ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मंच भविष्य में भी सेवा भावना के साथ जनहित के कार्य जारी रखेगा। इस अवसर पर जगमोहन बंसल, रामपाल सरोहा, धर्म सिंह जोगनाखेड़ा, हेमंत यादव, तरुण वधवा, शिव किरमच, स्वतंत्र शर्मा, केसी वर्मा, संजय शर्मा, शैलेश वत्स, राजिंद्र सिंह, सुभाष सिद्धू सहित संस्था के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विश्व कुराश चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने पर प्रीति पटेल का भव्य स्वागत

नई सोच एक्सप्रेस



वाराणसी। रोहनिया विधानसभा के मथुरापुर भरथरा गांव निवासिनी प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रीति पटेल ने विश्व कुराश चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया | कजाकिस्तान में 4 नवंबर से 9 नवंबर तक आयोजित प्रतियोगिता में 48 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर बुधवार को भारत लौटने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया | भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल के नेतृत्व में कोरौता चौराहे पर प्रीति पटेल का पुष्पगुच्छ,अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया गया | इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने कहा कि काशी की बेटी प्रीति पटेल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीत दर्ज कर गांव,समाज और पूरे जिले का गौरव बढ़ाया है | उन्होंने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही हैं और प्रीति की यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है भाजपा परिवार उनकी उज्जवल भविष्य की कामना करता है | इस दौरान जिला महामंत्री संजीव सिंह गौतम,भाजपा नेता उमाशंकर पटेल,कोषाध्यक्ष जगदीश जायसवाल,जिला मीडिया प्रभारी अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', शोशल मीडिया जिला संयोजक ओमप्रकाश पटेल,कोच अजित पटेल,अजय पटेल, अमित सिंह 'पीयूष',किशन सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे ||

शादी, रिश्तों और हंसी का तड़का लगाएंगे सूरज बड़जात्या और आयुष्मान खुराना

नई सोच एक्सप्रेस



मनोरंजन। नेटफ्लिक्स के लोकप्रिय कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के सीजन 5 में इस शनिवार दर्शकों को हंसी, मस्ती और शादी-ब्याह के दिलचस्प किस्सों का भरपूर तड़का देखने को मिलेगा। आगामी 14 नवंबर को प्रसारित होने वाले विशेष एपिसोड में मशहूर फिल्मकार सूरज बड़जात्या और अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की पूरी स्टारकास्ट के साथ नजर आएंगे। इस एपिसोड में आयुष्मान खुराना के अलावा शरवरी, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, सौम्या टंडन, गीता अग्रवाल शर्मा, स्वानंद किरकिरे और सुरभि तिवारी भी शामिल होंगे। सभी कलाकार अपनी शादीशुदा जिंदगी से जुड़े दिलचस्प अनुभव और मजेदार किस्से साझा करेंगे। कार्यक्रम के दौरान आयुष्मान खुराना, सूरज बड़जात्या से उनकी महज 21 वर्ष की उम्र में हुई शादी को लेकर दिलचस्प सवाल पूछते नजर आएंगे। वहीं, अपनी शादी की तस्वीरों का जिक्र करते हुए आयुष्मान बताएंगे कि किस तरह सूरज बड़जात्या ने उन्हें पर्दे पर शादी के दौरान सेहरा पहनने और घोड़ी पर चढ़ने के लिए राजी कर लिया था। इस दौरान कपिल शर्मा भी अपने चुटीले अंदाज से माहौल को खुशनुमा बनाएंगे। सूरज बड़जात्या की पारिवारिक फिल्मों में बड़ी स्टारकास्ट को लेकर चुटकी लेते हुए कपिल कहेंगे, "दो मां कर दो, दो बाप कर दो, दो बुआ, दो चाचा... लड़का-लड़की तो मेरे पास हैं।" उनकी इस टिप्पणी पर जमकर ठहाके लगने की उम्मीद है। शो में कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा और सुनील ग्रोवर भी अपनी कॉमेडी और मजेदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। पारिवारिक रिश्तों, शादी की रस्मों और कलाकारों के निजी अनुभवों पर आधारित यह एपिसोड मनोरंजन से भरपूर होगा। गौरतलब है कि सूरज बड़जात्या अपनी पारिवारिक और प्रेम कहानियों के लिए जाने जाते हैं। उनकी आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर भी दर्शकों में उत्सुकता है। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का यह विशेष एपिसोड 14 नवंबर को रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगा।

लखनऊ मण्डल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने लखनऊ-गोण्डा रेलखण्ड का विंडो ट्रेलिंग एवं गोण्डा का स्टेशन का किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस



लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे,लखनऊ मण्डल छठ पर्व के उपलक्ष्य में चलाई जा रही विशेष गाड़ियों के संरक्षित परिचालन एवं छठ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मण्डल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने 12 नवम्बर गुरुवार को शाखाधिकारियों के साथ लखनऊ -गोण्डा रेलखण्ड का विंडो ट्रेलिंग एवं गोण्डा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया | निरीक्षण के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक ने सर्वप्रथम प्लेटफॉर्म संख्या-6 पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं एवं प्लेटफार्म के सुधार कार्यों का जायजा लिया | तदुपरान्त उन्होने गोण्डा यार्ड में पॉइंट संख्या 321A का संरक्षा निरीक्षण किया | इसी क्रम में उन्होंने गोण्डा रेलवे अस्पताल का निरीक्षण कर चिकित्सालय मे मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की और मेडिसिन केआई उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु संबन्धित को दिशा निर्देश दिया | इसी क्रम में उन्होने गोंडा रेलवे कॉलोनी में रेल आवासों के चल रहे मरम्मत कार्यों की प्रगति का भी अवलोकन किया और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया | इसके अतिरिक्त मण्डल रेल प्रबंधक ने गोंडा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया,स्टेशन परिसर एवं प्लेटफॉर्म की साफ-सफाई का व्यापक निरीक्षण किया | उन्होंने खानपान स्टॉल,वॉटर वेंडिंग मशीन,पेयजल की उपलब्धता,आईपीएस कक्ष तथा स्टेशन पर उपलब्ध अन्य यात्री सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया | निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक,वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/समन्वय,वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक/समन्वय, वरिष्ठ मण्डल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर,वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी,सहायक मण्डल इंजीनियर/गोण्डा/पूर्व, स्टेशन अधीक्षक सहित वरिष्ठ पार्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे ||

आस्था, विश्वास और समर्पण का महापर्व छठ आज से शुरू, देश-विदेश में गूंजेगी छठी मैया की महिमा

नई सोच एक्सप्रेस



मुंबई। लोक आस्था, पवित्रता, त्याग और अटूट विश्वास का प्रतीक चार दिवसीय महापर्व छठ आज से नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। इस महापर्व की रौनक बिहार और उत्तर प्रदेश समेत देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों तक देखने को मिलेगी। महाराष्ट्र में भी छठ पूजा को लेकर विशेष उत्साह है। अमरावती, मुंबई, जुहू और नासिक के पंचवटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ छठी मैया एवं भगवान सूर्य की आराधना करेंगे।छठ महापर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, प्रकृति के प्रति सम्मान, पारिवारिक सुख-समृद्धि और लोक परंपराओं का अद्भुत संगम है। इस पर्व में व्रती लगभग 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत रखकर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति और परिवार की सुख-शांति के लिए भगवान सूर्य एवं छठी मैया की आराधना करते हैं। **नहाय-खाय से शुरू होगा चार दिवसीय अनुष्ठानः**महापर्व की शुरुआत आज नहाय-खाय से होगी। इस दिन व्रती पवित्र स्नान कर शुद्धता और सात्विकता के साथ भोजन ग्रहण करते हैं। दूसरे दिन खरना का प्रसाद तैयार किया जाएगा। इसके बाद व्रती 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू करेंगे। तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को नदी, तालाब और सरोवरों के घाटों पर पहुंचकर पहला अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। वहीं चौथे और अंतिम दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस महापर्व का विधिवत समापन होगा। **महाराष्ट्र में भी छठ की धूमः**महाराष्ट्र के अमरावती, मुंबई, जुहू और नासिक के पंचवटी सहित कई क्षेत्रों में छठ पूजा को लेकर खास उत्साह देखने को मिलेगा। बिहार और उत्तर प्रदेश से आकर महाराष्ट्र में बसे परिवार अपनी परंपराओं और संस्कृति को पूरी श्रद्धा के साथ जीवंत रखे हुए हैं। छठ के पारंपरिक गीतों, पूजा के सजे हुए सूप-दउरा और भक्ति के माहौल से पूरा वातावरण छठमय हो उठेगा। **घाटों पर दिखेगी आस्था की अद्भुत छटाः**छठ के अवसर पर घाटों की सफाई, सजावट और रोशनी के विशेष इंतजाम किए जाएंगे। बांस के सूप, दउरा, फल, ठेकुआ और पारंपरिक प्रसाद से सजे पूजा के सामान इस पर्व की खूबसूरती को और बढ़ाएंगे। छठ ऐसा महापर्व है, जहां अमीरी-गरीबी, जाति और वर्ग का कोई भेद नहीं रह जाता। हर कोई एक ही भाव से भगवान सूर्य को नमन करता है।डूबते सूर्य को अर्घ्य और उगते सूर्य को प्रणाम करने की यह परंपरा हमें जीवन में धैर्य, विश्वास, त्याग और कृतज्ञता का संदेश देती है। यही छठ महापर्व की सबसे बड़ी खूबसूरती है।चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व एक बार फिर देश-दुनिया को भारतीय लोक संस्कृति, परंपरा और आस्था की अद्भुत ताकत का एहसास कराएगा।

शेख ताहिरा ने कुपवाड़ा अस्पताल में हुए कथित हमले की निंदा की, पीड़िता के लिए न्याय की मांग की

नई सोच एक्सप्रेस



कुपवाड़ा। जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष शेख ताहिरा ने कुपवाड़ा अस्पताल के वॉशरूम में एक लड़की के साथ हुए कथित बलात्कार की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत विचलित करने वाला और महिलाओं की सुरक्षा व गरिमा का गंभीर उल्लंघन बताया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य इलाज, देखभाल और सुरक्षा प्रदान करना होता है। अस्पताल परिसर के भीतर महिलाओं की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली कोई भी घटना, वहां की सुरक्षा व्यवस्था और संस्थागत जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करती है। शेख ताहिरा ने इस मामले की गहन, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि पीड़िता को न्याय, गरिमा, सुरक्षा और हर आवश्यक सहायता मिले। साथ ही, दोषी पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि महिलाओं की सुरक्षा केवल भाषणों और नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर महिला और लड़की बिना किसी डर के जी सके, ठोस कदम उठाना, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और जवाबदेही तय करना बहुत जरूरी है। "पीड़िता को न्याय दिलाना, महिलाओं की गरिमा की रक्षा करना और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।"

कुरुक्षेत्र में संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज की 756वीं जयंती पर 32वां वार्षिक महोत्सव 15 नवंबर को होगा आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस



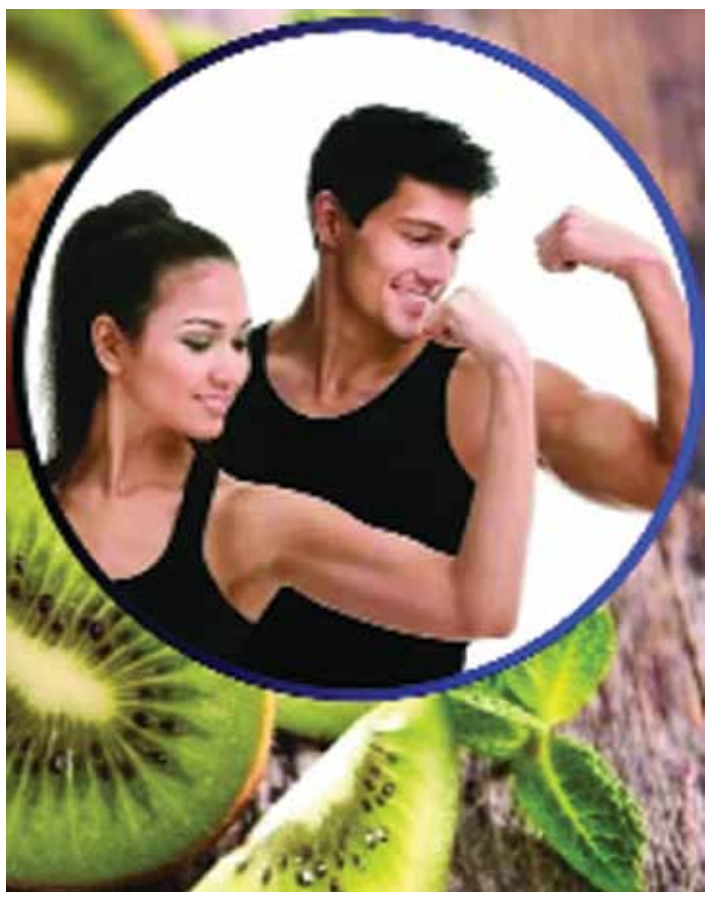
धर्मनगरी कुरुक्षेत्र। संत शिरोमणि नामदेव छिम्बा समाज सभा (रजि.), कुरुक्षेत्र के तत्वावधान में संत नामदेव मंदिर में 32वां वार्षिक महोत्सव रविवार, 15 नवम्बर 2026 को पूरी श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। यह भव्य धार्मिक आयोजन भक्ति-लहर के अग्रदूत, बिठ्ठल भक्त संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज की 756वीं जयंती तथा परम आदरणीय संत ह.भ.प. डॉ. श्री रामकृष्ण बगाड़े जी महाराज (महाराष्ट्र) के 100वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। सभा के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दिव्य उत्सव में महाराष्ट्र से पधारे बगाड़े जी महाराज के साथ-साथ समाज की गणमान्य विभूतियां, समाजसेवी और विभिन्न राज्यों से स्वजातीय संस्थाओं के प्रमुख प्रतिनिधि भाग लेंगे। दिनभर आयोजित होंगे धार्मिक अनुष्ठान **महोत्सव के तहत 15 नवंबर को दिनभर विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगेः** प्रातः 8:00 बजेः हवन एवं पूजन, प्रातः 9:30 बजेः जलपान, प्रातः 10:00 बजेः ध्वजारोहण, प्रातः 10:30 बजेः ज्योति प्रज्वलन ,प्रातः 10:35 बजेः सुशील एण्ड पार्टी (मुलाना) द्वारा संत नामदेव जी के भजनों का संकीर्तन ,प्रातः 11:00 बजेः संतों के अमृतमयी प्रवचन , दोपहर 12:00 बजेः पधारे हुए अतिथिगणों का सम्मान समारोह , दोपहर 2:00 बजे से: विशाल भंडारा (प्रसाद वितरण) वरिष्ठ विभूतियों की रहेगी गरिमामयी उपस्थिति इस धार्मिक समागम में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य अशोक कुमार तोकी (कुरुक्षेत्र) बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता संत नामदेव मन्दिर, भगवानपुर (उत्तराखण्ड) के प्रधान चन्द्र पाल नामदेव करेंगे। इनके अतिरिक्त दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल और हरियाणा की नामदेव समाज सभाओं के प्रमुख पदाधिकारी एवं गणमान्य अतिथि भी मौजूद रहेंगे। सभा के संरक्षक बाल कृष्ण (ठोल), चेयरमैन पृथपाल नीरज, प्रधान राम नाथ (लाडवा), महासचिव विनोद कुमार, वरिष्ठ उप-प्रधान राजिन्द्र पाल तोकी और मैनेजर अशोक चहल ने सभी श्रद्धालुओं व समाज बंधुओं से सपरिवार पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करने और संत नामदेव जी व बिठुल भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

'जागती जोत' में मोहर सिंह सलावद का राजस्थानी आलेख प्रकाशित

नई सोच एक्सप्रेस



बीकानेर। राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर की ओर से प्रकाशित यूजीसी से मान्यता प्राप्त मासिक पत्रिका 'जागती जोत' के अगस्त-सितंबर 2026 अंक में शिक्षक एवं साहित्यकार मोहर सिंह मीना 'सलावद' का राजस्थानी आलेख प्रकाशित हुआ है। आलेख का शीर्षक 'तनाव अर व्यक्तित्व विकास : बालपणै रै खेलां सूं मन री मजबूती ताईं' है। इस अवसर पर अकादमी के अध्यक्ष एवं प्रधान संपादक तथा संभागीय आयुक्त बीकानेर विश्राम मीणा और अकादमी के सचिव एवं प्रबंध संपादक शरद केवलिया ने लेखक मोहर सिंह मीना 'सलावद' को पत्रिका की प्रति भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। आलेख में बाल्यावस्था में खेलों की महत्ता को रेखांकित करते हुए मानसिक मजबूती, तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और व्यक्तित्व निर्माण के विभिन्न पहलुओं को राजस्थानी भाषा में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इसमें बताया गया है कि खेल बच्चों में धैर्य, निर्णय क्षमता, आपसी सामंजस्य और कठिन परिस्थितियों का सामना करने का आत्मविश्वास विकसित करते हैं। साथ ही, तनाव के कारणों और उसके उचित प्रबंधन के प्रति भी जागरूक किया गया है।आलेख के प्रकाशन पर मोहर सिंह मीना 'सलावद' ने अकादमी अध्यक्ष विश्राम मीणा, सचिव शरद केवलिया तथा संपूर्ण संपादक मंडल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राजस्थानी भाषा में मौलिक लेखन और समसामयिक विषयों को अभिव्यक्त करने के लिए 'जागती जोत' जैसा प्रतिष्ठित मंच महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।



शरीर के लिए लाभप्रद है खट्टी-मीठी कीवी

फलों और सब्जियों के सेवन से स्वास्थ्य को जरूरी पोषक तत्व और विटामिन की पूर्ति होती है। ऐसा ही एक स्वादिष्ट फल हैं कीवी जिसे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता हैं। कीवी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, विटामिन सी, विटामिन बी, कैल्शियम, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, फॉस्फरोरस, कॉपर, जिंक, नियासिन, पोटैशियम, राइबोफ्लेविन, बीटा कैरोटीन आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से कई गंभीर बीमारियों से रिकवरी करने में बहुत फायदा मिलता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए कीवी बहुत फायदेमंद फल है। कीवी में फोलेट की पर्याप्त मात्रा होती है, जो गर्भ में पल रहे शिशु के दिमागी विकास के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। गर्भावस्था के दौरान कीवी खाने से बच्चों में न्यूरल डिफेक्ट का खतरा कम होता है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के बाद भी कीवी का सेवन जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से उनमें डिलीवरी के बाद कमजोरी और खून की कमी दूर करने में मदद मिलती है।

डायबिटीज में फायदेमंद

डायबिटीज के मरीजों के लिए कीवी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। कीवी में मौजूद गुण डायबिटीज के मरीजों में ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में फायदेमंद माने जाते हैं। डायबिटीज के मरीज डॉक्टर की सलाह लेकर रोजाना कीवी का सेवन कर सकते हैं। इससे उनका पाचन तंत्र भी दुरुस्त रहता है।

ब्लड क्लॉटिंग को रोके

कीवी के सेवन से शरीर में खून का थक्का जमने की दिक्कत भी नहीं होती है। इसमें एंटीथ्रोम्बोटिक यानी खून का थक्का न जमने देने का गुण मौजूद होता है, जिसकी वजह से स्ट्रोक, किडनी और हार्ट अटैक संबंधी दिक्कत का खतरा भी कम रहता है।

हड्डियों का रखता है ख्याल

कीवी में विटामिन के भी मौजूद होता है, जो ओस्टियोट्रोपिक एक्टिविटी या नए बोन सेल्स के डेवलपमेंट में योगदान कर सकता है। इसमें मौजूद विटामिन ई, मैग्नीशियम और फोलेट सभी तत्व स्वास्थ्य को कई लाभ प्रदान करते हैं।

कब्ज को दूर करे

कीवी फल, कब्ज को दूर करने में काफी मदद करता है। इसके सेवन से पुरानी से पुरानी कब्ज भी ठीक होने लगती है। यह गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी, अपच जैसी पेट की दिक्कतों को भी ये दूर करता है। अगर आप भी लगातार कब्ज की बीमारी से परेशान हैं तो कीवी का फल आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। यह पेट साफ करने में भी मददगार है।



हाई बीपी रहता है कंट्रोल में

कीवी में पोटेशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से हृदय स्वस्थ रहता है। साथ ही उच्च रक्तचाप कंट्रोल में रहता है। वहीं, फाइबर बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता है। एक शोध में उच्च रक्तचाप के मरीजों को एक हफ्ते में 8 किवी खाने की सलाह दी गई है। इसके लिए रोजाना कीवी का सेवन जरूर करें।

क्या आपका भी मिट्टी खाने का मन करता है

पाइका के हो सकते हैं लक्षण

अक्सर आपने बच्चों एवं महिलाओं को बत्ती, चौक या मिट्टी खाते हुए देखा होगा। कई लोगों को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। साथ ही कई लोग इस आदत से परेशान भी होते हैं क्योंकि मिट्टी या चुना आपकी सेहत के लिए हानिकारक होता है। यह एक तरह की बीमारी होती है जिसे जियोफेजिया के नाम से जाना जाता है। वैसे मामूली स्थिति में मिट्टी खाने की क्रेविंग कैल्शियम की कमी के कारण होती है लेकिन इसके साथ यह एक बीमारी का भी लक्षण है।

क्या है पाइका

दरअसल मिट्टी खाने का सीधा संबंध पाइका नाम की बीमारी से है। इस बीमारी में इंसान मिट्टी खाने से खुद को रोक नहीं पाता है। ऐसी स्थिति ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं में देखी जाती है। इस बीमारी में मिट्टी खाने की लत किसी चीज़ के नशे के सामान होती है। एक्सपर्ट के अनुसार पाइका एक ऐसी बीमारी होती है जिसमें व्यक्ति को उन पदार्थों को खाने की इक्छा होती है जो खाने लायक नहीं है। इस बीमारी का नाम एक पक्षी के नाम पर रखा गया है। पाइका एक ऐसे पक्षी का नाम है जो कुछ भी खा लेते हैं इसलिए इस बीमारी को पाइका कहा जाता है।

इनकी कमी से होती है मिट्टी खाने की क्रेविंग

इसके साथ ही कई बार मिट्टी खाने का संबंध कैल्शियम की कमी से किया जाता है लेकिन यह एकमात्र ऐसा कारण नहीं है। आयरन की कमी के कारण भी मिट्टी या मिट्टी जैसे पदार्थों को खाने की इच्छा करती है। इस बीमारी में महिलाओं को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। ऐसे में जब आप बार बार मिट्टी खाते हैं तो आपके पेट में बहुत सी समस्याएं हो सकती हैं।

किडनी स्टोन की हो सकती हैं समस्या

बार बार मिट्टी खाने से आंतों में रुकावट होती है। साथ ही आपके लीवर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आपको बता दें कि मिट्टी खाने वाले बच्चों और बड़ों के शरीर में सूजन की परेशानी होने लगती है। मिट्टी खाने की वजह से आपका डाइजेशन भी खराब होता है जिससे खाना ठीक से पच नहीं पाता है।

नीमिया की समस्या भी हो सकती है

जैसा कि बताया कि आयरन की कमी के कारण भी आपको मिट्टी खाने की समस्या होती है। मिट्टी खाने से इंसान एनीमिया का भी शिकार हो जाता है क्योंकि शरीर में हीमोग्लोबिन हो जाता है। हीमोग्लोबिन कम होने से खून में ऑक्सीजन नहीं जा पाता इस वजह से एनीमिया हो जाता है।





सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी है हल्दी पानी

हल्दी का उपयोग हर किसी के घर में किया जाता है। हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। हल्दी का प्रयोग लगभग सभी प्रकार के खाने में किया जाता है। यह व्यंजनों के स्वाद में तो इजाफा करती ही है साथ ही इसमें अनेक औषधीय गुण भी होते हैं। यह गर्म और रूखी होती है। त्वचा, पेट और शरीर की कई बीमारियों में हल्दी का प्रयोग किया जाता है। हल्दी का सेवन पानी के साथ किया जाए, तो फायदे बढ़ जाते हैं। हल्दी का पानी सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी होता है। जिन लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम और संक्रमण हो जाता है उन्हें अपनी डाइट में हल्दी के पानी को जरूर शामिल करना चाहिए।

गुणकारी हल्दी के अलग-अलग लाभ उठाने के लिए आपको किसी वैद्य या विशेषज्ञ की शरण में जाने की जरूरत नहीं है। अपने घर पर ही छोटे-छोटे प्रयोग कर इसके अलग-अलग लाभ उठाए जा सकते हैं। आमतौर पर देखा गया है कि लोग उठते ही गर्म पानी या फिर निम्बू पानी का सेवन करते हैं जिससे कि उनका पेट साफ़ हो और खुल कर शरीर की गंदगी बाहर निकल जाए यह शरीर के लिए फायदेमंद है, यदि इसमें थोड़ी सी हल्दी मिक्स कर दी जाए तो इसके गुणों में भारी इजाफा हो जाता है।

शरीर को शक्तिशाली बनाना

लगभग 500 ग्राम की मात्रा में हल्दी की गांठे और एक किलो बुझा हुआ चूना लेकर इसको एक मिट्टी के बर्तन में डालकर इसमें ऊपर से 2 लीटर पानी डालें। पानी डालते ही चूना पकने लगता है और जब यह ठण्डा हो जाए तो बर्तन को ढककर रख दें। इसके बाद 2 महीने बाद हल्दी की गांठों को निकालकर पीसकर चूर्ण बना लें। हल्दी की गांठों के चूर्ण को 3 ग्राम की मात्रा में लेकर 10 ग्राम शहद के साथ मिलाकर लगातार 4 महीने तक रोजाना खाने से शरीर का खून साफ हो जाता है और इससे शरीर में भरपूर ताकत आती है।

वजन कम होता है

अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो ऐसे में अपनी डाइट में हल्दी का पानी शामिल कर सकते हैं। हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। फैट बढ़ाने वाले टिशूज को बनने से रोकने के लिए हल्दी का पानी पीना फायदेमंद होता है।

आंखों के रोग

हल्दी को अरहर की दाल में पकायें और छाया में सुखा लें उसे पानी में घिसकर, शाम होने से पहले ही दिन में दो बार जरूर लगायें इससे झामर रोग, सफेद फूली और आंखों की लालिमा में लाभ होता है।

नहीं होंगी त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याएं

हल्दी का पानी खून साफ करता है। साथ ही इस पानी को पीने से शरीर में विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इससे एजिंग साइन्स जैसे झुर्रियां या मुरझाई त्वचा की समस्या दूर होगी। त्वचा की सूजन कम करने में हल्दी फायदेमंद मानी जाती है। इसका इस्तेमाल करने से त्वचा में निखार बढ़ता है।

पेट से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी

हल्दी के पानी का सेवन करेंगे, तो पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे डायरिया, अपच, कब्ज, पेट में दर्द, पेट में ऐंठन आदि समस्याएं दूर होंगी। हल्दी का पानी पीने से शरीर में पित्त ठीक से बनता है और पाचन तंत्र मजबूत बनता है। हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण भी होते हैं। हल्दी के पानी का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। हल्दी में मौजूद लिपो पॉलिसैकेराइड की मदद से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले सेल्स बढ़ते हैं। एक गिलास गुनगुने पानी में एक नीम्बू निचोड़कर उसमें एक चुटकी हल्दी मिला लें और इसे सुबह खाली पेट पीएं। ऐसा करने से पेट में गैस बनने की समस्या दूर होती है और एसिडिटी, बदहजमी, फूड पॉइजनिंग, कब्ज आदि बीमारी से भी छुटकारा मिलता है जिससे सुबह पेट पानी की तरह साफ़ होगा।

हार्ट की बीमारियों से होगा बचाव

हल्दी का पानी शरीर से कोलेस्ट्रॉल का स्तर को नियंत्रण रखने में मदद करता है। हल्दी का पानी पीने से खून के थक्के बनने से रोकने में मदद मिलेगी। इससे आपको हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा नहीं होगा।

कम होती है सूजन

शरीर में सूजन कितनी भी क्यों न हो हल्दी सूजन को कम करने में सहायक है इसमें करक्यूमिन नामक एक रसायन पाया जाता है जो दवा के रूप में काम करता है इसीलिए आपने देखा होगा किसी को भी चोट लग जाती है तो हमारे बुजुर्ग हल्दी दूध में डालकर पिलाते थे।

ब्लाकेज से बचाती है हल्दी

जिन लोगो की खून की धमनियों में ब्लाकेज की शिकायत है उनको तो अवश्य ही हल्दी वाला पानी सेवन करना लाभदायक है क्योंकि हल्दी खून को जमने से रोकती है अदरक भी खून को पतला रखती है और ब्लाकेज से बचाती है।

हड्डी के टूटने पर

हड्डी के टूटने पर रोज हल्दी का सेवन करने से लाभ मिलता है। एक प्याज को पीसकर एक चम्मच हल्दी मिलाकर कपड़े में बांध लें। इसे तिल के तेल में रखकर गर्म करें और इससे फिर सेंक करें। कुछ देर सेंकने के बाद पोटली खोलकर दर्द वाले स्थान पर बांध दें।

नहीं पनपने देती बैक्टीरिया

यदि किसी कारण से शरीर के बाहरी या अंदरूनी हिस्से में चोट लग जाए-तो हल्दी वाला दूध उसे जल्द से जल्द ठीक करने में बेहद लाभदायक है क्योंकि यह अपने एंटी बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुणों के कारण बैक्टीरिया को पनपने नहीं देता है।

त्वचा के रोग

हल्दी को पीसकर तिल के तेल में मिलाकर मालिश करें इससे चर्म रोग खत्म हो जाएगा। या अगर शरीर में खुश्की (चमड़ी सूख) गई हो तो सरसों के तेल में हल्दी को मिलाकर शरीर पर उसकी मालिश करने से लाभ होता है।

मसूढ़ों का रोग

हल्दी को मोटा-मोटा कूटकर आग पर भून लें। इसे बारीक पीसकर कपड़े से छानकर प्रतिदिन सुबह-शाम मसूढ़ों पर मलें। इससे मसूढ़ों के रोग ठीक हो जाते हैं।





सर्दियों में इन आदतों की वजह से बढ़ जाती है कब्ज की परेशानी

सर्दियों में अक्सर लोगों को कब्ज की परेशानी हो जाती है। इसका सबसे मुख्य कारण होता है ठंड के मौसम में शरीर के फंक्शन में बदलाव आना। डाइजेस्टिव सिस्टम स्लो हो जाता है, लेकिन हमारी कुछ आदतें भी हैं जो सर्दियों कब्ज को बढ़ा सकती हैं । आपका पाचन तंत्र ठीक से काम करें इसके लिए जरूरी है कि आप ठीक प्रकार से हाइड्रेट रहें। वहीं सर्दियों में गर्मी के मुकाबले लोग पानी कम पीते हैं, क्योंकि प्यास ही कम लगती है। पानी की कमी से मल सूखा और कठोर हो जाता है, जिससे कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में लोग ज्यादातर घर में ही बिताते हैं। शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती है और इस वजह से आंतों की गतिविधि धीमी हो जाती है जिससे कब्ज हो सकती है। सर्दी का मौसम सुहावना होता है और इस मौसम में अक्सर लोग तला भुना, भारी खाना खाते हैं जो पाचन क्रिया को और भी धीमा कर देता है। सर्दियों में लोगों के आहार में फाइबर की कमी हो जाती है। लोग सलाद वगैरह कम खाने लगते हैं फाइबर की कमी से भी पाचन धीमा हो जाता है। जिससे कब्ज की समस्या पैदा हो सकती है।

ठंड में लोग चाय कॉफी-अधिक सेवन करते हैं और कैफीन अधिक सेवन करने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिससे मल सूखा और कठोर हो जाता है। वहीं सर्दियों के मौसम में लोगों को तनाव और उदासी बनी रहती है। इससे भी पाचन तंत्र प्रभावित होता है। आंतों की गति धीमी हो जाती है। इसके अलावा ठंडी हवा के कारण शरीर की मांसपेशियां संकुचित हो जाती है जिससे आंतों की गतिविधि में रुकावट आ सकती है।

सभी पोषक तत्वों की कमी पूरी करता है मल्टीग्रेन आटा

मल्टीग्रेन आटे का अर्थ है मिला जुला आटा या कई तरह के अनाज का मिक्स आटा। इस में गेहूं के साथ ही ज्वार, बाजरा, जौ, काला चना, रागी, जई, मक्का, क्विनोआ, सूजी, चावल, सिंघाड़े, राजगिरा आदि के आटे को मिलाकर आटा तैयार किया जाता है। इस आटे में विटामिन, प्रोटीन, डाइटरी फाइबर, कार्ब्स, आयरन, कैल्शियम, खनिज आदि कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। मल्टीग्रेन आटा ज्यादातर ग्लूटेन फ्री होता है।

वजन होता है कम

इसके लिए आपको गेहूं के आटे में जई, मक्का, ज्वार और चना मिलाकर उसकी रोटी बनाकर खाना चाहिए। इसमें फाइबर अधिक होने से यह पाचन के लिए ठीक रहेगा और साथ ही यह वेट लॉस करेगा। यह कई सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ शरीर को संपूर्ण पोषण प्रदान करता है। इसमें कई तरह के विटामिन होते हैं जिसके चलते शरीर में विटामिन की कभी कमी नहीं होती है।

पाचन तंत्र को सुधारता

यह फाइबर से भरा होता है जो अच्छे आंत बैक्टीरिया का पोषण करता है, जिसके चलते पाचन तंत्र में सुधार होता है और मेटाबॉलिज्म में भी सुधार करता है।

शारीरिक दर्द और सूजन को कम करता है बाजरा

बाजरा में सूजन-रोधी गुण होते हैं। मल्टीग्रेन आटा में बाजरे का आटा मिला होने से यह जोड़ों के दर्द और सूजन में लाभदायक है।

मांसपेशियां होती है मजबूत

इससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आटे में सोयाबीन, चना और जौ भी मिलाया जाए तो यह प्रोटीन का अच्छा सोर्स बन जाता है। बच्चों के शरीरिक विकास के लिए यह मददगार साबित हो सकता है।



नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)



गुरमीत के लिए भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है मिर्जापुर



निर्देशक गुरमीत सिंह के लिए वेब सीरीज मिर्जापुर केवल एक सफल प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है। गुरमीत सिंह का मानना है कि किसी भी फिल्म या सीरीज को बनाते समय सबसे जरूरी काम लेखक की मूल भावना को समझना और उसे पूरी ईमानदारी के साथ पर्दे पर उतारना है।

गुरमीत सिंह के मुताबिक, स्क्रिप्ट पढ़ते समय जो रोमांच और उत्साह महसूस होता है, वही अनुभव दर्शकों तक पहुंचना चाहिए। गुरमीत सिंह ने मिर्जापुर फ्रेंचाइजी और इससे जुड़ी फिल्म के रचनात्मक पक्ष पर बात करते हुए बताया कि इसकी कहानी निर्देशक के सामने काम करने के लिए काफी सामग्री और चुनौतियां रखती है। ऐसे में उनका ध्यान दूसरी छोटी-छोटी बातों के बजाय कहानी की मूल भावना पर रहता है। उनके अनुसार, जब स्क्रिप्ट मजबूत होती है और उसमें दर्शकों को बांधे रखने की क्षमता होती है, तो निर्देशक का मुख्य काम उसे सही तरीके से पर्दे पर प्रस्तुत करना होता है। उन्होंने बताया कि किसी भी कहानी को फिल्माने से पहले यह समझना जरूरी है कि लेखक ने कागज पर क्या लिखा है और उस विचार को दर्शकों के सामने किस रूप में पेश किया जा सकता है। वह चाहते थे कि स्क्रिप्ट पढ़ते समय उन्हें और उनकी टीम को जो उत्साह महसूस हुआ, वही उत्साह दर्शकों को भी देखने को मिले। उनके लिए निर्देशन का असली उद्देश्य कहानी के जादू को बिना अनावश्यक बदलाव के जीवंत करना है। गुरमीत सिंह ने यह भी बताया कि मिर्जापुर की शूटिंग उनके लिए तनावपूर्ण काम नहीं रही। कई वर्षों से इस फ्रेंचाइजी पर साथ काम करने के कारण पूरी टीम के बीच पारिवारिक रिश्ता बन गया है। उन्होंने शूटिंग के अनुभव को दोस्तों के साथ पिकनिक पर जाने जैसा बताया। उनके मुताबिक, जब कलाकारों और तकनीकी टीम के सदस्य किसी कहानी से लंबे समय तक जुड़े रहते हैं, तो उनके बीच आपसी समझ और सहजता विकसित हो जाती है।

निर्देशक ने कहा कि पूरी टीम ने इस फ्रेंचाइजी के लिए लगातार मेहनत की है। इसलिए जब भी वे इसके नए हिस्से की शूटिंग के लिए मिलते हैं, तो काम का माहौल बोझिल नहीं लगता। सभी लोग कहानी और अपने काम को लेकर उत्साहित रहते हैं। मिर्जापुर ने अपनी कहानी, किरदारों और रोमांच के कारण दर्शकों के बीच खास जगह बनाई है। अब इससे जुड़ी फिल्म को लेकर भी उत्सुकता बनी हुई है।



गुजरात बोर्ड की टॉपर पायल ने की हैं कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई

बेबाक अंदाज और सफरः जानिए अभिनेत्री पायल रोहतगी के बारे में खास बातें

बॉलीवुड अभिनेत्री पायल रोहतगी अपने बेबाक अंदाज और निजी जिंदगी से जुड़े खुलासों के कारण अक्सर चर्चा में रहती हैं। पायल ने फिल्मों से लेकर रियलिटी शोज तक अपनी अलग पहचान बनाई है। बड़े पर्दे पर अभिनय करने के साथ-साथ उन्होंने छोटे पर्दे के कई लोकप्रिय कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया है। बिग बॉस से लेकर लॉकअप तक उनका सफर दर्शकों के बीच खासा चर्चित रहा है। पायल रोहतगी का जन्म 9 नवंबर 1980 को हैदराबाद में हुआ था। पढ़ाई में अच्छी रहने वाली पायल ने कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। वह गुजरात बोर्ड की टॉपर भी रह चुकी हैं। हालांकि, पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका रुझान अभिनय और मॉडलिंग की ओर बढ़ने लगा। साल 2000 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके बाद मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और कई विज्ञापनों में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में भी अवसर मिलने लगे। पायल ने साल 2002 में फिल्म ये क्या हो रहा है से बॉलीवुड में शुरुआत की। इसके बाद वह तुमसे मिलकर, प्लान, पुलिस फोर्सः एन इनसाइड स्टोरी, रक्त, तौबा तौबा, लैला-ए-मिस्ट्री और चेतनाः द एक्साइटमेंट जैसी फिल्मों में नजर आईं। साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म 36 चाइना टाउन में उन्होंने ग्रेसी का किरदार निभाया था। इसी साल वह फिल्म कॉरपोरेट में भी दिखाई दीं। इसके अलावा ढोल, हे बेबी, अपना सपना मनी मनी, उगली और पगली, दिल कबड्डी और वैलेंटाइंस नाइट जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया। फिल्मों के साथ पायल ने टेलीविजन पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। साल 2008 में वह बिग बॉस 2 में शामिल हुईं। शो में उनके बेबाक व्यवहार ने खूब सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्होंने राज पिछले जन्म का, जोर का झटका, सर्वाइवर इंडिया, नच बलिए 7 और बिग बॉस 7 जैसे कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। धारावाहिकों में भी उन्होंने काम किया, जिनमें हमने ली है शपथ, हमसफर्स, एजेंट राघव और सूर्यपुत्र कर्ण शामिल हैं। साल 2022 में पायल कंगना रनौत के रियलिटी शो लॉकअप में नजर आईं। यहां उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई निजी किस्से साझा किए और अपने खेल से दर्शकों का ध्यान खींचा। वह शो की पहली रनरअप रहीं। पायल की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही है।



ज़ी सिनेमा चिल्ड्रन्स डे पर लेकर आ रहा है 'तन्वी द ग्रेट' और 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर

मुंबईः इस बाल दिवस पर ज़ी सिनेमा दो ऐसी कहानियों के साथ परिवारों के लिए मनोरंजन का खास मौका लेकर आ रहा है, जो साहस, कल्पनाओं और खुद पर विश्वास रखने की ताकत का जश्न मनाती हैं। 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरोः एलियंस का आगमन' के रोमांचक सुपरहीरो एडवेंचर से लेकर 'तन्वी द ग्रेट' के प्रेरणादायक सफर तक, चैनल की यह खास पेशकश एक्शन, भावनाओं और दिल को छू लेने वाली कहानियों का बेहतरीन मेल है। ये कहानियाँ न सिर्फ बच्चों का मनोरंजन करेंगी, बल्कि उन्हें सोचने और बातचीत करने के लिए भी प्रेरित करेंगी। यही वजह है कि पूरा परिवार इन फिल्मों का साथ बैठकर आनंद ले सकता है। जश्न की शुरुआत दोपहर 1:30 बजे 'तन्वी द ग्रेट' के प्रीमियर से होगी। यह फिल्म दर्शकों को तन्वी की अनोखी दुनिया में ले जाएगी। तन्वी ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर होने के बावजूद अपने अटूट संकल्प के बल पर एक ऐसे सपने को पूरा करने निकल पड़ती है, जिसे कई लोग उसकी पहुँच से बाहर मानते हैं। अपनी माँ और दादाजी के प्यार और सहयोग से प्रेरित होकर, तन्वी अपने दिवंगत पिता से जुड़ी एक खास इच्छा को पूरा करने के भावुक सफर पर निकलती है। स दौरान, वह समाज की सोच और धारणाओं को चुनौती देती है और साबित करती है कि दूसरों से अलग होना कोई कमजोरी नहीं है। अपने हौंसले और दृढ़ इरादे से वो अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करती है। अनुपम खेर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शुभांगी दत्त ने मुख्य भूमिका निभाई है। यह फिल्म संघर्ष, खुद पर विश्वास और इस सोच का जश्न मनाती है कि यदि सपनों को पूरा करने का हौंसला हो, तो कोई भी सपना बड़ा नहीं होता। तन्वी की कहानी के जरिए फिल्म एक खास संदेश देती है कि अलग होना, कम होना नहीं है। फिल्म के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर को लेकर अभिनेता और निर्देशक अनुपम खेर कहते हैं, "तन्वी द ग्रेट मेरी बनाई अब तक की सबसे निजी फिल्मों में से एक है और पहले दिन से लेकर आखिरी दिन तक यह मेरे लिए प्यार और लगन से जुड़ा काम रहा है। तन्वी की कहानी सुनाने का मतलब ऐसे जज्बे के साथ वक्त बिताना था, जो 'नहीं हो सकता' जैसे शब्द को जानती ही नहीं, और यही भावना हर दिन मेरे साथ रही। इस बात ने फिल्म की शूटिंग के दौरान हर कदम पर मेरा साथ दिया। शुभांगी और पूरी कास्ट व क्रू के साथ काम करना बेहद अच्छा अनुभव रहा, क्योंकि सेट पर हर कोई इस कहानी को पूरी ईमानदारी और दिल से पेश करने की जिम्मेदारी समझता था। असल में यह फिल्म लोगों को वैसे देखने की बात करती है, जैसे वे हैं। यह सपनों पर विश्वास रखने की कहानी है, चाहे वो कितने भी बड़े या मुश्किल क्यों न लगें। मुझे खुशी है कि ज़ी सिनेमा के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के माध्यम से यह फिल्म देशभर के परिवारों तक पहुँच रही है और इसके लिए बाल दिवस से बेहतर दिन कोई और नहीं हो सकता। मेरी उम्मीद है कि माता-पिता और बच्चे साथ बैठकर तन्वी का सफर देखें और अपने साथ इसकी कोई खास सीख लेकर जाएँ। ज़ी सिनेमा हमेशा बेहतरीन फिल्मों को लाखों घरों तक पहुँचाता रहा है और मैं आभारी हूँ कि उन्होंने 'तन्वी द ग्रेट' को यह मंच दिया।" मुख्य किरदार तन्वी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी दत्त कहती हैं, "तन्वी का किरदार निभाना मेरी जिंदगी के सबसे खास और विनम्र बनाने वाले अनुभवों में से एक रहा है। उसने मुझे धैर्य, हिम्मत और कभी हार न मानने की खुशी सिखाई। सेट पर हर दिन मुझे इस जिम्मेदारी की अहमियत और खूबसूरती का एहसास होता था। अनुपम सर के निर्देशन में काम करना मेरे लिए किसी तोहफे से कम नहीं था। उन्होंने मुझे बहुत प्यार और भरोसे के साथ राह दिखाई और सेट को एक परिवार जैसा बना दिया। इस फिल्म की सबसे अच्छी बात इसका संदेश है कि हर बच्चा कुछ खास कर सकता है और उसे बस किसी ऐसे इंसान की जरूरत होती है, जो उस पर विश्वास करे। यही वजह है कि मुझे खुशी है कि 'तन्वी द ग्रेट' बाल दिवस पर ज़ी सिनेमा पर दिखाई जा रही है, ताकि परिवार इसे साथ बैठकर देख सकें। इस फिल्म को इतने सारे घरों तक पहुँचाने के लिए मैं ज़ी सिनेमा की आभारी हूँ। उम्मीद है कि हर उम्र के दर्शक तन्वी की कहानी से उतने ही प्रेरित होंगे, जितनी मैं हुई हूँ।"



जश्न में रोमांच और मस्ती का तड़का लगाने के लिए 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरोः एलियंस का आगमन' का प्रीमियर रात 8 बजे ज़ी सिनेमा पर होगा। यह फिल्म स्कूल जाने वाले बच्चों के एक जोशीले ग्रुप की कहानी है, जिसका नेतृत्व एक कल्पनाशील बच्चा करता है। वह अपने दोस्तों को यकीन दिलाता है कि उसके प्यारे दादा, जिनका किरदार जैकी श्रॉफ ने निभाया है, के पास असाधारण सुपरपावर हैं। जैसे ही रहस्यमयी घटनाएँ शुरू होती हैं, बच्चे मस्ती, दोस्ती और बड़े रोमांच से भरे एक सफर पर निकल पड़ते हैं। वे यह साबित करने की कोशिश करते हैं कि उनके हीरो जैसा कोई और नहीं है। इस दौरान, फिल्म दादा और पोते के खूबसूरत रिश्ते को भी दिखाती है और बचपन की असीम कल्पनाओं, जिज्ञासा और हिम्मत का जश्न मनाती है। हँसी, एक्शन और परिवार के साथ बिताए खूबसूरत पलों से सजी यह फिल्म बच्चों को बड़े सपने देखने, खुद पर विश्वास रखने और यह समझने के लिए प्रेरित करती है कि असली हीरो वही होता है, जो दयालु हो, आत्मविश्वास रखता हो और अपनों का साथ कभी न छोड़े। फिल्म के टेलीविजन प्रीमियर को लेकर जैकी श्रॉफ कहते हैं, "बच्चों की दुनिया कल्पनाओं, आश्चर्य और अनगिनत संभावनाओं से भरी होती है। हर बच्चा दुनिया को अपने अलग अंदाज में देखता है और मेरा मानना है कि हर बच्चा अपने पिता या दादा को सुपरहीरो मानता है। बचपन की यही मासूमियत और खुशी उसे इतना खास बनाती है। 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' के जरिए हमने मस्ती, रोमांच और सुपरहीरो के जादू से भरी कहानी के साथ इसी एहसास को पर्दे पर उतारने की कोशिश की है। इस बाल दिवस पर मेरी उम्मीद है कि परिवार ज़ी सिनेमा पर यह फिल्म साथ बैठकर देखें, इस मजेदार एडवेंचर का आनंद लें और कुछ खूबसूरत यादें बनाएँ। आखिरकार, बचपन की खुशी और मासूमियत बेहद अनमोल होती है और उसके छोटे छोटे पल हमेशा हमारे साथ रहते हैं।"

'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो : एलियंस का आगमन' के निर्देशक मनीष सैनी कहते हैं, "बाल दिवस कल्पनाओं, जिज्ञासा और कुछ नया खोजने की खुशी का जश्न मनाने का दिन है। 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' के जरिए हम एक ऐसी मनोरंजक एडवेंचर फिल्म बनाना चाहते थे, जिसमें हँसी और सुपरहीरो का रोमांच एक साथ हो। असल में यह फिल्म हिम्मत और सही बात के लिए खड़े होने के विश्वास का जश्न मनाती है। मुझे खुशी है कि ज़ी सिनेमा बाल दिवस पर इस रोमांचक फिल्म को दर्शकों तक पहुँचा रहा है, जिससे बच्चों और परिवारों को साथ आने, फिल्म का आनंद लेने और बचपन के जादू का जश्न मनाने का मौका मिलेगा।" एक खास मौके पर दो अलग अलग कहानियों को साथ लाकर ज़ी सिनेमा की बाल दिवस की यह पेशकश परिवारों को सार्थक कहानियों और भरपूर मनोरंजन का आनंद लेने का मौका देती है। जहाँ 'तन्वी द ग्रेट' पुरानी सोच को चुनौती देने और हर मुश्किल के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने के हौंसले का जश्न मनाती है, वहीं 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरोः एलियंस का आगमन' बचपन की कल्पनाओं, सुपरहीरो के सपनों और पीढ़ियों के बीच के खास रिश्ते को खूबसूरती से पेश करती है। दोनों फिल्में मिलकर बाल दिवस को यादगार बनाती हैं और घर घर तक प्रेरणा, रोमांच और पारिवारिक मनोरंजन से भरी कहानियाँ पहुँचाती हैं। इस बाल दिवस पर ज़ी सिनेमा पर दो खास फिल्मों का आनंद लेना न भूलें। 'तन्वी द ग्रेट' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर दोपहर 1.30 बजे और 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरोः एलियंस का आगमन' का प्रीमियर रात 8 बजे होगा।

सलमान ने दी गाने में अपनी आवाज



बॉलीवुड के दबंग अभिनेता सलमान खान एक बार फिर अपने चाहने वालों के लिए एक बेहतरीन और अनूठा सरप्राइज लेकर आए हैं। अपनी फिल्मों, अभिनय और अनोखे अंदाज से हमेशा सुर्खियों में रहने वाले सलमान खान ने हाल ही में रिलीज हुए नए और धमाकेदार गाने 'तेरी सेक्सी ब्यूटी' में अपनी खास आवाज दी है। अभिनेता का यह नया रूप उनके प्रशंसकों के बीच चर्चा का एक बड़ा केंद्र बन गया है। इस बहुप्रचारित गाने में सलमान खान के साथ खूबसूरत और प्रतिभाशाली अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह भी मुख्य रूप से नजर आ रही हैं, जिनकी स्क्रीन प्रेजेंस इस ट्रैक को और अधिक आकर्षक बना रही है।

इस गाने के रिलीज होने के साथ ही इसकी रिकॉर्डिंग से जुड़ा एक बेहद दिलचस्प और अनसुना किस्सा भी सामने आया है, जो संगीत प्रेमियों को हैरान कर रहा है। संगीतकार साजिद अली खान ने इस गाने के बनने के पीछे की पूरी कहानी साझा करते हुए बताया है कि यह गाना किसी लंबी योजना का हिस्सा नहीं था, बल्कि यह आखिरी समय में अचानक तैयार हुआ था। संगीतकार के मुताबिक, एक दिन अचानक सलमान खान ने उन्हें फोन किया और अपनी इच्छा जताते हुए कहा कि वह इस गाने को अपनी ही आवाज में रिकॉर्ड करना चाहते हैं। साजिद ने तुरंत उनकी बात मानते हुए उन्हें अगली सुबह स्टूडियो आने का निमंत्रण दिया। इसके साथ ही उन्होंने सलमान से यह भी अनुरोध किया था कि रिकॉर्डिंग से पहले वह कुछ भी खाने-पीने से परहेज करें, क्योंकि उन्हें सलमान की आवाज में एक खास भारीपन और जैज गायकों जैसी थोड़ी खुरदरी और अनूठी शैली की आवश्यकता थी। स्टूडियो में हुई मुलाकात के बारे में बात करते हुए साजिद अली खान ने आगे बताया कि जब सलमान खान तय समय पर स्टूडियो पहुँचे, तो माहौल को संगीत के अनुकूल बनाने के लिए दोनों ने मिलकर कुछ क्लासिक जैज गाने सुने। इन गानों को सुनने के बाद सलमान पूरी तरह से उस रचनात्मक अंदाज और मूड में आ गए, जिसकी इस ट्रैक को सख्त जरूरत थी। सबसे हैरानी की बात यह रही कि सलमान खान को यह गाना पहले से ही अच्छी तरह याद था, जिसके कारण रिकॉर्डिंग प्रक्रिया में बिल्कुल भी समय नहीं लगा और उन्होंने बेहद कम समय में इसे पूरी शिद्दत के साथ रिकॉर्ड कर लिया। सलमान खान के इस बहुमुखी हुनर और उनके नए गाने ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह मनोरंजन की दुनिया में अपने प्रशंसकों को हैरान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं।



ओट्टनथुल्लल देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए : सोना महापात्रा



हाल ही में प्रसिद्ध गायिका सोना मोहपात्रा ने केरल में दीपावली का पावन पर्व मनाया। इस दौरान वे पारंपरिक कला रूप ओट्टनथुल्लल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गईं। सोना मोहपात्रा ने इस अनूठी कला के बारे में विस्तार से बताते हुए अपने अनुभव साझा किए। सोना मोहपात्रा ने अपनी केरल यात्रा और इस शानदार प्रदर्शन को देखने की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। उन्होंने इसे संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने का एक अद्भुत संगम बताया। गायिका ने अपने अनुभव में लिखा, केरल में हमारी शानदार दीपावली की छुट्टियों की एक छोटी-सी झलक। परिवार, त्योहार, खाना, बैकवाटर और भी बहुत कुछ, लेकिन इस यात्रा का सबसे बड़ा हाईलाइट ओट्टनथुल्लल का यह असाधारण प्रदर्शन है। दो कलाकार, एक मृदंगम, संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने की पूरी दुनिया। इसे देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गई और आखिर में मेरी आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शन में द्रौपदी द्वारा भीम को खुशबूदार कल्याण सौगंधिकम फूल की खोज में भेजने की कहानी को इतने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया कि वे पूरी तरह से उसमें खो गईं। गायिका ने कलाकारों की अद्भुत प्रतिभा का वर्णन करते हुए बताया कि कैसे मुख्य कलाकार पलक झपकते ही एक किरदार से दूसरे किरदार में बदल रहे थे, केरल की लोक और शास्त्रीय संगीत परंपराओं से लिए गए बेहद मुश्किल गीतों को गा रहे थे, और अद्भुत शारीरिक ऊर्जा के साथ नृत्य कर रहे थे। उनके भाव, आवाज़, मूड और व्यक्तित्व को हैरान कर देने वाली आसानी से बदलने की क्षमता ने सबको चौंका दिया। एक गायिका के तौर पर, सोना इस सांस पर नियंत्रण और कलात्मक महारत को देखकर विश्वास नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने मृदंगम वादक को वन-मैन ऑर्केस्ट्रा बताया, जो नाटकीय प्रभावों, लयबद्ध बातचीत, ठहराव और संगीत की शरारतों से भरा पूरा साउंडस्केप बना रहे थे, साथ ही कोरस की भूमिका भी निभा रहे थे। सोना ने बताया कि कैसे सिर्फ दो लोगों ने अपनी कला की महारत से पूरे दर्शकों को बांधे रखा। इस प्रदर्शन में कॉमेडी का भी एक अनूठा पहलू था – तेज, सहज और बेहद समझदारी भरी। कलाकार दर्शकों में से अनजान लोगों को चुनकर सबको कहानी में शामिल करते थे, और बिना किसी सस्ते अपमान के सबको हंसाते थे। सोना ने यह भी बताया कि यह कला सिर्फ मंदिर, ऑडिटोरियम या हेरिटेज फेस्टिवल तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक लिविंग रूम, शादी, कॉर्पोरेट कार्यक्रम, गांव के चौक या किसी अंतरराष्ट्रीय मंच को भी रोशन कर सकती है। कहानी कहने का यह तरीका इतना शारीरिक, संगीतमय, मजाकिया और मानवीय है कि मलयालम का हर शब्द समझे बिना भी दर्शक पूरी तरह से इसमें खो जाते हैं। बता दें कि ओट्टनथुल्लल केरल का एक प्रसिद्ध पारंपरिक एकल नृत्य और काव्य-वाचन कला रूप है, जिसकी शुरुआत 18वीं शताब्दी में प्रसिद्ध मलयालम कवि कुंचन नंबियार ने की थी।

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे के लिए ब्रेट रैंडेल को किया टीम में शामिल

एजेंसी, वेलिंगटन

भारत के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे मुकाबले के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी टीम में बदलाव किया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की घोषणा की। इसके अलावा जोश क्लार्कसन को भी सीरीज के पांचवें और अंतिम वनडे के लिए टीम में वापस बुलाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक पदार्पण नहीं करने वाले रैंडेल हाल ही में डर्बीशायर की ओर से काउंटी चैंपियनशिप में खेलकर लौटे हैं। उनसे इस सीरीज में न्यूजीलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने की उम्मीद है।

वहीं, क्लार्कसन न्यूजीलैंड के लिए अब तक छह वनडे मुकाबले खेल चुके हैं। उन्होंने आखिरी बार इस साल अप्रैल में बांग्लादेश के खिलाफ राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था।



इन दोनों खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने का फैसला चोटों की समस्या, खासकर तेज गेंदबाजी विभाग में खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण लिया गया है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, "जब किसी खिलाड़ी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिलती है, तो यह हमेशा खास मौका होता है। हम ब्रेट के लिए बहुत खुश हैं। वह पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने इस अवसर को हासिल किया है।"

उन्होंने कहा, "पूरी सीरीज के दौरान टीम में कुछ बदलाव हुए हैं। ऐसे में हम भाग्यशाली हैं कि ब्रेट और जोश को टीम में शामिल कर सके। इस सप्ताहांत मौसम अच्छा रहने की उम्मीद है। हमें उम्मीद है कि सीरीज का समापन शानदार अंदाज में होगा।"

चौथे और पांचवें वनडे के लिए नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के पाथवे कोच मिच रेनविक और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच कोरी माइल्स भी रॉब वाल्टर और मार्टिन गुप्टिल के साथ टीम से जुड़ गए हैं। वहीं, गेंदबाजी कोच जैकब ओरम, बल्लेबाजी कोच ल्यूक रोंची और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच क्रिस डोनाल्डसन टेस्ट मैचों की तैयारी के लिए वेलिंगटन रवाना हो गए हैं।

चौथे वनडे के लिए न्यूजीलैंड की टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिच हे (विकेटकीपर), मैट हेनरी, काइल जैमीसन, निक केली, ब्रेट रैंडेल, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर) और विल यंग।

पांचवें वनडे के लिए न्यूजीलैंड की टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, ब्रेट रैंडेल, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : विवेक शेलार ने महाराष्ट्र टीम में चयन का श्रेय आईएसपीएल को दिया

एजेंसी, मुंबई

इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) में अपनी रफ्तार और शानदार प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले भिवंडी के तेज गेंदबाज विवेक शेलार को आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए महाराष्ट्र की टीम में चुना गया है। 26 वर्षीय शेलार ने इसी साल फरवरी में खेले गए अपने पहले आईएसपीएल सत्र में कोलकाता टाइगर्स के लिए नौ विकेट लिए थे। इसमें एलिमिनेटर मुकाबले में ली गई हैट्रिक भी शामिल है। कोलकाता टाइगर्स के सह-मालिक सैफ अली खान, करीना कपूर खान और सौरव गांगुली हैं। आईएसपीएल में सबसे तेज गेंदबाज रहे शेलार ने टूर्नामेंट के दौरान 145.2 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। उन्होंने महाराष्ट्र टीम में चयन का श्रेय आईएसपीएल में अपने प्रदर्शन को दिया। शेलार के मुताबिक, चयनकर्ताओं ने आईएसपीएल में उनकी गेंदबाजी और रफ्तार पर लगातार नजर रखी, जिसके बाद उन्हें महाराष्ट्र के लिए खेलने का मौका मिला। शेलार ने कहा,



"आईएसपीएल और वहां मेरे प्रदर्शन की वजह से ही मुझे राजस्थान रॉयल्स के ट्रायल में अभ्यास के लिए बुलाया गया था। चयनकर्ताओं ने आईएसपीएल में मेरे प्रदर्शन और गेंदों की रफ्तार देखने के बाद मुझ पर भरोसा जताया।" उन्होंने कहा, "अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए चयन हुआ है तो मैं वहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। उम्मीद है कि इसके बाद आईपीएल में भी चयन हो सकेगा। मेरा लक्ष्य यही है, लेकिन सबसे पहले मैं महाराष्ट्र को जीत दिलाने की कोशिश करूंगा।" भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना हर क्रिकेटर की तरह शेलार भी देखते हैं, लेकिन वह फिलहाल एक-एक कदम आगे बढ़ना चाहते हैं। महाराष्ट्र की टीम में ऋतुराज गायकवाड़ और पृथ्वी शॉ जैसे भारतीय सितारे शामिल हैं। शेलार इस टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर अपनी जगह मजबूत करना चाहते हैं। भारत की पहली टेनिस बॉल आधारित टी10 क्रिकेट लीग आईएसपीएल ने स्थानीय स्तर पर टेनिस बॉल क्रिकेट खेलने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पेशेवर क्रिकेट तक पहुंचने का मंच दिया है। शेलार के लिए यह अनुभव बेहद खास रहा है। उन्होंने बताया कि जब वह गांव में खेलते हैं और उनका मैच टेलीविजन पर सीधा प्रसारित होता है तो वहां त्योहार जैसा माहौल बन जाता है।

जापान मास्टर्स : त्रीसा-गायत्री और हरिहरन-अर्जुन की चुनौती समाप्त

एजेंसी, कुमामोटो

जापान मास्टर्स-2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में गुरुवार को भारतीय खिलाड़ियों का सफर निराशाजनक रहा। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद तथा पुरुष युगल में हरिहरन अम्सकरुणन और एमआर अर्जुन को प्री-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता त्रीसा और गायत्री की जोड़ी को जापान की रिन इवानागा और की नाकानिशी ने 21-14, 21-14 से हराया। भारतीय जोड़ी ने इससे पहले राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में जापान की हिनाता सुजुकी और नाओ यामाकिता को 42 मिनट में 21-17, 21-14



से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पहले गेम से ही जापानी जोड़ी ने दबदबा बनाए रखा। इवानागा और नाकानिशी ने लगातार छह अंक हासिल कर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में त्रीसा और गायत्री ने शानदार वापसी की कोशिश की। भारतीय जोड़ी ने लगातार चार अंक जुटाए और शुरुआती दौर में 5-1 की बढ़त बना ली। मुकाबला 14-14 तक बराबरी पर रहा, लेकिन इसके बाद जापानी खिलाड़ियों ने लगातार सात अंक हासिल कर मैच जीत लिया। मुकाबला करीब 40 मिनट चला। इससे पहले पुरुष युगल में हरिहरन अम्सकरुणन और एमआर अर्जुन की जोड़ी भी हारकर बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी का सामना जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से हुआ। होकी और कोबायाशी 2021 विश्व चैंपियनशिप के विजेता हैं। हरिहरन और अर्जुन ने पिछले दौर में पूर्व विश्व चैंपियन मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर उलटफेर किया था, लेकिन इस बार जापानी जोड़ी ने उन्हें 21-14, 21-14 से शिकस्त दी। यह मुकाबला 35 मिनट से कुछ अधिक समय तक चला।

न्यूजीलैंड ने अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मैच में भारत को 5-0 से हराया

एजेंसी, ऑकलैंड

कप्तान क्रिस वुड के एक गोल और जेसी रैंडेल के दो गोल की बदौलत न्यूजीलैंड ने गुरुवार को यहां खेले गए अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मुकाबले में भारत को 5-0 से करारी शिकस्त दी। मेजबान टीम ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और भारतीय टीम को एक भी गोल नहीं करने दिया। न्यूजीलैंड ने पांचवें मिनट में जवाबी हमले पर गोल कर बढ़त हासिल की। परमवीर द्वारा गेंद को क्लीयर किए जाने के बाद रैंडेल ने पेनल्टी बॉक्स में कटबैक दिया, जिस पर भारतीय डिफेंडर बिजॉय वर्गीस से गेंद टकराकर गोलपोस्ट में चली गई। इसके बाद भी रैंडेल ने



भारतीय रक्षापंक्ति को लगातार परेशान किया और पहले हाफ में 34वें तथा 43वें मिनट में गोल कर अपनी टीम की बढ़त 3-0 कर दी। दूसरे हाफ में न्यूजीलैंड के कप्तान क्रिस वुड ने भी गोल किया। उन्होंने 57वें मिनट में कैलन इलियट के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। इस सत्र में गोल के लिए जूझ रहे वुड का यह न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के लिए सितंबर 2025 के बाद पहला गोल था। तब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-3 की हार में गोल किया था। भारतीय टीम की मुश्किलें 75वें मिनट में और बढ़ गईं, जब लियाम गिलियन के क्रॉस पर लैचलन बेलिस ने बेहतरीन हाफ-वॉली शॉट लगाकर स्कोर 5-0 कर दिया। पिछले महीने उरुग्वे के खिलाफ छह गोल गंवाने वाली भारतीय टीम पर एक बार फिर बड़ी हार का खतरा मंडराने लगा था। मैच में छठा गोल भी हो सकता था, जब मैथ्यू शेरिडन के प्रयास पर आकाश मिश्रा ने पेनल्टी बॉक्स में हाथ से गेंद रोक दी। हालांकि, 17 महीने बाद शुरुआती एकादश में वापसी कर रहे गोलकीपर विशाल कैथ ने बिल टुइलोमा के प्रयास को शानदार तरीके से रोककर छठा गोल नहीं होने दिया। हालांकि, तब तक भारतीय टीम को काफी नुकसान हो चुका था। मुख्य कोच खालिद जमील के नेतृत्व में टीम का खराब प्रदर्शन जारी रहा। भारत ने अपने पिछले दो मुकाबलों में केवल एक गोल किया है, जबकि 11 गोल गंवाए हैं।

बिजनेस

एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में बना दबाव, सोना-चांदी और क्रूड के साथ ही बेस मेटल में भी गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू कमोडिटी मार्केट (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज-एमसीएक्स) में आज गुरुवार, 12 नवंबर को सुबह के शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी महंगाई के ऊंचे आंकड़ों और डॉलर इंडेक्स में आई मजबूती का सीधा असर कीमती धातुओं पर दिखाई दे रहा है। इसके कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना और चांदी दोनों ही गिरावट के साथ लाल निशान में खुले हैं। एनर्जी मार्केट में भी कच्चे तेल की कीमतों में नरमी जारी है, जबकि इंडस्ट्रियल बेस मेटल (औद्योगिक धातुओं) में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। सर्राफा बाजार की बात करें तो आज सुबह अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत फिसल कर 3,971.75 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गई। इसी तरह कॉमेक्स पर चांदी भी करीब एक प्रतिशत टूटकर 51.47 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रही है। घरेलू स्तर पर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज



में सोना वायदा 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,39,245 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला। वहीं, चांदी वायदा में भी 0.94 प्रतिशत की कमजोरी आई और यह 1,82,794 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर आ गई। एनर्जी मार्केट में कच्चे तेल की कीमत पर आज भी बिकवाली का दबाव हावी है। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता में गतिरोध बने रहने के बावजूद सैन्य तनाव टलने के संकेतों से तेल सस्ता हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड आज 1.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 91.24 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। इसी तरह अमेरिकी क्रूड यानी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई क्रूड) भी नरमी के साथ 85.20 डॉलर प्रति बैरल के निचले स्तर तक लुढ़क गया। औद्योगिक धातुओं यानी बेस मेटल्स में आज अलग-अलग रुख देखने को मिल रहा है। घरेलू बाजार में एल्यूमिनियम की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। इस गिरावट के कारण एल्यूमिनियम 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 334 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास बना हुआ है। दूसरी ओर, कॉपर के भाव में हल्की सुस्ती का रुख बना हुआ है। फिलहाल ये धातु 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,334.50 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बना हुआ है। कमोडिटी बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिका में महंगाई दर उम्मीद से अधिक रहने के कारण फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों पर सख्त रुख अपनाने की आशंका बढ़ गई है। इससे अमेरिकी डॉलर को मजबूती मिली है, जो सोने और चांदी जैसी गैर-ब्याज वाली संपत्तियों पर दबाव बना रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, शॉर्ट टर्म में कीमती धातुओं और कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव का यह सिलसिला जारी रह सकता है।

गोयल का वैश्विक निवेशकों से आग्रह- भारत को बनाएं अपना निवेश ठिकाना

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को वैश्विक निवेशकों से भारत को अपना अगला निवेश का ठिकाना बनाने का आग्रह किया। उन्होंने वैश्विक निवेशकों से भारत में निवेश करने और उद्योगों से गुणवत्ता एवं टिकाऊपन पर ध्यान देने का आग्रह करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत निवेश के लिए एक सुरक्षित गंतव्य है। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में दो दिवसीय 31वें कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) साझेदारी सम्मेलन में पहले दिन संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक हिन्दी पिक्चर के चर्चित डॉयलाग का उल्लेख करते हुए कहा कि कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा? एक समय पूरा देश यही सवाल पूछ रहा था। उन्होंने कहा कि आज वैश्विक व्यापार में साझेदार एक अलग ही सवाल पूछ रहे हैं कि हम किस पर भरोसा कर सकते हैं? इसका जवाब है-भारत। एक ऐसा साझेदार, जो अपनी बात का पक्का है। एक ऐसा साझेदार जो कभी पीठ में छुरा नहीं घोंपेगा।

एमएससीआई रिव्यूः एलआईसी और मीशो समेत 4 दिग्गज कंपनियों को ग्लोबल इंडेक्स में मिली जगह

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल इंडेक्स सर्विस प्रोवाइडर एमएससीआई (मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल) ने अपने नवंबर 2026 के तिमाही समीक्षा के नतीजों की घोषणा कर दी है। इस ताजा फेरबदल में भारतीय शेयर बाजार की चार दिग्गज कंपनियों को एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स में जगह मिली है। शामिल होने वाली कंपनियों में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), कोफोर्ज, अदाणी ग्रीन एनर्जी और ई-कॉमर्स कंपनी मीशो के नाम प्रमुख हैं। दूसरी ओर पीआई इंडस्ट्रीज को इस सूचकांक से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। ये सभी नए बदलाव 30 नवंबर को बाजार बंद होने के बाद प्रभावी रूप से लागू किए जाएंगे। इस बड़े बदलाव से भारतीय बाजार में विदेशी निवेश का प्रवाह और तेज होने की उम्मीद है। नुवामा अल्टरनेटिव एंड क्वांटिटेटिव रिसर्च के अनुमान के मुताबिक, ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स में शामिल होने से इन चारों कंपनियों में फॉरेन कैपिटल इनफ्लो तेज हो सकता है। इसमें सबसे ज्यादा 63 करोड़ डॉलर का



संभावित निवेश कोफोर्ज के शेयरों में आने की उम्मीद है। इसके अलावा एलआईसी में 46.8 करोड़ डॉलर, अदाणी ग्रीन एनर्जी में 34.8 करोड़ डॉलर और मीशो में 30.7 करोड़ डॉलर का विदेशी निवेश आ सकता है। इसके विपरीत, पीआई इंडस्ट्रीज के इंडेक्स से बाहर होने के कारण इस स्टॉक से लगभग 11.9 करोड़ डॉलर की पूंजी निकलने (फॉरेन कैपिटल आउटफ्लो) की आशंका जताई गई है। नई कंपनियों को शामिल करने के साथ ही एमएससीआई ने 11 मौजूदा भारतीय कंपनियों का वेटेज भी बढ़ाया है। इन कंपनियों में ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियनब्रेन्स गैराज वेंचर्स, लेंसकार्ट, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, कोल इंडिया और पेटीएम शामिल हैं। इसके अलावा भारत फोर्ज, ऑरकेल फाइनेंशियल सर्विसेज, जायडस लाइफसाइंसेज, वेदांता और बॉश का भी वेटेज बढ़ा है। इस बढ़ोतरी से इन शेयरों में 1 करोड़ से लेकर 9.7 करोड़ डॉलर तक का नया निवेश आ सकता है। दूसरी तरफ, एनटीपीसी, आयशर मोटर्स, ग्रासिम, आरईसी, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, सिप्ला, गेल, एमआरएफ और सीमेंस इंडिया का वेटेज घटाया गया है, जिससे इनमें पूंजी निकासी देखने को मिल सकती है। वैश्विक स्तर पर एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में शामिल होने वाली तीन सबसे बड़ी नई कंपनियों में भारत की एलआईसी ने भी अपनी जगह बनाई है। इस रिव्यू के बाद इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में भारत का कुल वेटेज 12.9 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 13.15 प्रतिशत होने का अनुमान है। मुख्य सूचकांक यानी एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स के अलावा एमएससीआई इंडिया स्मॉल कैप इंडेक्स में भी बड़ा उलटफेर हुआ है। इस इंडेक्स में पीआई इंडस्ट्रीज, शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीस, अपोलो माइक्रो सिस्टम्स और हुडको समेत कुल 11 नई कंपनियों को जोड़ा गया है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच शानदार रिकवरी का रुख बना हुआ है। आज जारी होने वाले खुदरा महंगाई के आंकड़ों से पहले निवेशकों की सतर्कता के कारण बाजार की शुरुआत लाल निशान में कमजोरी के साथ हुई थी। हालांकि, बाजार खुलने के कुछ ही मिनटों के भीतर खरीदारों ने निचले स्तरों पर मोर्चा संभाल लिया। खासकर, बीमा और फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर की दिग्गज कंपनियों में आई जोरदार लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स और



निफ्टी 50 दोनों प्रमुख सूचकांक अपनी शुरुआती गिरावट को पूरी तरह पाट कर हरे निशान में आ गए। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10:30 बजे सेंसेक्स 0.34 प्रतिशत और निफ्टी 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ ट्रेड कर रहे थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज 117.13 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 81,762.27 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक फिसलकर 81,576.15 अंक के निचले स्तर तक भी आया। इसके बाद फाइनेंशियल और इंश्योरेंस सेक्टर के शेयरों में शुरू हुई बंपर खरीदारी से बाजार को काफी सपोर्ट मिला। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 278.88 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 82,158.28 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा था।

सर्राफा बाजार में फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में भी गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह, चांदी के भाव में आज शुरुआती कारोबार में 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में बदलाव होने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

डॉलर के मुकाबले कमजोर शुरुआत के बाद रुपये ने बनाई बढ़त, एफआईआई के डॉलर इनफ्लो से मिला सहारा

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार (फॉरेक्स मार्केट) में आज शुरुआती कारोबार के दौरान भारतीय मुद्रा की चाल में तेजी बनी हुई नजर आ रही है। रुपये ने आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मामूली कमजोरी के साथ शुरुआत की थी। हालांकि कारोबार शुरू होने के थोड़ी देर बाद ही रुपये ने सुधर कर बढ़त बना ली। इसके पहले पिछले कारोबारी सत्र यानी बुधवार को रुपया 25 पैसे की मजबूती के साथ 93.69 प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था। आज भी भारतीय मुद्रा अपनी बढ़त को बरकरार रखे हुए है। आज सुबह इंटरबैंक फॉरेन



एक्सचेंज मार्केट खुलते ही डॉलर इंडेक्स की मजबूती और आयातकों की डॉलर डिमांड के कारण रुपये पर हल्का दबाव देखा गया।

इसी दबाव की वजह से शुरुआती सत्र में भारतीय रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 4 पैसे टूट कर 93.73 प्रति डॉलर के स्तर पर खुला। कमजोर शुरुआत होने के बाद इक्विटी मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से शुरू हुई लिवाली के कारण फॉरेक्स मार्केट में भी डॉलर का इनफ्लो (आवक) तेज हो गया, जिससे रुपये की स्थिति में सुधार होने लगा। सुबह 10:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 93.62 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रही थी। अमेरिकी डॉलर में आई इस तेजी के पीछे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की बढ़ती आशंकाओं को मुख्य वजह माना जा रहा है। इसके चलते दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स उछल कर अपने एक महीने के ऊपरी स्तर के करीब पहुंच गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।